RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:227। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (गुरुवार) 09 अप्रैल 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

संक्षिप्त समाचार

पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसिना किदवई का निधन

•दिल्ली के निजामुद्दीन कब्रिस्तान में होंगी सुपुर्दे खाक

एजेंसी

लखनऊ/नोएडा। गांधी परिवार की भरोसेमंद वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसिना किदवई का बुधवार तड़के 93 वर्ष की आयु में नोएडा के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया है। उनके निधन की खबर से पूरे प्रदेश में शोक की लहर दौड़ गई है। आज ही उनको सुपुर्दे खाक किया जाएगा। उनके निधन पर विभिन्न दलों के नेताओं ने गहरा दुःख व्यक्त किया है। राजनीतिक जीवन में लंबे समय तक सक्रिय रहीं मोहसिना किदवई नोएडा के सेक्टर 40 स्थित आवास में रहती थीं। कांग्रेस पार्टी के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सचिव लियाकत चौधरी ने बताया कि कांग्रेस नेता मोहसिना किदवई का आज सुबह नोएडा के सेक्टर 12 स्थित मेट्रो अस्पताल में निधन हो गया है। उन्होंने बताया कि नोएडा के सेक्टर 40 स्थित आवास से मोहसिना किदवई की अंतिम यात्रा शुरू होकर दिल्ली के निजामुद्दीन कब्रिस्तान पहुंचेगी और शाम पांच बजे उनको सुपुर्दे खाक किया जाएगा।

भवानीपुर सीट से ममता बनर्जी ने दाखिल किया नामांकन

•समर्थकों के साथ पहुंचीं अलीपुर सर्वे भवन

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने बुधवार को भवानीपुर विधानसभा सीट से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। सुबह लगभग 10:45 बजे वह अपने आवास से पैदल निकलकर अलीपुर स्थित सर्वे भवन पहुंचीं। इस दौरान उनके साथ पार्टी समर्थकों और नेताओं की बड़ी रैली भी मौजूद रही। नामांकन के समय उनके साथ कोलकाता के मेयर एवं राज्य के मंत्री फिरहाद हाकिम, पार्षद तथा मुख्यमंत्री के भाई स्वप्न बनर्जी, कार्तिक बनर्जी, भाभी कजरी बनर्जी सहित कई नेता उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री की रैली को देखते हुए पुलिस ने भीड़ नियंत्रण के लिए सड़क के एक हिस्से को गार्डरेल से घेर दिया था। मुख्यमंत्री की एक झलक पाने के लिए सड़क किनारे बड़ी संख्या में लोग जमा हुए। इस दौरान ममता बनर्जी हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन करती हुई आगे बढ़ीं। रैली में शामिल तृणमूल कार्यकर्ता 'जय बांग्ला' के नारे लगाते नजर आए। वहीं, सड़क किनारे खड़ी महिला कार्यकर्ताओं ने शंख बजाकर और उलुध्वनि कर उनका स्वागत किया।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने गुजरात वाले बयान पर खेद जताया

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने हाल ही में गुजरात के लोगों पर दिए अपने बयान पर विवाद बढ़ने के बाद खेद जताया है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया गया। उनका उद्देश्य कभी भी गुजरात के लोगों की भावनाओं को आहत करने का नहीं था। खरगे ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि कुछ समय पहले केरल में दिए उनके बयान की कुछ टिप्पणियों को जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद वह जिम्मेदारी के साथ खेद व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि उनके मन में गुजरात के लोगों के लिए हमेशा सर्वोच्च सम्मान रहा है। यह सम्मान आगे भी ऐसे ही रहेगा। उनका राज्य के लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का उद्देश्य कभी भी नहीं था। उल्लेखनीय है कि खरगे ने हाल ही में केरल के इडुक्की में चुनावी रैली में कहा था कि केरल के लोग 'पढ़े-लिखे और समझदार' हैं और उन्हें गुमराह नहीं किया जा सकता। इसके बाद उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को संबोधित करते हुए कहा कि वह गुजरात और अन्य जगह के लोगों को मूर्ख बना सकते हैं, जो 'अनपढ़' हैं।

चार जिलों की सात सीटों पर उम्मीदवार बदले

•20 वर्ष बाद सभी 294 सीटों पर चुनाव लड़ रही कांग्रेस

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए राष्ट्रीय कांग्रेस ने चुनाव घोषणा पत्र जारी होने के 24 घंटे के भीतर ही दक्षिण बंगाल के चार जिलों की सात विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार बदल दिए हैं। वहीं 20 वर्ष बाद प्रदेश कांग्रेस इस बार राज्य की सभी 294 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार रही है। कोलकाता के एक होटल में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में पार्टी का चुनाव घोषणा पत्र जारी किया गया था। इसके बाद बुधवार को पार्टी के संगठन महासचिव केसी. वेणुगोपाल ने बयान जारी कर उम्मीदवारों में बदलाव की विस्तृत जानकारी दी। कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए सभी सीटों पर उम्मीदवारों के नाम भी घोषित कर दिए हैं। पार्टी ने नदीया, उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना और बर्धमान जिलों की सीटों पर बदलाव किया है। इसके तहत नदीया जिले की नाकाशीपाड़ा सीट से गोलाम किबरिया मंडल के स्थान पर ताहिर शेख को उम्मीदवार बनाया गया है, जबकि चापड़ा सीट से रहिदुल मंडल की जगह आसिफ खान को टिकट दिया गया है। उत्तर 24 परगना की हाबड़ा सीट पर पहले किसी उम्मीदवार की घोषणा नहीं हुई थी, लेकिन अब वहां से प्रणब भट्टाचार्य को प्रत्याशी बनाया गया है। वहीं मिनाखा सीट पर वर्णाली नस्कर की जगह सुनयना विश्वास को उम्मीदवार बनाया गया है। दक्षिण 24 परगना जिले की मंदिरबाजार सीट पर पहले कौशिक बैद्य उम्मीदवार थे, लेकिन अब उनकी जगह चांद सरदार को टिकट दिया गया है।

बर्धमान जिले की रायना सीट से अनिक साहा के स्थान पर पम्पा मलिक, केतुग्राम सीट से मफिरुल काशेम की जगह शेख अबु बक्कर और आउसग्राम सीट से निशा बड़ाल के स्थान पर तापस बड़ाल को उम्मीदवार बनाया गया है।

देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की सप्लाई स्थिर : सरकार

एजेंसी

गुवाहाटी । वैश्विक स्तर पर पश्चिम एशियामें चल रहे भू-राजनीतिक तनाव और ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में आ रही रुकावटों के बीच भारत सरकार ने देशवासियों को बड़ी राहत दी है। अंतर मंत्रालयी प्रेस वार्ता के दौरान केंद्र ने साफ किया है कि भारत में ऊर्जा संसाधनों की कोई कमी नहीं है। एक ओर जहां कोयला और पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति सुचारू रूप से चल रही है, वहीं दूसरी ओर, विदेश में फंसे भारतीयों की सुरक्षित वापसी के लिए व्यापक कदम उठाए जा रहे हैं। सरकार का यह आधिकारिक बयान अर्थव्यवस्था और बाजार के लिए एक सकारात्मक संकेत है। आइए जानते हैं सरकार की ओर से क्या-क्या कहा गया।

•अबतक 5 किलो के 8,90,000 सिलेंडर की बिक्री

कोयला उत्पादन और बिजली आपूर्ति

कोयला मंत्रालय के संयुक्त सचिव संजीव कुमार कस्सी ने देश में बिजली उत्पादन को लेकर स्थिति स्पष्ट की है। उन्होंने आश्वस्त किया कि देश की खदानों और बिजली संयंत्रों में कोयले का पर्याप्त भंडार मौजूद है, जिससे उपभोक्ताओं को बहुत ही कम समय के नोटिस पर कोयले की आपूर्ति की जा सकती है। देश की कुल ऊर्जा जरूरतों का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा आज भी कोयला आधारित बिजली से पूरा होता है। कस्सी ने बताया कि बिजली उत्पादन क्षमता में कोई कमी नहीं है क्योंकि कोयले का उत्पादन उसकी खपत के स्तर के साथ पूरी तरह से तालमेल बिठाकर चल रहा है। भारत ने ऊर्जा की एक किफायती और पर्याप्त आपूर्ति बनाए रखी है तथा लगातार दूसरे वर्ष 1 अरब टन कोयला उत्पादन का ऐतिहासिक लक्ष्य हासिल किया है। कोयला मंत्रालय के संयुक्त सचिव ने बताया कि भारत के पास बिजली उत्पादन की जरूरतों के लिए 24 दिनों का कोयले का भंडार मौजूद है।

वैश्विक तनाव और नागरिकों की सुरक्षा

विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पश्चिम एशिया के संकट पर भारत का आधिकारिक रुख स्पष्ट किया। भारत ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और व्यापार को बाधित करने वाले इस संघर्ष के बीच हालिया युद्धविराम का स्वागत करते हुए स्थायी शांति की उम्मीद जताई है। भारत लगातार कूटनीति और संवाद पर जोर दे रहा है और हर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से निर्बाध नेविगेशन को आवश्यक मानता है। भारतीय समुदाय की सुरक्षा और कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए 24 घंटे का कंट्रोल रूम संचालित किया जा रहा है जो वीजा और रसद जैसी सहायता दे रहा है।

गुलाबी नगरी को केंद्र की बड़ी सौगात

● 13,037 करोड़ की 'जयपुर मेट्रो फेज-2' को मिली कैबिनेट की मंजूरी

एजेंसी

दिल्ली/जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने जयपुर मेट्रो के बहुप्रतीक्षित फेज-2 को हरी झंडी दे दी है। 41 किलोमीटर लंबा यह उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर (North-South Corridor) प्रहलादपुरा से टोडी मोड़ तक बनेगा, जिसकी कुल लागत 13,037.66 करोड़ रुपये आंकी गई है। शहर के एक कोने से दूसरे कोने तक कनेक्टिविटी यह नया कॉरिडोर जयपुर के प्रमुख औद्योगिक, चिकित्सा और आवासीय क्षेत्रों को आपस में जोड़ेगा। इसमें कुल 36 स्टेशन होंगे।

इन प्रमुख क्षेत्रों को मिलेगा लाभ :

औद्योगिक क्षेत्र: सीतापुरा इंडस्ट्रियल एरिया और वीकेआई (VKIA)।

प्रमुख संस्थान : जयपुर एयरपोर्ट, टोंक रोड, एसएमएस (SMS) हॉस्पिटल और स्टेडियम।

आवासीय क्षेत्र : अंबाबाड़ी और विद्याधर नगर।

एयरपोर्ट कनेक्टिविटी : खास बात यह है कि एयरपोर्ट के पास मेट्रो स्टेशन अंडरग्राउंड (भूमिगत) बनाया जाएगा, ताकि यात्रियों को सीधी सुविधा मिल सके।

फेज-1 के साथ होगा एकीकरण (Interchange)

वर्तमान में जयपुर मेट्रो का फेज-1 (मानसरोवर से बड़ी चौपड़) पूर्व-पश्चिम दिशा में 11.64 किमी की दूरी तय करता है। फेज-2 के आने से शहर में मेट्रो का एक जाल बिछ जाएगा। दोनों कॉरिडोर के बीच इंटरचेंज स्टेशन बनाए जाएंगे, जिससे यात्री आसानी से अपनी लाइन बदल सकेंगे।

प्रोजेक्ट की मुख्य विशेषताएं और लक्ष्य

क्रियान्वयनः इसे राजस्थान मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (RMRCL) द्वारा लागू किया जाएगा, जो भारत सरकार और राजस्थान सरकार का 50:50 का संयुक्त उद्यम है।

आर्थिक मजबूती: इस प्रोजेक्ट का आर्थिक आंतरिक रिटर्न रेट (EIRR) 14फीसदी से अधिक है, जो इसकी उपयोगिता और मजबूती को दर्शाता है।

समय सीमा: इस मेगा प्रोजेक्ट को सितंबर 2031 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

पर्यावरण और यातायातः फेज-2 शुरू होने से निजी वाहनों पर निर्भरता कम होगी, प्रदूषण घटेगा और रोजाना लाखों यात्रियों को ट्रैफिक जाम से मुक्ति मिलेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- धर्म में अंधविश्वास क्या है, इसका फैसला करने का हमें अधिकार

सरकार का विरोध

●'न्यायाधीश कानून के विशेषज्ञ होते हैं, न कि धर्म के'

एजेंसी

नई दिल्ली । सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश से जुड़े 2018 के फैसले के बाद सुप्रीम कोर्ट अब धर्म के भीतर अंधविश्वास की परिभाषा तय करने के अधिकार क्षेत्र पर विचार कर रहा है। बुधवार को एक नौ-न्यायाधीशों की संविधान पीठ के समक्ष हुई सुनवाई के दौरान, सुप्रीम कोर्ट ने यह महत्वपूर्ण अवलोकन किया कि किसी धर्म में कौन सी प्रथा अंधविश्वास है, यह तय करने का अधिकार और अधिकार क्षेत्र रखता है। यह टिप्पणी केंद्र सरकार की उस दलील के जवाब में आई, जिसमें सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि एक धर्मनिरपेक्ष अदालत इस मुद्दे पर फैसला नहीं कर सकती, क्योंकि न्यायाधीश कानून के विशेषज्ञ होते हैं, न कि धर्म के। मेहता ने तर्क दिया कि यदि कोई प्रथा अंधविश्वास मानी भी जाती है, तो यह तय करना अदालत का काम नहीं है, बल्कि संविधान के अनुच्छेद 25(2)(बी) के तहत विधायिका का काम है कि वह सुधार कानून बनाए। उन्होंने कहा कि विधायिका किसी विशेष प्रथा को अंधविश्वास बताकर उसमें सुधार कर सकती है, जैसा कि जादू-टोना और अन्य ऐसी प्रथाओं को रोकने के लिए कई कानून बनाए गए हैं। हालांकि, न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह ने मेहता के इस तर्क को बहुत सरल बताते हुए कहा कि अदालत के पास यह तय करने का अधिकार और अधिकार क्षेत्र है कि कोई चीज अंधविश्वास है या नहीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसके बाद क्या होगा, यह विधायिका का काम है, लेकिन अदालत में यह नहीं कहा जा सकता कि विधायिका का निर्णय ही अंतिम होगा। सॉलिसिटर जनरल मेहता ने यह भी तर्क दिया कि एक धर्मनिरपेक्ष अदालत यह तय नहीं कर सकती कि कोई धार्मिक प्रथा केवल अंधविश्वास है, क्योंकि अदालत के पास ऐसी विद्वत्तापूर्ण क्षमता नहीं हो सकती। उन्होंने कहा 'आप (न्यायाधीश) कानून के क्षेत्र के विशेषज्ञ हैं, धर्म के नहीं।' मेहता ने यह भी कहा कि नागालैंड के लिए जो धार्मिक हो सकता है, वह किसी और के लिए अंधविश्वास हो सकता है, क्योंकि समाज अत्यंत विविध है।

न्यायमूर्ति बागची का सवाल

इस पर न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची ने एक महत्वपूर्ण सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि यदि जादू-टोना को धार्मिक प्रथा का हिस्सा माना जाए, तो क्या उसे अंधविश्वास नहीं माना जाएगा? उन्होंने मेहता से पूछा कि यदि अदालत के पास अनुच्छेद 32 के तहत ऐसी याचिका आती है कि जादू-टोना की एक धार्मिक प्रथा मौजूद है, और विधायिका खामोश है, तो क्या अदालत 'खाली क्षेत्र के सिद्धांत' का उपयोग करके स्वास्थ्य, नैतिकता और सार्वजनिक व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए ऐसी प्रथा को प्रतिबंधित करने का निर्देश नहीं दे सकती? सॉलिसिटर जनरल ने जवाब दिया कि न्यायिक समीक्षा की जा सकती है क्योंकि यह 'स्वास्थ्य, नैतिकता और सार्वजनिक व्यवस्था' के अंतर्गत आता है, न कि इसलिए कि यह अंधविश्वास है।

कर्मचारियों के खिलाफ जांच और कार्रवाई का ब्योरा होगा ऑनलाइन, प्रमुख सचिव ने जारी किया शासनादेश

●आदेश में कहा गया है कि एडमिन विभागीय कार्रवाई से संबंधित स्थिति यूजर लॉगिन विंडो में अपडेट करेंगे।

एजेंसी

दिल्ली/जयपुर। अब राज्य कर्मियों के खिलाफ चल रही जांच, विभागीय कार्रवाई और सतर्कता जांच संबंधी सूचना मानव संपदा पोर्टल पर ऑनलाइन दर्ज की जाएगी। इस संबंध में प्रमुख सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक एम. देवराज ने शासनादेश जारी कर दिया है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को इसका कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा है।

शासनादेश में कहा गया है कि मानव संपदा पोर्टल के सभी ऑफिस एडमिन आईडी अपने रिपोर्टिंग में कार्यरत सभी कार्मिकों की जानकारी अपडेट करेंगे। जिन कार्मिकों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई या सतर्कता जांच चल रही है उनके मामलों में संबंधित कॉलम में हां लिखा जाए। साथ ही विभागीय कार्रवाई और सतर्कता जांच की जानकारी ऑनलाइन उसके सर्विस बुक में भी दर्ज करें। जिस कार्मिक के खिलाफ कोई जांच नहीं है उसके फार्म के आगे नहीं लिखा जाए। जानकारी ऑनलाइन अपडेट करने के लिए विभागीय अधिकारियों को प्रारूप भी भेजा गया है। आदेश में कहा गया है कि एडमिन विभागीय कार्रवाई से संबंधित स्थिति यूजर लॉगिन विंडो में अपडेट करेंगे। प्रदेश के सभी रिपोर्टिंग कार्यालयों के नोडल ऑफिस एडमिन आईडी के माध्यम से मानव संपदा पोर्टल में लॉगिन करेंगे और इसके बाद ऐसे सभी कार्मिकों की स्थिति को दर्ज करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की 11वीं वर्षगांठ पर सफलता की सराहना की

●यह जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय ने दी।

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की 11वीं वर्षगांठ के अवसर पर इसकी सफलता की सराहना करते हुए कहा कि यह योजना देश के युवाओं के लिए स्वरोजगार का मजबूत माध्यम बनकर उभरी है। यह जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय ने दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि 11 वर्ष पहले शुरू की गई इस योजना ने यह साबित किया है कि यदि लोगों को सही अवसर और समर्थन मिले, तो वे न केवल आत्मनिर्भर बन सकते हैं बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर अपने संदेश में भी लिखा कि यह योजना युवाओं को सशक्त बनाने में बेहद प्रभावी रही है और आने वाले समय में भी इसी तरह देश की प्रगति को गति देती रहेगी। इस अवसर पर उन्होंने एक संस्कृत सुभाषित भी साझा किया, जिसमें एक बुद्धिमान व्यक्ति के गुणों का वर्णन किया- 'आत्मज्ञानं समारंभस्थितिक्षा धर्मनित्यता। यमर्था नापकर्षन्ति स वै पण्डित उच्यते॥ प्रधानमंत्री ने श्लोक का अर्थ बताते हुए कहा कि जो व्यक्ति अपनी क्षमताओं को समझता है, आत्मनिर्भर होता है।

विधानसभा चुनावः असम, केरल और पुडुचेरी में मतदान आज

सभी तैयारियां पूरी

निगरानी व्यवस्था और मज़बूत करने के लिए आयोग के निर्देशों के मुताबिक वेबकास्टिंग की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली। असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव के लिए 9 अप्रैल (गुरुवार) को एक ही चरण में मतदान कराया जाएगा। चुनाव आयोग और स्थानीय प्रशासन ने शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी मतदान सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं।

असम की 126, केरल की 140 और पुडुचेरी की 30 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों की किस्मत 09 अप्रैल को ईवीएम में बंद हो जाएगी। इन सभी सीटों के लिए मतदान प्रक्रिया एक असम में कुल 2.5 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 1.25 करोड़ पुरुष, 1.25 करोड़ महिलाएं और 343 तीसरे लिंग के मतदाता शामिल हैं। 18-19 आयु वर्ग के 5.75 लाख युवा मतदाता पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। असम की 126 विधानसभा सीटों के लिए 722 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। यहां बहुमत का आंकड़ा 64 है। राज्य की 15वीं विधानसभा का कार्यकाल 20 मई, 2026 को समाप्त होने वाला है। इसी तरह से केरल विधानसभा की 140 सीटों के लिए 890 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। यहां मुकाबला त्रिकोणीय है, जिसमें प्रमुख राजनीतिक दल शामिल हैं। सरकार बनाने के लिए 71 सीटों के बहुमत की आवश्यकता है। राज्य में कुल 2.71 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 1.32 करोड़ पुरुष, 1.39 करोड़ महिलाएं और 273 तीसरे लिंग के मतदाता शामिल हैं। वहीं, पुडुचेरी में 30 सीटों के लिए चुनाव हो रहे हैं, जिनमें से पांच सीटें अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित हैं। सरकार बनाने के लिए 16 सीटों के बहुमत की आवश्यकता है। यहां कुल 9.44 लाख मतदाता हैं, जिनमें लगभग 4.43 लाख पुरुष, 5 लाख महिलाएं और 139 तीसरे लिंग के मतदाता शामिल हैं। असम चुनाव के लिए 31,490 पोलिंग स्टेशनों पर 25,054,463 मतदाता मताधिकार के हक़दार हैं और इन सभी मतदान केंद्रों की निगरानी लाइव वेबकास्ट के ज़रिए की जाएगी। राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) कार्यालय से जारी जानकारी में कहा गया है कि सीईओ अनुराग गोयल की अगुवाई में सभी संबंधित अधिकारी मतदान प्रक्रिया से जुड़ी अपनी ज़िम्मेदारियां देख रहे हैं। कानून-व्यवस्था और चुनाव खर्च समेत सभी पहलुओं की कड़ी निगरानी सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग ने पहले ही केंद्रीय पर्यवेक्षकों को तैनात कर दिया है।

निगरानी व्यवस्था और मज़बूत करने के लिए आयोग के निर्देशों के मुताबिक वेबकास्टिंग की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। सभी 31,490 पोलिंग स्टेशनों पर वेबकास्टिंग की सुविधाएं चालू कर दी गई हैं, इनमें 31,486 मुख्य मतदान केंद्र और 4 सहायक मतदान केंद्र शामिल हैं। इससे ज़िला चुनाव अधिकारियों, मुख्य चुनाव अधिकारी और भारत के चुनाव आयोग के दफ़्तरों से मतदान प्रक्रिया की रियल-टाइम (लाइव) निगरानी करना मुमकिन हो पाएगा।

पश्चिम बंगाल चुनाव - सीईसी ज्ञानेश कुमार ने चुनाव पर्यवेक्षक को ड्यूटी से हटाया

एजेंसी

कोलकाता। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने बुधवार को आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा नियुक्त एक चुनाव पर्यवेक्षक को तत्काल हटाने का आदेश दिया। यह चुनाव पर्यवेक्षक उस क्षेत्र के मतदान बूथ नेटवर्क के व्यावहारिक ज्ञान से वंचित था, जिसके लिए आयोग ने उसे नियुक्त किया था। कूच बिहार जिले के कूच बिहार (दक्षिण) विधानसभा क्षेत्र के सामान्य पर्यवेक्षक अनुराग यादव के इस ज्ञान की कमी का खुलासा सीईसी की अध्यक्षता में हुई एक वर्चुअल बैठक में हुआ, जिसमें अन्य सामान्य पर्यवेक्षक भी उपस्थित थे। बैठक में हुई घटनाक्रम से अवगत सूत्रों के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त कुमार ने इस बात पर नाराजगी जताई कि कूच बिहार (दक्षिण) विधानसभा क्षेत्र के लिए चुनाव आयोग द्वारा नियुक्त सामान्य पर्यवेक्षक को निर्वाचन क्षेत्र में बूथों की संख्या की बुनियादी जानकारी भी नहीं थी। खबरों के मुताबिक, मुख्य चुनाव आयुक्त ने यादव की जिम्मेदारी की भावना पर भी सवाल उठाए और तुरंत उन्हें सामान्य पर्यवेक्षक के पद से मुक्त करने का आदेश दिया। घटनाक्रम से अवगत सूत्रों के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त कुमार ने यह भी टिप्पणी की कि कूच बिहार (दक्षिण) के लिए सामान्य पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त होने के बावजूद, यादव ने अपने कर्तव्य को कुशलतापूर्वक निभाने के लिए बुनियादी तैयारी नहीं की थी, और ऐसी स्थिति में यह संदेहजनक है कि वे इस पद के लिए कितने प्रभावी होंगे।

राजस्थानी सिनेमा : क्या हम इसे मरते हुए देखते रहेंगे ?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

टोंक। राजस्थानी सिनेमा आज उस मोड़ पर खड़ा है जहाँ उसके अस्तित्व पर ही प्रश्नचिह्न लग चुका है। फ़िल्म बनाना कितना कठिन कार्य होता है, यह एक फ़िल्म निर्माता और निर्देशक से बेहतर कोई नहीं जान सकता। कहानी के जन्म से लेकर परदे तक पहुँचने की यात्रा में सीमित बजट, तकनीकी अभाव, वितरण की समस्याएँ और दर्शकों की अनिश्चितता जैसे अनगिनत संघर्ष शामिल होते हैं। इसके बावजूद कुछ जिद्दी और जुनूनी फ़िल्म निर्माता आज भी राजस्थानी भाषा, कला, संस्कृति और सिनेमा के प्रेम में अपने घर-बार दाँव पर लगाकर इस मृतप्राय सिनेमा को जीवनदान देने का प्रयास कर रहे हैं। एक समय था जब राजस्थानी सिनेमा सिल्वर जुबली और गोल्डन जुबली जैसी ऐतिहासिक सफलताओं का प्रतीक था। क्षेत्रीय सिनेमा के नाम पर इसका दबदबा था, और इसकी पहचान प्रदेश की सीमाओं से बाहर तक थी। आज वही सिनेमा अपने ही घर में उपेक्षित खड़ा है। इसके पतन का सबसे बड़ा कारण केवल संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि अपनी ही भाषा और संस्कृति के प्रति दर्शकों की बढ़ती उदासीनता है। जब दर्शक ही मुँह मोड़ ले, तो कोई भी सिनेमा कैसे जीवित रह सकता है?

जी. नटराज (लेखक व निर्देशक)

यह मान लेना कि राजस्थान के फ़िल्म निर्माता बॉलीवुड या दक्षिण भारतीय सिनेमा जैसी फ़िल्में नहीं बना सकते, सरासर भ्रम और आत्महीनता है। यहाँ प्रतिभा की कोई कमी नहीं—कहानियाँ हैं, कलाकार हैं, तकनीकी समझ भी है। कमी है तो केवल भरोसे और समर्थन की। जब तक राजस्थानी सिनेमा को आगे बढ़ने का अवसर नहीं मिलेगा, तब तक वह अपनी क्षमता कैसे सिद्ध करेगा? आज निर्माता और निर्देशक अपनी ओर से पूरी ईमानदारी और मेहनत कर रहे हैं, लेकिन यह लड़ाई अकेले नहीं लड़ी जा सकती। सवाल यह है कि कोई भी निर्माता कब तक अपना घर फूँक कर तमाशा दिखाता रहेगा? जुनून की भी एक सीमा होती है। जब समाज, दर्शक और व्यवस्था साथ नहीं देती, तो सबसे मजबूत इरादे भी टूटने लगते हैं।

इस पूरे संकट में राजस्थान के सिनेमा हॉल मालिकों की भूमिका भी कटघरे में है। राजस्थानी फ़िल्मों के प्रति उदार और सहयोगात्मक रवैया अपनाना अब विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुका है। यदि स्थानीय फ़िल्मों को पर्याप्त शो, उचित समय और सम्मानजनक मंच नहीं मिलेगा, तो उनके असफल होने का ठीकरा केवल निर्माताओं पर फोड़ना सरासर अन्याय होगा। अब समय आ गया है कि आम राजस्थानी जागे। यह केवल सिनेमा बचाने की लड़ाई नहीं, बल्कि अपनी भाषा, अपनी संस्कृति और अपनी पहचान को बचाने का आंदोलन है। यदि आज भी हम उदासीन बने रहे, तो कल हमारे पास पछतावे के सिवा कुछ नहीं बचेगा। राजस्थानी सिनेमा को उसके स्वर्णिम दौर में लौटाने के लिए निर्माता, कलाकार, दर्शक और सिनेमा हॉल मालिक—सभी को एक साथ खड़ा होना होगा। यह समय तमाशा देखने का नहीं, इतिहास रचने का है। सवाल बस इतना है—क्या हम साथ खड़े होंगे, या फिर राजस्थानी सिनेमा को चुपचाप दम तोड़ते हुए देखते रहेंगे?

टोंक जेल का साप्ताहिक निरीक्षण: व्यवस्थाएं संतोषजनक, बंदियों को दी गई कानूनी सहायता की जानकारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

टोंक। जिला कारागृह टोंक का साप्ताहिक निरीक्षण बुधवार को अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव दिनेश कुमार जलुथरिया द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जेल की समस्त व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के समय कारागृह में निर्धारित क्षमता 513 के मुकाबले 502 पुरुष बंदी उपस्थित पाए गए, जबकि शेष बंदियों के न्यायालय में पेशी पर होने की जानकारी दी गई। न्यायाधीश ने कारापाल राजेश कुमार मीणा से जेल प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था और बंदियों की सुविधाओं को लेकर विस्तृत जानकारी ली। जेल परिसर साफ-सुथरा एवं व्यवस्थित पाया गया। इस दौरान न्यायाधीश ने भोजनशाला में जाकर भोजन की गुणवत्ता की भी जांच की, जो संतोषजनक पाई गई। उन्होंने कारागार में संचालित विधिक सेवा क्लिनिक का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान बंदियों से संवाद कर उनके मुकदमों की स्थिति, कोर्ट पेशी और अधिवक्ताओं से संबंधित जानकारी प्राप्त की गई। जिन बंदियों के पास अधिवक्ता नहीं है, उन्हें निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल अधिवक्ता पंकज कुमावत, पीएलवी मदन लाल वर्मा सहित डीएसएलएसए टोंक के कार्मिक उपस्थित रहे।

फर्जी सिम से करोड़ों की ठगी करने वाला गिरफ्तार

महानगर मेट्रो

टोंक। जिले में साइबर ठगी के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। जिला स्पेशल टीम और थाना सदर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में फर्जी सिम और बैंक खातों के जरिए करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन और डीएसटी टीम के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में आरोपी दिलखुश (22) निवासी खेड़ली, थाना अलीगढ़ को पकड़ लिया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी ने फर्जी सिम कार्ड और बैंक खातों का उपयोग कर अलग-अलग लोगों से ठगी की वारदात को अंजाम दिया। उसके खिलाफ साइबर पोर्टल पर कई शिकायतें दर्ज हैं और करीब 1 करोड़ 30 लाख रुपये से अधिक की ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक वेन्यू कार, दो मोबाइल फोन, एक चेक बुक, एक पासबुक और एटीएम कार्ड बरामद किए हैं। जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि आरोपी ने करीब 22 फर्जी सिम कार्ड का इस्तेमाल किया। फिलहाल पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है और आरोपी के अन्य साथियों, सिम उपलब्ध कराने वालों तथा बैंक खाते उपलब्ध कराने वालों की तलाश जारी है। इस कार्रवाई से साइबर अपराधियों में हड़कंप मच गया है और आम लोगों में पुलिस के प्रति भरोसा बढ़ा है।

सियासत की 'लक्ष्मण रेखा': जब परिवार बना निशाना, तो क्या दांव पर लगी मर्यादा ?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। भारतीय राजनीति में मतभेद और वैचारिक युद्ध हमेशा से रहे हैं, लेकिन हाल के दिनों में एक ऐसा चलन शुरू हुआ है जो लोकतंत्र के 'अनकहे नियमों' को तार-तार कर रहा है। राजनीति का एक पुराना और सम्मानित उसूल रहा है कि सियासी लड़ाई के मैदान में परिवार को नहीं घसीटा जाता, खासकर तब जब परिवार राजनीति से सक्रिय रूप से न जुड़ा हो। लेकिन आज की 'चापलूसी वाली राजनीति' ने इन तमाम नैतिक बंधनों को तोड़ दिया है।

सिस्टम से बाहर के 'दो सूरमा'

देश की राजनीति में आज दो मुख्यमंत्री ऐसे हैं, जिन्हें 'सिस्टम से बाहर' का माना जाता है। ये वो नेता हैं जिन्होंने अपनी जमीन खुद तैयार की है और वे किसी भी दबाव में झुकने के लिए तैयार नहीं होते। जब ये अपनी पर आ जाएं, तो सत्ता के शिखर पर बैठे दिग्गजों की भी परवाह नहीं करते। लेकिन हाल ही में, एक ऐसे नेता ने—जो अपनी योग्यता से नहीं बल्कि चापलूसी के दम पर सियासत की सीढ़ियां चढ़ा है—इनमें से एक मुख्यमंत्री के निजी जीवन और उनकी पत्नी को निशाना बनाकर एक बड़ा 'सियासी पंगा' मोल ले लिया है।

परिवार पर हमला: राजनीति का सबसे निचला स्तर?

राजनीति के जानकारों का मानना है कि परिवार पर हमला करना कमजोरी की निशानी है।

बिना सबूत परिवार पर हमले से सियासत का स्तर गिरा, विचारों की जगह निजी आरोपों ने ली—क्या जनता देगी इसका जवाब ?

नियम क्या कहता है?

यदि किसी नेता ने काली कमाई या भ्रष्टाचार का पैसा परिवार के नाम किया है, तो सबूतों के साथ उस पर बात करना जायज है। लेकिन बिना किसी ठोस प्रमाण के, सिर्फ नीचा दिखाने के लिए परिवार की महिलाओं या बच्चों को निशाना बनाना कायरता है।

संस्कार बनाम चापलूसी

जो नेता जमीन से संघर्ष कर के आए हैं, वे इन मर्यादाओं को समझते हैं। इसके उलट, जो 'दरबारी संस्कृति' और चापलूसी से नेता बने हैं, उन्हें न तो नीति का ज्ञान है और न ही मर्यादा की समझ।

निजी पंगा और उसके परिणाम

जब आप किसी ऐसे स्वाभिमानी मुख्यमंत्री से निजी पंगा लेते हैं जो अपनी धुन का पक्का है, तो उसके परिणाम दूरगामी होते हैं। पत्नी पर किया गया ओछा वार न केवल उस नेता को आहत करता है, बल्कि जनता की नजरों में भी हमलावर की छवि को धूमिल करता है।

महानगर मेट्रो का नजरिया

क्या राजनीति इतनी संवेदनहीन हो गई है कि अब विरोधियों को चुप कराने के लिए उनके घर की दहलीज लांघना जरूरी हो गया है? सबूतों के बिना निजी हमले करना न केवल अनैतिक है, बल्कि यह उस 'सियासी आग' को न्योता देना है जो आने वाले समय में मर्यादाओं को पूरी तरह भस्म कर देगी। बयानबाजी का यह चमन-पुतियापन (ओछापन) लोकतंत्र के लिए घातक है। राजनीति में वार 'विचारों' पर होना चाहिए, 'परिवार' पर नहीं।

सियासत का 'कड़वा' हलवा: क्या मर्यादा की लक्ष्मण रेखा लांघ रही है बयानबाजी ?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पटना। जैसे-जैसे चुनावी पारा चढ़ रहा है, राजनीतिक मर्यादा के बांध टूटते नजर आ रहे हैं। बिहार की राजनीति के धुरंधर और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर एक ऐसा तीखा तंज कसा है, जिसने पूरे देश के सियासी गलियारों में भूचाल ला दिया है। तेजस्वी यादव का हालिया बयान– 'मोदी जी तो गोबर को भी हलवा बनाकर परोस देते हैं '–अब चर्चा का विषय नहीं, बल्कि विवाद का केंद्र बन चुका है।

व्यंग्य या वैचारिक गिरावट ?

तेजस्वी यादव का यह बयान सीधे तौर पर प्रधानमंत्री की मार्केटिंग और भाषण कला पर हमला माना जा रहा है। आरजेडी समर्थकों का तर्क है कि यह एक 'राजनीतिक व्यंग्य' है, जिसका उद्देश्य जनता को यह समझाना है कि सरकार विफलताओं को भी सफलता बताकर पेश करती है।

हालांकि, सत्ता पक्ष और राजनीतिक विश्लेषकों का एक बड़ा वर्ग इसे भाषाई मर्यादा का उल्लंघन मान रहा है। क्या विरोध प्रकट करने के लिए 'गोबर' और 'हलवा' जैसे शब्दों का इस्तेमाल जरूरी है? क्या देश के सर्वोच्च पद पर बैठे व्यक्ति के लिए ऐसी उपमाएं राजनीति के गिरते स्तर को नहीं दर्शातीं?

मुद्दों से ध्यान भटकाने की रणनीति ?

अक्सर देखा गया है कि जब भी चुनाव नजदीक आते हैं, तो बुनियादी मुद्दों (बेरोजगारी, महंगाई, विकास) की जगह ऐसे 'विवादित बयान' हेडलाइंस बन जाते हैं।

रणनीति:क्या यह सिर्फ सुर्खियां बटोरने का एक तरीका है?

असर:इस तरह की भाषा का युवा पीढ़ी और आम जनता की सोच पर क्या प्रभाव पड़ता है?

जनता की अदालत में सवाल

महानगर मेट्रो के माध्यम से आज यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या लोकतंत्र में विरोध सिर्फ तीखे और आपत्तिजनक शब्दों तक ही सीमित रह गया है? चुनावी रैलियों में लगने वाले ये 'तड़के' तालियां तो बटोर सकते हैं, लेकिन क्या ये स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान हैं?

तेजस्वी यादव के इस 'हलवा' वाले बयान पर प्रतिक्रियाओं का दौर जारी है। बीजेपी इसे प्रधानमंत्री का अपमान बताकर भुनाने की कोशिश करेगी, वहीं विपक्ष इसे अपनी आक्रामक शैली करार देगा। लेकिन हकीकत यही है कि जब तक राजनीति में 'मुद्दों' से ज्यादा 'शब्दों' पर युद्ध होगा, तब तक जनता के असली सवाल पीछे छूटते रहेंगे। अब देखना यह होगा कि क्या चुनाव आयोग या जनता की चेतना ऐसी बयानबाजी पर कोई लगाम लगाती है या यह सिलसिला और भी 'कड़वा' होता जाएगा।

डोंगरगढ़ में महापौर मधुसूदन यादव का भव्य अभिनंदन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डोंगरगढ़। राजनांदगांव के पूर्व सांसद एवं वर्तमान महापौर मधुसूदन यादव के डोंगरगढ़ आगमन पर नगर में उत्साह का वातावरण देखने को मिला। वे अपने अल्प प्रवास के दौरान शहर भाजपा द्वारा आयोजित प्रशिक्षण शिविर में शामिल हुए। शिविर के उपरांत वे भाजपा नेता विवेक मोनू भंडारी के निवास पहुँचे, जहाँ नगरवासियों, पार्टी कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य नागरिकों ने उनका भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया।

मोनू भंडारी के निवास पर महापौर के स्वागत को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया। बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने दुपट्टा पहनाकर श्री यादव का सम्मान किया तथा आतिशबाजी के साथ जोरदार अभिनंदन किया। आयोजन में समाज के विभिन्न वर्गों की उल्लेखनीय भागीदारी रही, जिससे कार्यक्रम अत्यंत गरिमामय एवं प्रभावशाली बन गया। इस अवसर पर भंडारी परिवार द्वारा अतिथियों का आत्मीय सत्कार किया गया।

कार्यक्रम के दौरान मोनू भंडारी ने महापौर यादव के प्रति अपनी आत्मीयता व्यक्त करते हुए कहा कि 'कुछ रिश्ते विधाता स्वयं गढ़ता है। मधुसूदन यादव जैसे व्यक्तित्व से हम जैसे सैकड़ों कार्यकर्ताओं को ऊर्जा और निष्ठा के साथ कार्य करने की प्रेरणा मिलती है।' उनके निवास पर उमड़ी भीड़ उनके प्रति जनविश्वास और जुड़ाव को दर्शाती है।

महापौर मधुसूदन यादव ने उपस्थित नागरिकों से संवाद कर शहर की समस्याओं एवं विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। चर्चा के दौरान निर्माणाधीन वाई-शेप ब्रिज प्रमुख मुद्दे के रूप में सामने आया। नागरिकों ने इसे वी-शेप में परिवर्तित किए जाने पर चिंता जताते हुए मांग की कि ब्रिज को मूल वाई-शेप में ही निर्मित किया जाए तथा उसका एक छोर कालकापारा चौक के पास जोड़ा जाए, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारु हो सके। विशेष रूप से नवरात्रि मेले के दौरान बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए इस मांग को आवश्यक बताया गया।

इसके अतिरिक्त, बम्लेश्वरी मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु महावीर मंदिर से सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने के लिए फुटओवर ब्रिज निर्माण की मांग भी रखी गई। नागरिकों का कहना था कि इससे ज्योति विसर्जन के समय व्यवस्था बेहतर होगी और दैनिक आवागमन भी सुरक्षित बनेगा। महापौर यादव ने सभी मांगों को गंभीरता से लेते हुए आश्वासन दिया कि वे इस संबंध में सांसद संतोष पांडे, जिला कलेक्टर एवं रेलवे प्रशासन से चर्चा कर शीघ्र समाधान निकालने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि जनहित के कार्यों में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी।

कार्यक्रम के दौरान डोंगरगढ़ एवं आसपास क्षेत्र के जिजुत्सु-कराटे खिलाड़ियों ने भी महापौर का मोमेंटो भेंट कर सम्मान किया। महापौर ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि वे अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से जिले एवं प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं और वास्तविक सम्मान के अधिकारी हैं।

कार्यक्रम के समापन पर मोनू भंडारी एवं उनके परिवार द्वारा सभी अतिथियों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई, जिसमें सभी ने सौहार्दपूर्ण वातावरण में सहभागिता की।

इस अवसर पर नगर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से अमित जैन, सुमीत ताम्रकार, गोपाल खेमुका, विमल अग्रवाल, योद्धा सिंह राठौड़, गिरधारी चोपड़ा, दीपक अग्रवाल, आलोक कलचुरी, महावीर भंडारी, कन्हैया महाराज, अंशुल जैन, श्रेयस भैया, विकास सहारे, अमन यादव, सत्यम स्वामी, राणा अजय सिंह एवं आकाश चोपड़ा सहित अन्य नागरिक शामिल रहे।

पेयजल संबंधी बजट घोषणाओं से टोंक जिले के लोगों को रोजाना मिलेगा शुद्ध एवं मीठा पानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

टोंक। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल चौधरी राजस्थान के हर छोर पर लोगों को शुद्ध व मीठा पानी मिले इसके लिए पेयजल योजनाओं को धरातल उतारने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार की बजट घोषणाओं में टोंक जिले के लोगों को रोजाना पेयजल उपलब्ध हो इसके लिए पेयजल योजनाओं के सुदृढीकरण का कार्य प्रगतिरत है। वर्तमान में टोंक जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को बीसलपुर बांध से पेयजल व्यवस्था की जा रही है। टोंक एवं मालपुरा शहर में एक दिवस के अंतराल से सप्लाई की जा रही है तथा शेष देवली, उनियारा, टोडारायसिंह, निवाई शहरों में दैनिक सप्लाई की जा रही है। जिले के सभी 1118 ग्रामों में एक दिवस के अन्तराल से सप्लाई की जा रही है।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षण अभियंता राजेश कुमार गोयल ने बताया कि टोंक शहर में दैनिक जलापूर्ति किये जाने के लिए डीपीआर तैयार किये जाने का कार्य किया जा रहा है। मालपुरा कस्बे में दैनिक पेयजल आपूर्ति किये जाने के लिय पेयजल योजना के सुदृढ़ीकरण के लिए बजट घोषणा 2024 के अन्तर्गत 35 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है जिसकी निविदा प्रकियाधीन है। इसके अतिरिक्त जिले में पेयजल व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण के लिए मुख्यमंत्री बजट घोषणा 2024-25 के अन्तर्गत शहरी जल योजना देवली, टोडारायसिंह व ग्रामीण जल योजना अलीगढ स्वीकृत है। इसी प्रकार मुख्यमंत्री बजट घोषणा 2025-26 के अन्तर्गत निवाई, डिग्गी, लांबाहरिसिंह शहरी पेयजल योजनाओं के संवर्धन एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य तथा पाईप एवं टेंक स्कीम जादमों की ढाणी को पाईप स्कीम में बदलने की योजना, ग्राम पंचायत भांसू, दाबडदुम्बा, मुंडियाकलां, भांवता, लक्ष्मीपुरा धाकडान, राजमहल, बोटुण्डा, कंवरावास, नयांगांव एवं बीसलपुर बांध के डूब क्षेत्र में स्थित तहसील देवली के 20 ग्रामों की पेयजल योजना, ग्रामीण पेयजल योजना वनस्थली स्वीकृत है। टोडारायसिंह, अलीगढ़ एवं वनस्थली जल योजना का कार्य प्रगतिरत है तथा शेष कार्यों की निविदाएँ प्रक्रियाधीन है।

दूनी ग्राम में सरोली रोड के 15 अवैध जल कनेक्शन हटाए गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

टोंक। गर्मी में आमजन को पेयजल को लेकर परेशानी ना हो इसके लिए जलदाय विभाग पूरी तरह मुस्तैद है। इसी के तहत अधीक्षण अभियंता (एसई) प्रोजेक्ट टोंक के निर्देशन में, सहायक अभियंता पूरण मल बैरवा के नेतृत्व में जलदाय विभाग की टीम ने दूनी ग्राम में बुधवार को सरोली रोड के 15 अवैध जल कनेक्शन को हटाने का अभियान चलाया। साथ ही अवैध कनेक्शन करने वालों के खिलाफ 7 हजार 210 रुपये का जुर्माना लगाया गया।

अधिषाषी अभियन्ता ने बताया कि अवैध जल कनेक्शन न केवल पेयजल का दुरुपयोग का कारण बनते हैं, बल्कि वैध उपयोगकर्ताओं के लिए जल आपूर्ति वितरण प्रणाली और दबाव को भी प्रभावित करते हैं। एईएन पूरण मल बैरवा ने सभी लोगों से अधिकृत माध्यमों से उचित जल कनेक्शन लेने की अपील की। विभाग ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि अवैध कनेक्शन की पुनरावृत्ति होती है, तो दोषियों के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की जाएगी। जलदाय विभाग अवैध कनेक्शनों के खिलाफ आगामी दिनों में अपने अभियान को सख्ती से जारी रखेगा।

सआदत अस्पताल में नए पीएमओ की नियुक्ति, लेकिन गंदगी पर कब लगेगा ब्रेक ?

अजीब विडंबना: भगवान जैसे डॉक्टर, लेकिन नर्क जैसे अस्पताल

महानगर मेट्रो एक्सक्लूसिव

टोंक, (पीयूष गौत्तम)। जिला मुख्यालय स्थित सआदत अस्पताल में डॉ. प्रतीक सालोदिया को नया प्रमुख चिकित्सा अधिकारी नियुक्त कर दिया गया है। आदेश जारी हुए, पदभार ग्रहण हुआ, बयान भी आ गया– 'बेहतर इलाज देंगे, पारदर्शिता लाएंगे '–लेकिन जमीनी हकीकत वही पुरानी है। अस्पताल की हालत पर नजर डालें तो सबसे बड़ा सवाल इलाज से पहले माहौल का है। गंदगी, बदबू और अव्यवस्था से जूझते इस अस्पताल में मरीज इलाज कराने आते हैं या सजा काटने—यह समझना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में हर नए अधिकारी की तरह 'बेहतर सेवाओं' का दावा लोगों को अब घिसा-पिटा वादा ही लगता है। हैरानी की बात यह है कि जहां डॉक्टरों को भगवान का दर्जा दिया जाता है, वहीं अस्पताल का माहौल कई बार नर्क जैसी स्थिति पैदा कर देता है। क्या बेहतर इलाज की शुरुआत साफ-सफाई जैसी बुनियादी जरूरत से नहीं होनी चाहिए ?

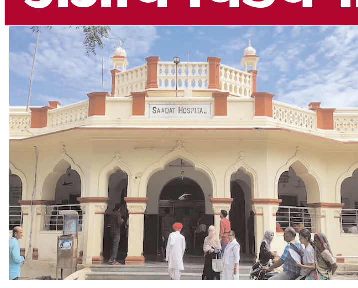

डॉ. सालोदिया ने साफ-सफाई और व्यवस्थाओं में सुधार की बात जरूर कही है, लेकिन असली चुनौती अब इन दावों को जमीन पर उतारने की है। क्योंकि टोंक की जनता अब वादों से ज्यादा बदलाव देखना चाहती है। नियुक्ति तो हो गई, अब नजर इस बात पर है कि क्या सआदत अस्पताल की तस्वीर बदलेगी या फिर यह भी सिर्फ कागजों और बयानों तक सीमित रह जाएगा।

डॉक्टर भगवान और अस्पताल नर्क ?

कैसी अजीब बात है कि हम डॉक्टर को भगवान का दर्जा देते हैं, लेकिन जिस जगह पर मरीज का इलाज होता है, उसी अस्पताल को लोग नर्क से तुलना करने लगते हैं। यह सिर्फ कहने भर की बात नहीं, बल्कि सिस्टम की सच्चाई को दिखाता आईना है। अगर सच में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाना है, तो शुरुआत बड़े-बड़े दावों से नहीं, बल्कि बुनियादी जरूरत–साफ-सफाई से करनी होगी। गंदगी और बदबू के बीच कोई भी मरीज खुद को सुरक्षित या सम्मानित महसूस नहीं कर सकता। समय आ गया है कि 'नर्क जैसे अस्पताल' वाली सोच को बदला जाए। और यह बदलाव भाषणों से नहीं, बल्कि साफ-सुथरे वार्ड, स्वच्छ परिसर और जिम्मेदार व्यवस्था से आएगा। सबसे पहले सफाई, तभी सही मायनों में सेवा।

अपराधियों पर शिकंजा, पुलिस पर जवाबदेही, सामान्य जान का भरोसा - पुलिस अधीक्षक की मीटिंग में मापदंड तय

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा द्वारा आज जिले के समस्त 18 थाना एवं चौकी प्रभारियों तथा राजपत्रित अधिकारियों की अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में लंबित एवं वर्तमान प्रकरणों के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण हेतु विस्तृत चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान लंबित अपराधों के शीघ्र निपटान, वर्तमान प्रकरणों में गुणवत्तापूर्ण विवेचना एवं ह्ल्ज्ञत्त्रह्रुष्ठ के माध्यम से मामलों के निराकरण पर विशेष जोर दिया गया। जिन प्रकरणों में बाहरी टीम भेजना आवश्यक है, उनके लिए स्पष्ट रणनीति एवं दिशा-निर्देश निर्धारित किए गए। वर्ष 2026 के प्रथम तीन माह में प्राप्त शिकायतों एवं उनके निराकरण की थाना-वार समीक्षा की गई। इसमें प्रत्येक थाने में प्राप्त शिकायतों की संख्या, निराकृत प्रकरण, फाइनल रिपोर्ट, प्रतिबंधात्मक कार्रवाई, दर्ज एफआईआर, कायम अपराध तथा लंबित मामलों की स्थिति का विश्लेषण किया गया। पुराने लंबित प्रकरणों, विशेषकर धारा 173(8) CrPC के अंतर्गत लंबित चालानों के संबंध में भी समीक्षा कर शीघ्र निराकरण हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही, मर्ग प्रकरणों के निपटान एवं न्यायालय में निर्धारित समय-सीमा में चालान प्रस्तुत करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

पुलिस अधीक्षक द्वारा स्पष्ट किया गया कि विवेचना का मुख्य उद्देश्य दोषियों को सजा दिलाना होना चाहिए। गुणवत्तापूर्ण विवेचना सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक बिंदुओं पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया। जिन थानों में अत्यधिक लंबित प्रकरण पाए गए तथा विवेचना में शिथिलता बरती जा रही थी, उनके विरुद्ध स्पष्टीकरण एवं जांच के आदेश दिए गए। साथ ही पुलिस के सूचना संकलन को सुदृढ़ करने एवं किसी भी घटना के घटित होने पर संबंधित बीट प्रभारी एवं आरक्षक की स्पष्ट जिम्मेदारी तय करने के संबंध में भी सख्त निर्देश दिए गए। आगामी माह की कार्ययोजना के अंतर्गत बीट सिस्टम के सुदृढ़ीकरण हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा 'ऑपरेशन तलाश' के तहत गुमशुदा बालक-बालिका, महिला एवं पुरुषों की दस्तयाबी के लिए कार्ययोजना तैयार की गई। वर्ष 2026 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रकरणों को केस स्टडी के रूप में प्रस्तुत कर निरीक्षकों द्वारा उनके सफल निराकरण पर व्याख्यान दिया गया। अपराध नियंत्रण के लिए सूखे नशे पर अंकुश, गुंडा-बदमाशों पर कार्रवाई, किशोर जांच अभियान, रात्रि औचक चेकिंग एवं गश्त बढ़ाने के लिए विस्तृत रणनीति तैयार कर निर्देश दिए गए। पुलिस की छवि को अधिक विश्वसनीय बनाने हेतु त्वरित कार्रवाई एवं शालीन व्यवहार अपनाने पर भी विशेष बल दिया गया।

सभी प्रकार के अवैध कारोबारों -जुआ, सट्टा, शराब एवं सूखे नशे के कारोबार पर सख्ती से कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। साइबर थाना एवं महिला थाना की भी गहन समीक्षा की गई, जिसमें प्रत्येक आरक्षक के प्रकरण निराकरण में योगदान के संबंध में जानकारी ली गई। डोंगरगढ़ मेला ड्यूटी के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस बैंड को नगद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर, सीएसपी वैशाली जैन, अलेक्जेंडर किरो, मंजुलता बाज, आदित्य कुमार, के.पी. मरकाम, डीएसपी सुमन जायसवाल सहित समस्त थाना एवं चौकी प्रभारी उपस्थित रहे।

उपखंड अधिकारी एवं डीएसओ ने गैस एजेंसी का औचक निरीक्षण किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

टोंक। जिला कलक्टर टीना डाबी के निर्देशों के तहत बुधवार को टोडारायसिंह में इण्डेन गैस सर्विस पर गैस आपूर्ति वितरण की व्यवस्था की संयुक्त जांच दल उपखंड अधिकारी अमित चौधरी, जिला रसद अधिकारी इन्द्रपाल मीना, प्रवर्तन अधिकारी धर्मचन्द अग्रवाल एवं अमित शर्मा ने जांच की। जिला रसद अधिकारी ने बताया कि एजेन्सी में घरेलू गैस सिलेण्डर का प्रारम्भिक स्टॉक 417 था जिसमें 362 रिफिल की आपूर्ति की जा चुकी थी। मौके पर मौजूद 5-7 उपभोक्ताओं जो कि केवाईसी करवाने आये हुए थे उनकी केवाईसी करवायी गयी एवं अन्य 04-05 उपभोक्ताओं जिन्होंने गैस बुकिंग करवा रखी थी उनको मौके पर ही गैस सिलेण्डर उपलब्ध करवाया गया। गैस सर्विस संचालक ने आज 525 सिलेण्डरों की गाडी बोटलिंग प्लांट से रवाना होना बताया। गैस सर्विस संचालक ज्योति मीणा एवं रतन सिंह को गैस स्टॉक खत्म होने से पूर्व प्लांट से सिलेण्डरों की आपूर्ति करवाना सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया। संयुक्त जांच दल मे कार्यवाही में उपस्थित रहे। मौके पर उपस्थित उपभोक्ताओ के बयान लिये गये एवं पूछताछ की गई तथा उनकी ई-केवाईसी करवाई गई एवं गैस की आपूर्ति करवाई गई।

भाजपा 26-31, टीएमसी 22-27, कांग्रेस 2-4

उत्तर बंगाल का चुनावी परिदृश्यः 'एक लहर' नहीं, बल्कि कई छोटे युद्धक्षेत्र

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलकाता, (रफीक अनवर)। उत्तर बंगाल में आगामी चुनावी परिदृश्य को समझने के लिए, इसे एक साधारण 'लहर चुनाव' के रूप में देखना गलत होगा; बल्कि, यह कई छोटे लेकिन महत्वपूर्ण राजनीतिक युद्ध के मैदानों का एक संयोजन है। कूचबिहार से मालदा तक फैले इस क्षेत्र में, प्रत्येक जिले की सामाजिक संरचना, पहचान की राजनीति और आर्थिक वास्तविकताएं अलग-अलग हैं-इसलिए यहां 'निर्वाचन क्षेत्र स्तर की गतिशीलता' बहुत महत्वपूर्ण है।

सबसे पहले, कूचबिहार क्षेत्र उत्तर बंगाल के केंद्रीय बेटेलग्राउंड में से एक है। सिताई, दिनहाटा, नटाबारी और तुफानगंज जैसी सीटों पर राजवंशी और अनुसूचित जातियां निर्णायक भूमिका निभाती हैं। अतीत में, भारतीय जनता पार्टी ने यहां एक मजबूत स्थिति बनाई है, लेकिन हाल के दिनों में, तृणमूल कांग्रेस ठीक होने की कोशिश कर रही है। नतीजतन, इस जिले में परिणाम आमतौर पर साझा या विभाजित होते हैं, और 2-2 या 3-2 प्रकार के परिणाम बहुत संभव होते हैं।

दूसरा, जलपाईगुड़ी और अलीपुरद्वार-जो मुख्य रूप से चाय बागान क्षेत्र हैं- उत्तर बंगाल में चुनावी परिणाम निर्धारित करने में 'किंगमेकर' के रूप में कार्य करते हैं। धूपगुड़ी, मयनागुड़ी, माल, नागराकाटा, कलचिनी जैसी सीटों पर चाय बागानों के मजदूर और आदिवासी वोट बहुत महत्वपूर्ण हैं। जबकि भाजपा पारंपरिक रूप से इस क्षेत्र में आगे रही है, तृणमूल की 'कल्याणकारी योजना'पर प्रभाव डाल रहा है। नतीजतन, यह क्षेत्र अब एकतरफा नहीं है, बल्कि हर सीट पर कड़ी प्रतिस्पर्धा है।

तीसरा, दार्जिलिंग की पहाड़ियों की पूरी तरह से अलग राजनीतिक वास्तविकता है। दार्जिलिंग, कलिम्पोंग और कार्सियांग में गोरखालैंड की मांग और स्थानीय दलों की स्थिति चुनाव के परिणाम को निर्धारित करती है। भाजपा आमतौर पर यहां एक लाभप्रद स्थिति में होती है, खासकर तब जब उसकी पहाड़ी क्षेत्रों में क्षेत्रीय दलों के साथ समझौता हो। दूसरी ओर सिलीगुड़ी एक शहरी युद्ध का मैदान है। मध्यम वर्ग के मतदाताओं के कारण यहां परिणाम अनिश्चित हैं और तृणमूल को कुछ अतिरिक्त लाभ मिल सकता है।

उत्तर और दक्षिण दिनाजपुर में, तस्वीर अधिक जटिल है। उत्तरी दिनाजपुर के चोपड़ा, इस्लामपुर, गोयालपोखर और रायगंज में तृणमूल, भाजपा और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के बीच त्रिकोणीय लड़ाई ने परिणाम को अनिश्चित बना दिया। दूसरी ओर, हालांकि दक्षिण दिनाजपुर में बालुरघाट और आसपास की सीटों पर भाजपा को मामूली बढ़त हासिल है, लेकिन पूरा जिला एक 'स्विंग जोन'के रूप में कार्य करता है। अंत में, मालदा जिला उत्तर बंगाल का अल्पसंख्यक बहुल राजनीतिक केंद्र है। इंग्लिशबाजार, सुजापुर, चांचोल और हरिश्चंद्रपुर जैसी सीटों पर अल्पसंख्यक वोटों का एकीकरण बहुत महत्वपूर्ण है। हालांकि तृणमूल यहां आगे है, कांग्रेस का पारंपरिक आधार अभी भी प्रासंगिक है, इसलिए वोटों के विभाजन के कारण कई मामलों में परिणाम अप्रत्याशित हो सकते हैं। यदि हम समग्र रूप से उत्तर बंगाल की तस्वीर का विश्लेषण करते हैं, तो यह देखा जा सकता है कि कुछ विधानसभा क्षेत्र-जैसे धूपगुड़ी, दिनहाटा, सिताई, कलचिनी, सिलीगुड़ी, रायगंज, बालुरघाट और इंग्लिशबाजार- पूरे क्षेत्र की राजनीतिक दिशा निर्धारित कर सकते हैं। इन सीटों पर 2-3 प्रतिशत वोट 'स्विंग' बड़े परिणाम में बड़ा अंतर ला सकती है। आखिरकार, उत्तर बंगाल में चुनाव नाजुक समीकरणों का खेल है, जहां पहचान की राजनीति, स्थानीय मुद्दे, 'कल्याणकारी नीति' और उम्मीदवार का व्यक्तिगत प्रभाव सभी परिणाम तय करने के लिए एक साथ आते हैं। यदि भारतीय जनता पार्टी 'टी बेल्ट' और कूचबिहार में अपना प्रभुत्व बनाए रख सकती है, तो वे आगे होंगे। इसके विपरीत, अगर तृणमूल कांग्रेस मालदा और दिनाजपुर में वोटों को मजबूत करने और 'टी-बेल्ट' में कुछ सीटों पर कब्जा करने में सक्षम हो जाती है, तो पूरे उत्तर बंगाल का समीकरण उनकी ओर मुड़ सकता है। यही कारण है कि वर्तमान राजनीतिक संदर्भ में उत्तर बंगाल को एक वास्तविक 'युद्ध का मैदान क्षेत्र' माना जाता है। अगर उत्तर बंगाल में आगामी चुनाव परिदृश्य को बहुत ही विश्लेषणात्मक तरीके से देखा जाए, तो यह स्पष्ट है कि यह एकतरफा लड़ाई नहीं है, बल्कि लगभग हर सीट पर एक सूक्ष्म प्रतिस्पर्धा होगी।

कूचबिहार से मालदा तक फैले इस क्षेत्र में कुल 54 विधानसभा सीटें हैं और 'सीट-दर-सीट' परिणाम अंततः समग्र तस्वीर तय करेंगे क्योंकि प्रत्येक जिले में राजनीतिक रुझान अलग-अलग हैं।

कूचबिहार जिले में चुनावी लड़ाई काफी हद तक भारतीय जनता पार्टी और तृणमूल कांग्रेस तक ही सीमित है। जहां भाजपा मेखलीगंज, माथाभंगा और सीतलकूची जैसी सीटों पर आगे है, वहीं टीएमसी दिनहाटा और कूचबिहार दक्षिण में आगे है। अधिकांश सीटें जीतने की संभावना 51'-58' के बीच मंडरा रही है, जिससे यह स्पष्ट हो जाता है कि थोड़ा सा वोट स्विंग परिणाम को बदल सकता है।

जलपाईगुड़ी और अलीपुरद्वार क्षेत्रों में, जो मुख्य रूप से चाय बागान क्षेत्र हैं, चुनाव के परिणाम को निर्धारित करने में श्रमिक वोट महत्वपूर्ण है। भाजपा जलपाईगुड़ी के माल और नागराकाटा में आगे चल रही है, जबकि टीएमसी धूपगुड़ी और मयनागुड़ी में आगे चल रही है। इसी तरह, अलीपुरद्वार में, भाजपा को कलचिनी और कुमारग्राम जैसी सीटों पर बढ़त हासिल है, जबकि अलीपुरद्वार शहर के केंद्र में टीएमसी मजबूत है। इस पूरे क्षेत्र को 'किंगमेकर बेल्ट' कहा जा सकता है, क्योंकि यहां जो पार्टी आगे है, उसे उत्तर बंगाल के समग्र परिणाम से लाभ होगा। पहाड़ी राज्य दार्जिलिंग में राजनीतिक समीकरण पूरी तरह से अलग है। दार्जिलिंग, कार्सियांग और कलिम्पोंग में भाजपा पारंपरिक रूप से आगे रही है, विशेष रूप से स्थानीय गोरखा दलों के समर्थन से। हालाँकि, सिलीगुड़ी एक असाधारण सीट है, जहाँ शहरी मतदाताओं के कारण तृणमूल थोड़ी आगे हो सकती है। इस क्षेत्र में गठबंधन की राजनीति बहुत महत्वपूर्ण है। उत्तर दिनाजपुर में तस्वीर अधिक जटिल है, क्योंकि यहाँ तीन-तरफा लड़ाई स्पष्ट है। उत्तर दिनाजपुर के चोपड़ा और गोलपोखर में टीएमसी आगे चल रही है, जबकि रायगंज और करंदीघी में भाजपा आगे चल रही है। दूसरी ओर, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस इस्लामपुर में एक प्रासंगिक ताकत बनी हुई है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव

चुनावी जनसभा में हिंसा फैलाने वाले बयान दे रहे हैं अभिषेक, भाजपा ने आयोग को भेजा शिकायत भरा पत्र

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के सेनापति कहे जाने वाले अभिषेक बनर्जी के खिलाफ भाजपा की तरफ से चुनाव आयोग में एक औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। जिसमें एक पत्र सौंपकर आरोप लगाया है, कि अभिषेक बनर्जी जो तृणमूल कांग्रेस के अखिल भारतीय महासचिव हैं, ने भड़काऊ और उत्तेजक टिप्पणियां की हैं। शिकायत में कहा गया है कि पूर्व बर्दवान जिले के रैना में एक चुनावी जनसभा के दौरान अभिषेक द्वारा की गई टिप्पणियाँ बेहद चिंताजनक हैं।

इसमें आरोप लगाया गया है कि उस मंच से अभिषेक ने भाजपा और उसके पार्टी कार्यकर्ताओं के खिलाफ भड़काऊ बयान के साथ धमकियां भी दी हैं। भाजपा की तरफ से आयोग को भेजे गये पत्र में आगे कहा गया है कि ऐसी टिप्पणियाँ हिंसा भड़क सकती हैं और राज्य के भीतर राजनीतिक माहौल को अस्थिर कर सकती हैं।

विशेष रूप से, भाजपा ने अपने पत्र में रैना में जनसभा के दौरान अभिषेक द्वारा की गई टिप्पणियों का विशेष रूप से उल्लेख किया है। उनका दावा है कि मंच से बोलते हुए अभिषेक ने कहाः 'पहले चरण में, जिसमें उत्तर के जिलों से लेकर जंगलमहल तक के सभी क्षेत्र शामिल हैं, जहां मतदान होता है। वहां भाजपा कार्यकर्ताओं के सिर, गर्दन, हाथ और पैर तोड़ने होंगे। फिर, दूसरे चरण में, जिसमें पूर्व बर्दवान, दक्षिण 24 परगना, हावड़ा, हुगली और कोलकाता शामिल हैं, हम उनकी गर्दन और रीढ़ की हड्डी तोड़ देंगे, और उन्हें कहेंगे, 'बोलो हरि, हरि बोल, बहिरागत देर खाटे तोल (बाहरी लोगों की अर्थी उठा)!' के नारे के साथ विदाई देंगे। आयोग से की गई भाजपा की शिकायत में तर्क दिया गया है कि, रैना में अभिषेक द्वारा की गई टिप्पणियों की प्रकृति और इस्तेमाल की गई भाषा अत्यधिक उत्तेजक थी। इसके अलावा, उनका तर्क है कि ऐसी बयानबाजी के माध्यम से, वह परोक्ष रूप से मतदाताओं को डराने-धमकाने और उनके मन में दहशत का माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं। पार्टी का दावा है कि ऐसी टिप्पणियाँ लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए गंभीर खतरा पैदा करती हैं।

अभिषेक के अलावा, भाजपा ने पत्र में तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी द्वारा की गई टिप्पणियों के संबंध में भी आपत्तियां उठाई और कहा कि, चुनावी जनसभा में इस तरह के बयान देने के बावजूद, इन नेताओं के खिलाफ अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। भाजपा का आरोप है कि ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी दोनों ही अपने पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच ऐसे संदेश फैलाकर राज्य में चुनावी माहौल को जानबूझकर अशांत बनाने की कोशिश कर रहे हैं। आयोग को भेजे गये पत्र के अंत में, वर्ष 2021 के विधानसभा चुनावों और उसके बाद हुई चुनाव-पश्चात हिंसा के संदर्भ का भी उल्लेख किया गया है।

खनिजों का अवैध परिवहन व उत्खनन करने पर की गई कार्रवाई

महानगर मेट्रो

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार खनिज विभाग द्वारा जिले में खनिज का अवैध उत्खनन एवं परिवहन करने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। खनि अधिकारी ने बताया कि खनिज विभाग की टीम द्वारा आज डोंगरगांव तहसील अंतर्गत ग्राम सिंघोला, छुईखदान, करमतरा, सुखरी, मेढ़ा, अर्जुनी सहित अन्य क्षेत्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान खनिजों का अवैध उत्खनन एवं परिवहन करने वालों पर कार्रवाई की गई। जिसमें ग्राम भोथीपार निवासी बलराम साहू के स्वामित्व की हाईवा-सीजी 08 एएफ 0828 से वाहन चालक ग्राम भोथीपार निवासी कमलेश्वर साहू द्वारा मुरूम व मिट्टी का परिवहन तथा राजनांदगांव निवासी अंकित जैन के स्वामित्व की जेसीबी-सोल्ड पीला रंग से वाहन चालक ग्राम मुसरा निवासी श्री करण पटेल द्वारा मुरूम व मिट्टी का अवैध उत्खनन करने पर कार्रवाई करते हुए थाना सोमनी को सुपुर्द किया गया। प्रकरणों में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण के रोकथाम के लिए लगातार गस्त व निगरानी की जा रही है।

कर्ज के साये में भारतीय अर्थव्यवस्था

विकास की मजबूरी या संकट की आहट ?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली/अहमदाबाद । भारत की अर्थव्यवस्था आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ एक तरफ हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनने की ओर अग्रसर हैं, वहीं दूसरी ओर देश पर चढ़ता कर्ज का बोझ चिंता का विषय बनता जा रहा है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, केंद्र सरकार की कुल देनदारियां मार्च 2026 के अंत तक 197.18 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर को छूने का अनुमान है।

आंकड़ों का गणितः कितना बढ़ा बोझ?

वित्त वर्ष 2025-26 के बजट दस्तावेजों के अनुसार, सरकार ने बाजार से 17.2 लाख करोड़ रुपये का सकल कर्ज लेने का लक्ष्य रखा है। सरकार का कहना है कि यह राशि देश के बुनियादी ढांचे जैसे रेलवे, नेशनल हाईवे और डिजिटल कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए जरूरी है। लेकिन सवाल यह है कि क्या भविष्य की यह 'पूंजी' वर्तमान पीढ़ी पर भारी तो नहीं पड़ रही?

अर्थव्यवस्था पर क्या होगा असर?

1. राजकोषीय घाटा और ब्याज का चक्रः सरकार की कमाई का एक बड़ा हिस्सा अब विकास कार्यों के बजाय पुराने कर्ज के ब्याज को चुकाने में जा रहा है। बजट का लगभग 25' से 30' हिस्सा केवल ब्याज अदायगी में खर्च हो रहा है। इसका सीधा मतलब है कि शिक्षा, स्वास्थ्य और जन कल्याणकारी योजनाओं के लिए सरकार के पास बजट की कमी हो सकती है।

2. महंगाई और आम आदमी की जेबः जब सरकार भारी कर्ज लेती है, तो बाजार में मुद्रा की तरलता पर असर पड़ता है। यदि उत्पादन नहीं बढ़ता और कर्ज केवल उपभोग पर खर्च होता है, तो इससे मुद्रास्फीति बढ़ने का खतरा रहता है। आम नागरिक के लिए दाल, दूध और ईंधन की बढ़ती कीमतें इसी बड़े आर्थिक चक्र का हिस्सा हैं।

3. निजी निवेश में कमीः अगर सरकार बाजार से सारा पैसा उधार ले लेगी, तो निजी क्षेत्र के लिए पूंजी की कमी हो जाएगी।

इससे बैंक ब्याज दरें बढ़ा सकते हैं, जिससे आम आदमी के लिए होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन महंगे हो सकते हैं।

4. वैश्विक साख और रेटिंगः दुनिया भर की रेटिंग एजेंसियां भारत के कर्ज-जीडीपी अनुपात पर कड़ी नजर रखती हैं, जो वर्तमान में 55' से 56' के आसपास बना हुआ है। यदि यह अनुपात असंतुलित होता है, तो विदेशी निवेश पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

सरकार का पक्षः निवेश से ही आएगा विकास

आर्थिक विशेषज्ञों का एक धड़ा यह भी मानता है कि विकसित भारत @2047 के लक्ष्य को पाने के लिए भारी निवेश अनिवार्य है। सरकार द्वारा लिया गया कर्ज अगर 'कैपिटल एक्सपेंडिचर' (पूंजीगत व्यय) में जा रहा है, तो इससे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और लंबी अवधि में देश की जीडीपी खुद-ब-खुद कर्ज को कम करने में सक्षम होगी।

महानगर मेट्रो का निष्कर्ष

कर्ज लेना बुरा नहीं है, बशर्ते उसका उपयोग उत्पादक कार्यों में हो। भारत को एक 'कर्ज मुक्त' नहीं बल्कि 'कर्ज चुकाने में सक्षम' अर्थव्यवस्था बनने पर ध्यान देना होगा। सरकार को राजकोषीय अनुशासन बनाए रखते हुए अपनी कमाई के नए स्रोत खोजने होंगे, ताकि आने वाली पीढ़ियों को विरासत में केवल कर्ज का बोझ न मिले।

मेष ARIES (चू चे चो ला ली लू ले लो अ) — आज का दिन फायदेमंद रहेगा। सामाजिक दायराबढ़ेगा व मान सम्मान में वृद्धि होगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात होगी।

वृष TAURUS (ई उ ए ओ वा वि वू वे वो) — आज आप खुद को उजार्वान महसूस करेंगे। जीवनसाथी को किसी कार्य में सफलता मिलने से घर में खुशी का माहौल बनेगा।

मिथुन GEMINI (का की कू घ ङ छ के को हा) — आज ऑफिस में काम का प्रेशर थोड़ा बढ़ सकता है। आप कुछ ऐसे मामलों में भी पड़ सकते हैं, जिनका समाधान निकालने में आपको थोड़ी परेशानी हो सकती है।

कर्क CANCER (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — किसी खास व्यक्ति से अचानक मुलाकात आपके करियर की दिशा में बदलाव ला सकती है। इस राशि के आर्ट्स स्टूडेंट्स को थोड़ी मेहनत करने की जरूरत है।

सिंह LEO (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — आज कलात्मक कार्यों में आपकी रूचि बढ़ेगी, धैर्य से निर्णय लेने पर सफलता के नए आसार खुलेंगे। किसी काम में जीवनसाथी की मदद मिलने से आपको फायदा होगा।

कन्या VIRGO (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आज परिवार का सहयोग प्राप्त होगा। अपने काम के लिये दूसरों को सहमत कराने में आप बहुत हद तक सफल रहेंगे। कुछ जरूरी निर्णय आपको फायदा दिला सकते हैं।

तुला LIBRA (रा री रू रे रो ता ती तू ते) — आज परिवार वालों के साथ टाइम स्पेंड करने का मौका मिलेगा। आपकी सभी परेशानियाँ दूर होंगी। किसी काम से थोड़ी भागदौड़ करनी पड़ सकती है।

वृश्चिक SCORPIO (तो ना नी नू ने नो या यी यू) — आज तरक्की के कई नए रास्ते नजर आयेंगे, आप पारिवारिक रिश्तों के बीच सामंजस्य बनाने में सफल होंगे। शाम को बच्चों के साथ समय व्यतीत करेंगे।

धनु SAGITTARIUS (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — आज व्यापारी वर्ग को धन लाभ होगा, आप बच्चों के साथ खुशी के पल बितायेंगे। इस राशि के सिविल इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अनुकूल है।

मकर CAPRICORN (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) — आज पहले किये गये काम में मेहनत का बेहतर परिणाम हासिल होगा। ऑफिस का खुशनुमा वातावरण आपके मन को उत्साह से भर देगा।

कुंभ AQUARIUS (गु गो सा सी सू से सो दा) — आज आपके भाग्य के सितारे बुलंद रहेंगे। अगर आप किसी महत्वपूर्ण काम को पूरा करने की सोच रहे हैं, तो वह काम आज पूरा हो जाएगा।

मीन PISCES (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — आज किसी पुरानी बात को लेकर आप थोड़े परेशान हो सकते हैं, लेकिन शाम तक सब ठीक हो जायेगा। आज घर पर अचानक से कोई मेहमान आ सकता है।

वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच भारत का हरित उत्थान

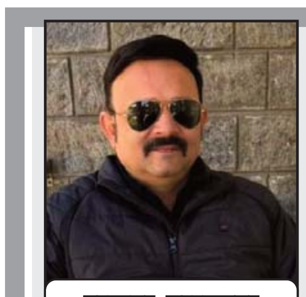

पवन माकन
ग्रुप एडिटर

आज भारत का यह हरित उत्थान केवल एक राष्ट्रीय उपलब्धि नहीं, बल्कि वैश्विक समुदाय के लिए एक प्रेरणा है।यह संदेश स्पष्ट है कि यदि इच्छाशक्ति,नीति और तकनीक का समन्वय हो,तो किसी भी संकट को अवसर में बदला जा सकता है।भारत इसी राह पर आगे बढ़ रहा है।जहाँ ऊर्जा आत्म निर्भरता, पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक समृद्धि एक साथ संभव है।

ईरान - इजराईल -अमेरिका तनाव और भारत ने ऊर्जा के क्षेत्र में आत्म निर्भरता की नई इबारत...

विश्व व्यवस्था के वर्तमान दौर में ऊर्जा केवल विकास का ईंधन नहीं, बल्कि सामरिक शक्ति,कूटनीतिक प्रभाव और आर्थिक स्थिरता का मूलाधार बन चुकी है।आज जब पश्चिम एशिया में ईरान,ईराक और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव ने वैश्विक ऊर्जा संतुलन को अस्थिर कर दिया है,तब भारत का नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में विश्व में तीसरे स्थान पर पहुँचना केवल उपलब्धि नहीं,बल्कि एक दूरदर्शी राष्ट्रीय संकल्प की परिणति है।पश्चिम एशिया,जिसे विश्व की ऊर्जा धुरी कहा जाता है,लंबे समय से भू-राजनीतिक संघर्षों का केंद्र रहा है।ईरान और अमेरिका के बीच टकराव, ईरान की आंतरिक जटिलताएँ और खाड़ी क्षेत्र में बढ़ती सैन्य गतिविधियाँ आज उस स्थिति की ओर संकेत कर रही हैं जहाँ ऊर्जा आपूर्ति किसी भी क्षण बाधित हो सकती है।होर्मुज जलडमरूमध्य, जहाँ से विश्व के एक बड़े हिस्से का कच्चा तेल गुजरता है,इस तनाव का सबसे संवेदनशील बिंदु बन चुका है।यदि इस मार्ग में कोई व्यवधान उत्पन्न होता है,तो उसका सीधा प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा–तेल की कीमतों में उछाल,महँगाई में वृद्धि और विकास की गति में मंदी के रूप में।भारत जैसे उभरते हुए राष्ट्र के लिए यह परिदृश्य एक गंभीर चुनौती प्रस्तुत करता है। देश की ऊर्जा आवश्यकताओं का एक बड़ा हिस्सा आयातित तेल और गैस पर निर्भर है, इसका प्रमुख स्रोत यही पश्चिम एशिया है।ऐसे में वहाँ की अस्थिरता भारत की आर्थिक स्थिरता को भी प्रभावित कर सकती है।किंतु भारत ने इस चुनौती को केवल संकट के रूप में नहीं देखा,बल्कि इसे अवसर में बदलने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं।पिछले एक दशक में भारत ने अपनी ऊर्जा नीति को पुनर्परिभाषित किया है।जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करने और स्वदेशी,स्वच्छ तथा सतत ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने की दिशा में एक व्यापक रणनीति अपनाई गई है।इसी का परिणाम है कि आज भारत नवीकरणीय ऊर्जा स्थापित क्षमता के मामले में विश्व में तीसरे स्थान पर पहुँच चुका है।केन्द्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी द्वारा प्रस्तुत आँकड़े इस परिवर्तन की गवाही देते हैं।वर्ष 2025-26 भारत के ऊर्जा इतिहास में एक मील का पत्थर बनकर उभरा है।इस वर्ष 55 गीगावॉट से अधिक की गैर-जीवाश्म क्षमता वृद्धि ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत अब केवल योजनाओं तक सीमित नहीं,बल्कि क्रियान्वयन के स्तर पर भी नई ऊँचाइयाँ छू रहा है।देश की कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 274 गीगावॉट से अधिक हो चुकी है, जिसमें सौर ऊर्जा का योगदान सर्वाधिक है।सौर ऊर्जा ने 150 गीगावॉट का आँकड़ा पार कर लिया है, जो इस बात का प्रमाण है कि भारत ने सूर्य की शक्ति को अपनी ऊर्जा रणनीति का केंद्र बना लिया है।पवन ऊर्जा भी इस परिवर्तन का महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभरी है। 56 गीगावॉट से अधिक की स्थापित क्षमता यह दशार्ती है कि भारत ने अपने प्राकृतिक संसाधनों का प्रभावी उपयोग किया है। इन दोनों स्रोतों - सौर और पवन– का संयुक्त योगदान अब देश के कुल बिजली उत्पादन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है।वर्ष 2025-26 में इनसे 276 बिलियन यूनिट से अधिक बिजली उत्पादन हुआ, जो कुल उत्पादन का लगभग 15 प्रतिशत है।यह परिवर्तन केवल आँकड़ों तक सीमित नहीं है,बल्कि यह भारत की ऊर्जा सोच में आए व्यापक बदलाव का प्रतीक है।एक समय था जब भारत की ऊर्जा व्यवस्था कोयला और आयातित तेल पर आधारित थी,लेकिन आज वही व्यवस्था हरित ऊर्जा की ओर अग्रसर है।यह बदलाव न केवल पर्यावरणीय दृष्टि से आवश्यक है, बल्कि आर्थिक और सामरिक दृष्टि से भी अनिवार्य बन चुका है।

भारत ने इस दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि तब हासिल की जब जून 2025 में उसने अपने कुल स्थापित विद्युत क्षमता का 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म स्रोतों से प्राप्त कर लिया।यह लक्ष्य पेरिस समझौता के तहत 2030 के लिए निर्धारित था,जिसे भारत ने पाँच वर्ष पहले ही प्राप्त कर लिया। यह उपलब्धि वैश्विक मंच पर भारत की विश्वसनीयता और नेतृत्व क्षमता को और सुदृढ़ करती है।

सरकार की नीतिगत पहलों ने इस परिवर्तन को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।सौर उपकरणों पर करों में कमी, बैटरी निर्माण को प्रोत्साहन, ग्रीन हाइड्रोजन मिशन जैसी योजनाओं ने नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र को नई ऊर्जा प्रदान की है। विशेष रूप से ग्रीन हाइड्रोजन, जिसे भविष्य का ईंधन माना जा रहा है,भारत को ऊर्जा निर्यातक देश बनने की दिशा में अग्रसर कर सकता है।ऊर्जा क्षेत्र में यह क्रांति केवल उत्पादन तक सीमित नहीं है,बल्कि यह रोजगार,निवेश और तकनीकी आत्मनिर्भरता के नए अवसर भी सृजित कर रही है।सौर मॉड्यूल निर्माण क्षमता में अभूतपूर्व वृद्धि इस बात का संकेत है कि भारत अब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है।हालाँकि इस विकास यात्रा में कुछ चुनौतियाँ भी हैं। ऊर्जा भंडारण की सीमित क्षमता,ग्रिड अवसंरचना का विस्तार,भूमि अधिग्रहण जैसी समस्याएँ अभी भी सामने हैं।जिस प्रकार भारत ने अब तक इन चुनौतियों का सामना किया है,उससे यह विश्वास मजबूत होता है कि आने वाले समय में इन बाधाओं को भी पार कर लिया जाएगा।

ईरानझ्र इजराईल- अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर अत्यधिक निर्भरता किसी भी देश के लिए जोखिमपूर्ण हो सकती है। भारत ने इस सच्चाई को समय रहते समझ लिया और अपनी ऊर्जा नीति को उसी अनुरूप ढाल लिया। यही कारण है कि आज जब विश्व ऊर्जा संकट की आशंका से घिरा हुआ है, तब भारत एक स्थिर और आत्मनिर्भर ऊर्जा मॉडल प्रस्तुत कर रहा है। निस्संदेह,यह समय ऊर्जा कूटनीति का है,जहाँ संसाधनों का नियंत्रण ही शक्ति का निर्धारण करता है। भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से इस शक्ति को हासिल करने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए हैं।यह केवल वर्तमान की आवश्यकता नहीं,बल्कि भविष्य की अनिवार्यता भी है।

आज भारत का यह हरित उत्थान केवल एक राष्ट्रीय उपलब्धि नहीं, बल्कि वैश्विक समुदाय के लिए एक प्रेरणा है।यह संदेश स्पष्ट है कि यदि इच्छाशक्ति,नीति और तकनीक का समन्वय हो,तो किसी भी संकट को अवसर में बदला जा सकता है।भारत इसी राह पर आगे बढ़ रहा है।जहाँ ऊर्जा आत्म निर्भरता, पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक समृद्धि एक साथ संभव है।

संपादकीय

मंडी पोर्टलों की बाधा

कहने को तो देश डिजिटल क्रांति के दौर में पहुंच चुका है और वित्तीय लेनदेन से लेकर तमाम क्षेत्रों में आधुनिक तकनीक वरदान साबित हो सकती है। लेकिन हमें यह मानकर चलना चाहिए कि देश का परंपरागत किसान डिजिटल सुविधाओं के उपयोग में खुद को सहज महसूस नहीं करता। आधुनिक डिजिटल तकनीक का प्रयोग नई पीढ़ी की सोच के अनुरूप है, लेकिन पुरानी पीढ़ी इसके उपयोग में खुद को असहज पाती है। कमोबेश किसानों के कल्याण के लिए बनाये गए मंडी पोर्टलों पर भी यही बात लागू होती है। जाहिरा तौर पर किसानों के लिये मंडी पोर्टलों का उपयोग आसान होना चाहिए। बाकायदा किसानों को डिजिटल साक्षर बनाने की मुहिम चलाने की जरूरत भी है। सही मायनों में डिजिटलीकरण का मुख्य उद्देश्य कृषि उपजों की खरीद की प्रक्रिया को सरल बनाना था। लेकिन हरियाणा में जमीनी हकीकत इसके विपरीत नजर आ रही है। दरअसल, हम एक आम किसान से यह उम्मीद नहीं कर सकते कि वह शहरी लोगों की तरह पोर्टलों, पासवर्डों और प्रक्रियात्मक पेचीदगियों के जाल का सहजता से उपयोग कर सके। यही वजह है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी का लाभ उठाने के लिये उसे एक जटिल प्रक्रिया का सामना करना पड़ा है। उल्लेखनीय है कि राज्य भर की मंडियों से द ट्रिब्यून में प्रकाशित हालिया रिपोर्टों से एक जैसा पैटर्न नजर आया है। अब राज्य में फसलों की बिक्री के लिये अनिवार्य पोर्टल- ई-खरीद और मेरी फसल,मेरा ब्योरा यानी एमएफएमबी- साइट क्रैश, डेटा विसंगतियों और सत्यापन की विफलताओं से ग्रस्त है। जिससे कई तरह की समस्याओं से किसानों को रूबरू होना पड़ रहा है। यहां तक कि कई जिलों में, किसानों को गेट पास तक नहीं दिए गए हैं। वजह यह बतायी जा रही है कि किसानों का रिकॉर्ड मेल नहीं खा रहा है। कई बार अंतिम व महत्वपूर्ण क्षणों में सर्वर ने काम नहीं किया। जिसका खमियाजा फसल बेचने आने वाले किसानों को उठाना पड़ रहा है। दरअसल, ऐसी अनेक तकनीकी जटिलताओं के परिणाम तात्कालिक व गंभीर बताये जाते हैं। किसानों की फसल तो बिक्री के लिये तैयार है, लेकिन कतिपय कारणों से उसे मंडियों में प्रवेश करने में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। यही वजह है किसान अपने खून-पसीने की फसल निजी व्यापारियों को बेचने को विवश हो जाते हैं। किसान की मजबूरी ये होती है कि वह जल्द से जल्द फसल बेचना चाहता है। उसे अपने पहले के खर्च निकालने हैं और अगली फसल की तैयारी करनी है। जिसके चलते वह तुरंत भुगतान की आस में कम दाम में भी व्यापारियों को फसल बेचने को बाध्य हो जाता है। ऐसा नहीं है कि सरकारी एजेंसियां खरीद नहीं कर रही हैं, लेकिन फसल की आवक का एक छोटा हिस्सा ही खरीद पायी हैं। जो फसल खरीद के वायदे और वास्तविक तैयारी के बीच के अंतर को स्पष्ट करती है। कुछ आंकड़े इस बात की पुष्टि कर रहे हैं। विशेष रूप से, हरियाणा में गेहूं की खरीद को 80 लाख टन से घटाकर 72 लाख टन करने से किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर्याप्त रूप में नहीं मिल पा रहा है। जिसके चलते उन्हें आर्थिक घाटा उठाना पड़ रहा है।

चिंतन-मनन

ईश्वर का आहार है साधना

तुमने ईश्वर को सदैव पिता के रूप में देखा है, कहीं ऊपर स्वर्ग में। मन में बैठी इस धारणा के संग तुम ईश्वर से कुछ मांगना चाहते हो और उनसे कुछ लेना। परन्तु क्या तुम ईश्वर को एक शिशु के रूप में देख सकते हो? जब तुम ईश्वर को शिशु के रूप में देखते हो तो तुम्हारी कोई मांग नही होती। ईश्वर तो तुम्हारे अस्तित्व का अन्तःकरण है। तुम ईश्वर को धारण किये हो। तुम्हें अपने गर्भ का ध्यान रखना है और इस शिशु को संसार में जन्म देना है। ईश्वर तुम्हारा शिशु है। वे तुमसे बच्चे की तरह चिपककर रहते हैं जब तक तुम वृद्ध होकर मर नहीं जाते। ईश्वर पोषण के लिए पुकारते रहते हैं। संसार में उनके पोषण के लिए उन्हें तुम्हारी आवश्यकता है। साधना, सत्संग और सेवा ईश्वर के पोषक आहार हैं।

तुम ऐसा क्यों सोचते हो कि ईश्वर एक ही हैं? ईश्वर भी अनेक क्यों नहीं हो सकते? यदि ईश्वर ने मनुष्य को अपनी छवि के अनुसार बनाया है, तो उनकी छवि क्या है? अफ्रीकी, मंगोलियन, कॉकेसियन, जापानी या फिलिपिनो? मनुष्य इतने प्रकार के क्यों हैं, वस्तुओं की इतनी विविधताएं क्यों है? वृक्ष सिर्फ एक प्रकार का नहीं होता। सांप बादल, मच्छर या सब्जी सिर्फ एक प्रकार के नहीं। कुछ भी सिर्फ एक प्रकार का नहीं है, तो फिर केवल ईश्वर को ही एक क्यों होना चाहिए?

जिस चेतना ने इस सम्पूर्ण सृष्टि की रचना की है और जो विविधता की प्रेमी है, वह चेतना नीरस कैसे हो सकती है? ईश्वर को विविधता पसंद है, तो वे भी अवश्य ही वैविध्य होंगे। ईश्वर अनेक नाम, रूप और प्रकार से अभिव्यक्त होते हैं। कुछ विचारधारा के व्यक्ति ईश्वर को उनके विभिन्न रूपों में प्रकट होने की स्वतत्रता नहीं देते। वे उन्हें एक ही रूप-वर्दी में चाहते हैं। अवसर के अनुसार जब तुम अपने रूप को बदलते हो तो कैसे सोच सकते हो कि चेतना में कोई विविधता न हो?

हमारे पूर्वज इस बात को समझते थे और इसीलिए उन्होंने दिव्यता के अनंत

शर्तों के साथ ईरान और अमेरिका के बीच 15 दिन का सीज फायर

सनत जैन

ईरान और अमेरिका के बीच दो सप्ताह के लिए युद्ध विराम के लिए सहमति बन गई है। अमेरिका की ओर से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसका ऐलान किया। ईरान ने भी अधिकृत रूप से इसकी घोषणा की। सीज फायर के बाद हमले तत्काल रूप से बंद हो गए हैं। ईरान ने इसके लिए अधिकृत रूप से आदेश जारी किए हैं। युद्ध विराम को लेकर 10 शर्तों के साथ ईरान ने प्रस्ताव पेश किया है। चीन द्वारा दोनों पक्षों को समझाइस दिए जाने के बाद 15 दिन के लिए युद्ध विराम घोषित किया गया है। इसकी घोषणा होते ही, इसके सकारात्मक परिणाम भारत सहित दुनिया के सभी देशों में देखने को मिले हैं। एक नई आशा की किरण जागी है। दोनों पक्ष गंभीरता के साथ विचार करके स्थाई रूप से युद्ध रोकने और शांति के लिए प्रयास करेंगे। इसके लिए दोनों पक्षों का एक मंच पर आना जरूरी था। पाकिस्तान ने तीनों पक्षों के बीच बातचीत के लिये जो प्रयास किया, वह सार्थक हुआ। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा इस फैसले में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख असीम मुनीर का उल्लेख किया। डोनाल्ड ट्रंप ने यह उल्लेख किया है, ईरान को स्टेट आफ हार्मोज को फिर से खोलना होगा। डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया, अमेरिका ने अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लिया है। अमेरिका अब तेहरान के साथ निर्णायक फैसले की स्थिति में आ गया है। अब जो भी समझौता होगा वह दीर्घकालिक शांति के लिए होगा। ईरान की ओर से शीर्ष अधिकारी बातचीत करने के लिए पाकिस्तान आएंगे। अमेरिका के उपराष्ट्रपति इस बातचीत में शामिल होंगे। इस फैसले के आते ही सारी दुनिया के देशों ने राहत की सांस ली है। ऊर्जा संबंधी संकटों और युद्ध को लेकर जो स्थिति बनी हुई थी। उससे सारी दुनिया को अस्थाई रूप से राहत मिली है। भारत में इसका बड़ा असर देखने को मिला। शेयर बाजार ने 2800 अंकों की छलांग लगाई। कच्चे तेल के दाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी के साथ गिरे। इस युद्ध में अमेरिका द्वारा ईरान को खत्म करने की जो धमकी दी जा रही थी, चीन, रूस और उत्तर कोरिया के इस युद्ध में शामिल होने की संभावना बन गई थी। पिछले एक साल से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से टैरिफ को लेकर दबाव बना रहे थे। वेनेजुएला के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को उठाकर अमेरिका में बंधक बनाया गया। इसके तुरंत बाद ईरान पर हमला किया गया। इससे सारी दुनिया के देश अमेरिका से नाराज थे। अमेरिका के अंदर डोनाल्ड ट्रंप का विरोध शुरू हो गया है। अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन करते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कांग्रेस की मंजूरी लिए बिना जिस तरह से ईरान पर हमला किया था। अमेरिकी कानून के अनुसार केवल 45 दिन तक वह इस तरह की कार्रवाई राष्ट्रपति कर सकते थे। इसके पहले उन्हें संसद की अनुमति लेना अनिवार्य था। इन सारी परिस्थितियों को देखते हुए डोनाल्ड ट्रंप के पास अन्य कोई विकल्प नहीं था। एक महीने से अधिक युद्ध चलते हुए हो गए थे। युद्ध में ईरान के साथ-साथ इजराइल को भी भारी नुकसान उठाना पड़ा है। जिन खाडी के देशों में अमेरिका के सैन्य अड्डे थे, ईरान ने लगभग सभी में ध्वस्त कर दिये हैं। अमेरिका की जो साख दुनिया में बनी हुई थी, इस युद्ध में वह लगभग खत्म हो गई है। ऐसी स्थिति में डोनाल्ड ट्रंप जल्द से जल्द युद्ध से बाहर निकलना चाहते थे। इसमें पाकिस्तान ने पहल की। चीन ने अपनी सामरिक और आर्थिक शक्ति का एहसास कराकर अमेरिका और ईरान दोनों को एक मंच पर लाने का जो काम किया है। युद्ध विराम से सारे विश्व को राहत मिली है। अमेरिका और ईरान के इस युद्ध में सबसे ज्यादा भूमिका इजरायल की थी। ग्रेटर इजरायल की परिकल्पना पर काम कर रहे इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू और मोसाद द्वारा जो अमेरिका को जो जानकारी दी गई थी, वह सही नहीं थी। अति उत्साह में डोनाल्ड ट्रंप इस युद्ध में कूद गए। जिसके कारण अब उन्हें राष्ट्रपति पद को बचा पाना मुश्किल दिख रहा है। इसके अलावा अमेरिका में नवंबर माह में जो चुनाव होने हैं। उसको लेकर उन्हें अपनी पार्टी से चुनौती मिलने लगी है। डोनाल्ड ट्रंप का स्वभाव है वह आक्रामक होकर अपनी विपक्षी के ऊपर हमला करते हैं। पिछले 1 साल में जिस तरह से डोनाल्ड ट्रंप पूरी दुनिया में एक्सपोज हुए हैं। उसके बाद अमेरिका के राष्ट्रपति की जो छवि होती थी, उसमें बहुत बड़ा बट्टा लग गया है। अमेरिका को सारी दुनिया के देशों से कई तरह की चुनौतियां मिलना शुरू हो गई हैं। डॉलर मुद्रा को चुनौती मिल रही है। नाटो और यूरोपीय देशों ने अमेरिका का साथ एक तरह से छोड़ दिया है। ऐसी स्थिति में ईरान से ज्यादा अमेरिका को युद्ध विराम की जरूरत थी। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू इसमें सबसे बड़ी बाधा बने हुए थे। जिस तरह से ईरान ने तेल अवीव और इजरायल के विभिन्न हिस्सों में हमला करके जो नुकसान पहुंचाया है, उसके कारण अब इजराइल भी ठंडा पड़ गया है। इजराइल का इतिहास रहा है कि वह अपनी बात पर ज्यादा देर कायम नहीं रहता है। इस युद्ध विराम में यदि कोई पलीता लगाने का काम करेगा, तो वह इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहु ही होंगे। इन 15 दिनों में कोई हमला नहीं हुआ तो निर्णायक समझौते के लिए वातावरण बनने में अब कोई दिक्कत नहीं है। ईरान ने अपनी ताकत का एहसास कर दिया है। पिछले 47 सालों से उसके ऊपर लगातार प्रतिबंध थोपे जा रहे थे। इस युद्ध के बाद अब उसके साथ बातचीत में समान रूप से व्यवहार करना होगा। इस युद्ध ने सभी के अहंकार को तोड़ दिया है। सभी पक्षों को युद्ध में भारी नुकसान हुआ है। सारी दुनिया के देशों को इस युद्ध में भारी नुकसान हुआ है। कच्चा तेल, गैस, खाद्यान्न एवं अन्य सामान की आपूर्ति दुनिया भर में बाधित हुई है। सारी दुनिया के देश चाहते थे, जल्द से जल्द इस मामले का कोई हल निकले। जो हुआ है, वह बहुत अच्छा हुआ है। ईरान इस बार पूरी तरह सतर्क है। उसके पास जो अस्त्र-शस्त्र हैं। जितना अच्छा उपयोग इस युद्ध में ईरान ने किया है, उसके बाद लगता नहीं है, अमेरिका और इजरायल ईरान के साथ कोई खेल करेंगे। कच्चे तेल के दाम घटने के साथ गैस की निर्बाध आपूर्ति शुरू होगी। कुल मिलाकर इस युद्ध विराम का स्वागत सभी देशों द्वारा किया जा रहा है। रूस-चीन जैसी महाशक्तियां भी युद्ध खत्म कराने मे अप्रत्यक्ष रूप से प्रयास कर रहे थे। बातचीत में स्थाई समाधान खोज लिया जाता है। तो यह दुनिया के लिए शांतिपूर्ण प्रयासों की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

णमोकार महामंत्रः श्रद्धा, समता और आत्मशुद्धि का शाश्वत मंत्र

श्रमण डॉ पुष्पेंद्र

जैन धर्म की आराधना परंपरा में णमोकार महामंत्र को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। यह केवल एक धार्मिक मंत्र नहीं, बल्कि आत्मा की शुद्धि, समता और विनय का सार्वभौमिक संदेश है। इसकी महिमा का उल्लेख प्राचीन जैन आगम ग्रंथ भगवती सूत्र के प्रारम्भ में महामंगल वाक्य के रूप में मिलता है.-

'णमो अरिहंताणं, णमो सिद्धाणं, णमो आयरियाणं, णमो उवज्झायाणं, णमो लोए सव्व साहूणं।'

यह मंत्र अनादि और अविनाशी माना गया है। सभी तीर्थंकरों ने इसकी महत्ता को स्वीकार किया है। इसे जैन धर्म का मूल मंत्र और जिनागम का सार कहा जाता है।

गुण-पूजा का अद्वितीय संदेश

णमोकार महामंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें किसी व्यक्ति-विशेष या देवता की स्तुति नहीं की गई, बल्कि उनके गुणों को नमन किया गया है। यह व्यक्ति-पूजा नहीं, बल्कि गुण-पूजा का संदेश देता है। इसमें किसी प्रकार की याचना या कामना नहीं है, केवल निस्वार्थ श्रद्धा, समर्पण और आत्मशुद्धि का भाव है। यही कारण है कि यह मंत्र किसी एक संप्रदाय या समुदाय तक सीमित नहीं, बल्कि सार्वभौमिक और सर्वग्रा' है।

णमोकार महामंत्र में पांच पद है, 35 अक्षर है। इनमें 11 अक्षर लघु हैं, 24 गुरु हैं, 15 दीर्घ हैं और 20 ह्रस्व हैं। 35 स्वर हैं और 34 व्यंजन हैं। यह एक अद्वितीय बीज संयोजना है। णमो अरिहंताणं में सात अक्षर है, णमो सिद्धाणं में पांच अक्षर हैं, णमो आयरियाणं में सात अक्षर हैं, णमो उवज्झायाणं में सात अक्षर है, णमो लोए सव्व साहूणं में नौ अक्षर हैं। इस प्रकार इस महामंत्र में कुल 35 अक्षर हैं। स्वर और व्यंजन का विश्लेषण करने पर नमो अरिहंताणं में 7 स्वर और 6 व्यंजन हैं, नमो सिद्धाणं में 5 स्वर और 6 व्यंजन हैं, नमो उवज्झायाणं में 7 स्वर और 7 ही व्यंजन हैं। नमो लोए सव्व साहूणं में 6 स्वर तथा 6 व्यंजन हैं। इस प्रकार नमोकार महामंत्र में 35 स्वर और 34 व्यंजन हैं। यह महामंत्र जैन आराधना और साधना का ध्रुव केन्द्र है, इसकी शक्ति अपरिमेय है। इस महामंत्र के वर्णों के संयोजन पर चिन्तन करें तो यह बड़ा अद्भुत और पूर्ण वैज्ञानिक है। इसके बीजाक्षरों को आधुनिक शब्द विज्ञान की कसौटी पर कसने पर साधक यह पाते हैं कि इसमें विलक्षण ऊर्जा है और शक्ति का भण्डार छिपा हुआ है। प्रत्येक अक्षर का विशिष्ट अर्थ है, प्रयोजन और सकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न करने की क्षमता है।

पंच परमेष्ठियों का वंदन

इस मंत्र में पंच परमेष्ठियों को नमस्कार किया गया हैकृअरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय और साधु।

अरिहंत वे हैं जिन्होंने अपने आंतरिक शत्रुओंकृराग, द्वेष, मोह और वासनाओंकृपर विजय प्राप्त कर सर्वज्ञता को उपलब्ध किया।

सिद्ध वे मुक्त आत्माएँ हैं जो जन्म-मृत्यु के चक्र से परे मोक्ष में स्थित हैं।

आचार्य संघ के आध्यात्मिक पथप्रदर्शक हैं।

उपाध्याय शास्त्रों के ज्ञाता एवं अध्यापक हैं।

साधु वे तपस्वी आत्माएँ हैं जो आत्मकल्याण और लोककल्याण हेतु धर्म का आचरण करती हैं।

जैन दर्शन के अनुसार आध्यात्मिक उत्कर्ष में न तो वेष बाधक है और न ही लिंग। स्त्री हो या पुरुष, सभी आत्मिक उन्नति के अधिकारी हैं।

साधना और मानसिक शांति

श्रद्धा, शुद्ध उच्चारण और एकाग्र भाव से णमोकार महामंत्र का जप मानसिक शांति, आत्मबल और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है। शास्त्रों में इसे 'सर्व पापों का नाश करने वाला और परम मंगलकारी' कहा गया है। प्रत्येक अक्षर स्वयं में मंत्रस्वरूप है और इसका जप किसी भी क्रम में किया जा सकता है। ध्यानपूर्वक जप करने से चित्त की चंचलता कम होती है और साधक आत्मस्वरूप के निकट पहुँचता है। यह मंत्र हमें भीतर की पवित्र चेतना से जोड़ता है।

भाषिक एवं वैज्ञानिक संरचना

णमोकार महामंत्र प्राकृत भाषा में रचित है और इसकी रचना आर्या छंद में की गई है। इसके पाँच मुख्य पदों में कुल 35 अक्षर माने गए हैं। ध्वनि-विज्ञान की दृष्टि से इसमें लघु-गुरु, ह्रस्व-दीर्घ वर्णों का संतुलित संयोजन है। स्वर और व्यंजन की विशिष्ट व्यवस्था इसे अद्वितीय बीज-संरचना प्रदान करती है।

आधुनिक ध्वनि-विज्ञान के अनुसार, मंत्रोच्चारण से उत्पन्न कंपन मानसिक और शारीरिक संतुलन में सहायक होते हैं। प्रत्येक अक्षर में सकारात्मक ऊर्जा और आत्मजागरण की क्षमता निहित है।

आत्मजागरण का मार्ग

णमोकार महामंत्र बाह्य आडंबरों से हटाकर साधक को आत्मा के शुद्ध स्वरूप की ओर ले जाता है। इसमें भौतिक उपलब्धियों की कामना नहीं, बल्कि आत्मोन्नति का मार्ग निहित है। यह समता, विनय और करुणा का संदेश देता है।

वास्तव में, णमोकार महामंत्र केवल जैन धर्म का मूल मंत्र नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए आत्मजागरण का शाश्वत उद्घोष है। गुणों की आराधना ही आत्मा को परम शांति और मोक्ष की दिशा में अग्रसर करती है और यही इस महामंत्र का सार है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

टोल वाले रास्तों पर रोडवेज बस का सफर हुआ महंगा, जानिए लखनऊ से दिल्ली तक कितना बढ़ा किराया

महानगर मेट्रो

लखनऊ। यूपी रोडवेज की बसों से सफर करना अब महंगा हो गया है। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम ने एक से छह रुपये तक किराया बढ़ा दिया है। इसकी वजह से लखनऊ से दिल्ली, प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर और बहराइच जाना महंगा हो जाएगा। लखनऊ के कैसरबाग बस अड्डे से दिल्ली तक जो किराया पहले 776 रुपये था, वह बढ़कर 781 रुपया हो गया है। हालांकि बढ़ा हुआ किराया सभी जिलों को जाने वाली बसों पर नहीं लागू होगा। ये उन्हीं रूट की बसों पर लागू होगा जिन पर टोल प्लाजा पड़ता है और परिवहन निगम को टोल देना पड़ता है।

दरअसल, 1 अप्रैल से सभी टोल प्लाजा पर टैक्स बढ़ गया है। इसकी वजह से कुछ रूट पर यूपी रोडवेज ने बस का किराया भी बढ़ा दिया है। लखनऊ के आलमबाग बस स्टेशन से प्रयागराज का किराया 302 रुपये से बढ़कर 308 रुपया हो गया। इसी तरह वाराणसी जाने के लिए अब 473 की जगह 476 रुपये देने पड़ेंगे।

लखनऊ से दिल्ली	776	781
लखनऊ से प्रयागराज	302	308
लखनऊ से वाराणसी	473	476
लखनऊ से गोरखपुर	435	437
लखनऊ से बहराइच	192	193

गोरखपुर जाने के लिए 435 की जगह 437 रुपये किराया

कैसरबाग बस अड्डे से बहराइच जाने का किराया 192 की जगह 193 रुपये हो गया है। गोरखपुर जाने के लिए 435 की जगह 437 रुपये खर्च करने पड़ेंगे। इसी तरह दिल्ली जाने के लिए 776 की जगह 781 रुपये का टिकट खरीदना पड़ेगा।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर सबसे ज्यादा बढ़ा टोल टैक्स

दरअसल, यूपी के सभी एक्सप्रेसवे पर सफर करना अब महंगा हो गया है। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर सबसे ज्यादा टोल टैक्स बढ़ा है। यहां पांच रुपये से 85 रुपये के बीच टोल बढ़ा है। इसी तरह गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे पर पांच रुपये बढ़ाए गए हैं। शासन ने नए वित्तीय वर्ष में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे और गोरखपुर एक्सप्रेसवे पर भी टोल टैक्स बढ़ा दिया है।

खड़ी बस के अंदर लटकती मिली ड्राइवर की लाश, पत्नी के साथ हुआ था झगड़ा

महानगर मेट्रो

बिजनौर। बिजनौर रोडवेज परिसर में खड़ी बस के अंदर ड्राइवर का शव लटका मिलने से हड़कंप मच गया. कंडक्टर के पहुंचने पर घटना का खुलासा हुआ. प्राथमिक जांच में मामला आत्महत्या का माना जा रहा है, हालांकि पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है. पारिवारिक विवाद भी घटना की वजह बताया जा रहा है. उत्तर प्रदेश में बिजनौर के रोडवेज परिसर में खड़ी एक बस में ड्राइवर की लाश लटकी हुई मिलने से हड़कंप मच गया. घटना का पता उस समय चला जब बस कंडक्टर सलमान ने ड्राइवर को फोन किया लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ तो सलमान खुद बस पर पहुंच गया. उसने देखा कि ड्राइवक धर्मेंद्र की लाश बस के अंदर लटकी हुई थी.

लाश को देखते ही सलमान की चीख निकल गई. शोर सुनकर रोडवेज परिसर में मौजूद लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई. फिर घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं . इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई. मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल की जांच करते हुए मामले की जांच की और लोगों से बातचीत की. इसके बाद लाश को फंदे से उतार कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा.

हालांकि, इस घटना को लेकर रोडवेज में कई तरह की चर्चाएं हैं लेकिन पुलिस क्षेत्राधिकारी संग्राम सिंह का कहना है की प्राथमिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है. यह भी सामने आया है कि चालक का अपनी पत्नी से कोई विवाद हुआ था जिसके चलते उसने यह कदम उठाया है. फिलहाल पूरे मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. मृतक चालक मुजफ्फरनगर जनपद के कस्बा मीरापुर का रहने वाला है.

आंधी और बारिश से ताजमहल को नुकसान, रॉयल गेट से गिरे नक्काशी के पत्थर, खड़े हुए सवाल

महानगर मेट्रो

आगरा। यूपी के आगरा में मंगलवार दोपहर आई तेज आंधी और बारिश ने जनजीवन के साथ-साथ ताजमहल को भी प्रभावित किया। विश्व प्रसिद्ध इस ऐतिहासिक स्मारक के रॉयल गेट से छोटे-छोटे पत्थर गिरने लगे। ये पत्थर पच्चीकारी वाले थे, जो गेट की ऊपरी सतह पर नक्काशी से लगाए थे। इस घटना से पर्यटकों को कोई नुकसान तो नहीं हुआ, लेकिन इससे ताजमहल की सुरक्षा और संरक्षण व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। दोपहर बाद करीब 2 बजे के बाद अचानक मौसम खराब हो गया। तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। इसी दौरान ताजमहल के मुख्य प्रवेश द्वार यानी रॉयल गेट से मुगलिया सल्तनत के पच्चीकारी वाले पत्थर गिरने लगे। हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन मौके पर मौजूद पर्यटकों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया था।

एक-एक कर नीचे गिरे पत्थर के टुकड़े

धूल भरी आंधी के साथ शुरू हुई बारिश से बचने के लिए पर्यटक रॉयल गेट के नीचे खड़े हो गए थे। तभी अचानक से गेट के ऊपरी हिस्से में लगे पच्चीकारी वाले पत्थर नीचे गिरने लगे। इससे बचने के लिए पर्यटकों में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि पत्थर के टुकड़ों से किसी को कोई चोट नहीं पहुंची।

रख-रखाव पर उठे सवाल

इस घटना के बाद ताजमहल के रखरखाव और पत्थरों की मजबूती को लेकर सवाल उठने लगे हैं। पिछले कई वर्षों से ऐतिहासिक स्मारकों में पत्थर गिरने की घटनाएं बढ़ी हैं। फतेहपुर सीकरी के बुलंद दरवाजे पर लगे पत्थर की तस्तरी और उस पर बनी गोलाकार पत्थर कई बार नीचे गिर चुके हैं।

2018 और 2024 में भी हो चुका है नुकसान

इससे पहले ताजमहल को नुकसान साल 2018 में 130 किलोमीटर की रफ्तार से आई आंधी से हुआ था। तब रॉयल गेट के तीन छोटे गुंबद और पत्थर नीचे के गिरे थे। वहीं दक्षिणी गेट की एक मीनार नीचे गिर गई थी। इसके अलावा पिछले साल 2024 में भी ताजमहल के रॉयल गेट से कई पत्थर गिरे थे जिससे नुकसान हुआ था।

यूपी में बेमौसम बारिश, ओले और आकाशीय बिजली ने मचाई तबाही, CM योगी ने किया मुआवजे का ऐलान

महानगर मेट्रो

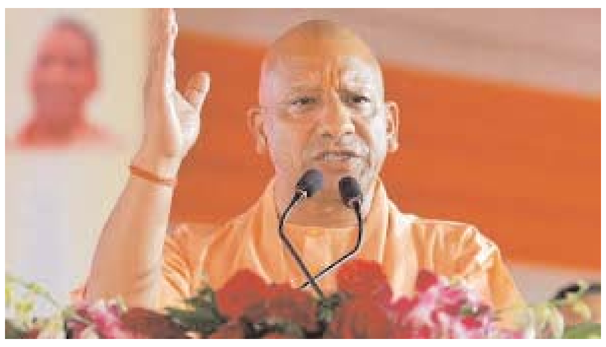

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि और आसमानी बिजली ने भारी तबाही मचाई है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को 24 घंटे के भीतर प्रभावित किसानों और पीड़ितों के परिजनों को मुआवजा राशि बांटने के सख्त निर्देश दिए हैं ताकि अन्नदाताओं को तत्काल राहत मिल सके. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लखनऊ में एक हाई लेवल बैठक कर प्रदेश में बेमौसम बारिश और आकाशीय बिजली से हुए नुकसान की समीक्षा की. पिछले एक हफ्ते में प्राकृतिक आपदा के कारण यूपी में 20 लोगों की जान गई है, जबकि 12 लोग घायल हुए और 33 पशुओं की हानि हुई है. मुख्यमंत्री ने राजस्व और कृषि विभाग को निर्देशित किया है कि हर प्रभावित किसान और बटाईदार के नुकसान का निष्पक्ष आकलन कर तुरंत रिपोर्ट भेजी जाए. उन्होंने स्पष्ट किया कि आपदा की इस घड़ी में सरकार किसानों के साथ खड़ी है और राहत वितरण में किसी भी स्तर पर देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी.

24 घंटे में सहायता और कड़े निर्देश

सीएम योगी ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है कि जनहानि, पशु हानि और घायलों के परिजनों को 24 घंटे के भीतर मुआवजा दिया जाए. राहत आयुक्त कार्यालय से सभी जिलों की स्थिति पर नजर रखी जा रही है. मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी है कि राहत कार्यों में लापरवाही अक्षम्य होगी और जवाबदेही तय की जाएगी. उन्होंने कहा कि स्टेट डिजास्टर रिलीफ फंड से जिलों को पर्याप्त धनराशि तुरंत उपलब्ध कराई जाए ताकि सहायता कार्य न रुकें.

सरकार ने आपदा पीड़ितों के लिए अन्य सुरक्षा कवरेज का भी ऐलान किया है. मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन परिवारों के घर नष्ट हुए हैं, उन्हें 'मुख्यमंत्री आवास योजना' के तहत प्राथमिकता पर घर दिए जाएं. साथ ही, पात्र लाभार्थियों को 'कृषक दुर्घटना बीमा योजना' के अंतर्गत जल्द लाभान्वित किया जाए. अधिकारियों को बीमा कंपनियों से तालमेल बिठाकर फसल बीमा दावों का त्वरित निपटान सुनिश्चित करने को भी कहा गया है.

मंडी समितियों और सर्वे पर जोर

सीएम ने राजस्व और कृषि विभागों के बीच प्रभावी समन्वय पर जोर दिया है ताकि सर्वे का काम समयबद्ध तरीके से पूरा हो. उन्होंने मंडी समितियों को भी किसानों को हर संभव सहयोग देने का निर्देश दिया. मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी सीधे किसानों तक पहुंचें और यह सुनिश्चित करें कि उन्हें सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ मिले. संकट की इस स्थिति में हर प्रभावित तक सहायता पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है.

सड़क हादसे कम करने के लिए बड़ा कदम, ड्राइवरों को ट्रेनिंग देगा DTC

स्महानगर मेट्रो

दिल्ली । दिल्ली में लगातार कई हादसों के बाद अब सरकार ने एक्सीडेंट कम करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। यह तय किया गया है कि डीटीसी बसों से होने वाले हादसों पर लगाम लगाने के लिए ड्राइवरों को ट्रेनिंग दी जाएगी। बता दें कि दिल्ली की सड़कों पर चल रही मिनी बसें हादसे का कारण बन रही हैं।

डीटीसी बसों से होने वाले हादसे रोकने की तैयारी

बीते रविवार को आजादपुर और हुमायूं रोड सेंट्रल दिल्ली में दो अलग-अलग हादसों में छ्ङ्मष्ट बस की टक्कर से दो युवा लड़कों की मौत हो गई। यह हादसे बताते हैं कि सरकार के तमाम दावों के बाद भी सड़कों पर छ्ङ्मष्ट बसों से होने वाले हादसे नहीं रुक रहे हैं। पहले यह सड़क हादसे 12 मीटर वाली स्टैंडर्ड बसों से हो रही थी, लेकिन अब बीते साल ही सड़कों पर उतारी गई 9 मीटर वाली मिनी बसें भी हादसों का कारण बन रही है।

हादसों में गिरावट, लेकिन...

अब DTC ने सभी बस ऑपरेटर्स से ड्राइवरों के ट्रेनिंग का निर्देश दिया है। आंकड़ों के मुताबिक वित्तीय वर्ष 2025-26 में अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 तक कल 73 से अधिक सड़क हादसे हुए जिसमें 30.13 फीसदी यानी 22 सड़क हादसे सिर्फ 9 मीटर वाली मिनी बसों से हुई है, जबकि 54 सड़क हादसे बड़ी 12 मीटर वाली इलेक्ट्रिक बसों से हुई। इन हादसों में 15 से अधिक फैटल एक्सीडेंट शामिल है। हालांकि बीते साल की तुलना में बात करें तो इसमें थोड़ी गिरावट आई है।

सकरी सड़कों पर चलती हैं बसें

साल 2024-25 में DTC की बसों से कुल 97 सड़क हादसे हुए थे, जिसमें 21 फैटल एक्सीडेंट शामिल हैं। इससे अलग क्लस्टर बसों से 53 सड़क हादसे हुए जिसमें 12 फैटल एक्सीडेंट है। DTC के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बसों से होने वाले सड़क हादसों के अलग-अलग कारण होते हैं। छ्ङ्मष्ट की छोटी बसें ज्यादातर संकरी सड़कों पर चलती हैं, जहां बहुत भीड़ होती है। इसके चलते कई बार टक्कर होती है लेकिन कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ है।

निजी कंपनियों को दे दिया है काम

समय-समय पर ड्राइवरों का क्रैश कोर्स, ट्रेनिंग कार्यक्रम चलती है। क्योंकि अब DTC की बसों के संचालन का काम निजी कंपनियों को दिया गया है। उन्हें भी अपने स्तर पर ड्राइवरों के लिए ट्रेनिंग कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया गया है। जिससे हादसों को कम किया जा सके।

दिल्ली वालों के लिए अब मेट्रो के करीब होगा आशियाना

घर से दफ्तर की दूरी घटाने का प्लान

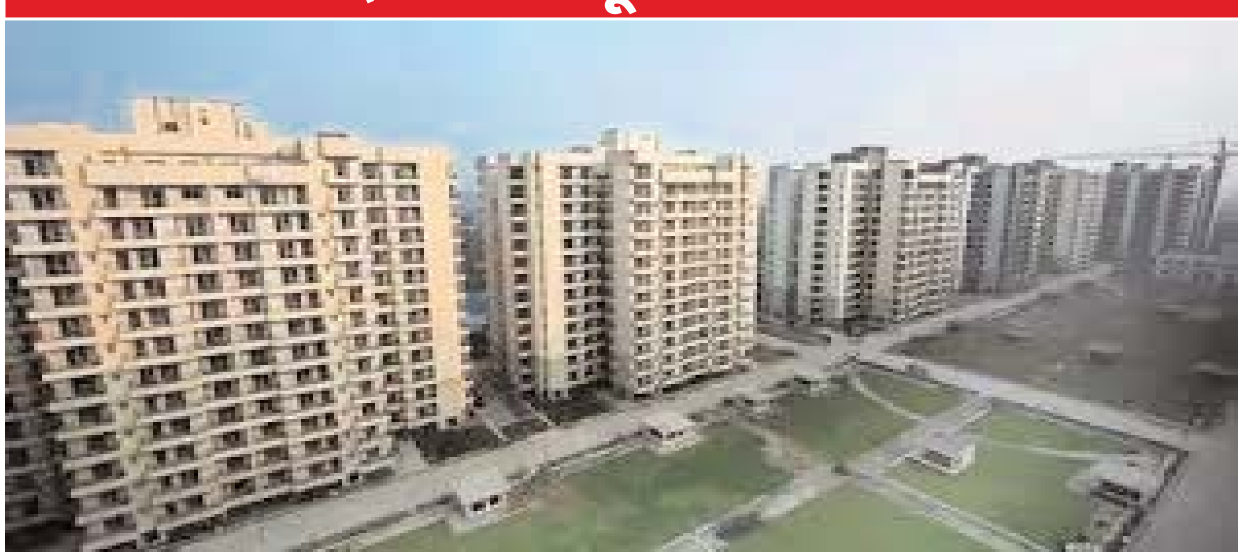

महानगर मेट्रो

नई दिल्ली। ट्रांजिट ओरिएंटेड डिवेलपमेंट पॉलिसी में बड़े बदलाव किए गए है, जिसका मकसद मेट्रो, नमो रेल और रेलवे कॉरिडोर के आसपास सस्ते और सुनियोजित आवास को बढ़ावा देना है। नई नीति के तहत अब इन ट्रांजिट कॉरिडोर के 500 मीटर के दायरे में हाई-डेंसिटी, मिक्स्ड-यूज डिवेलपमेंट को अनुमति दी जाएगी। यह बदलाव मास्टर प्लान 2021 में पहले से था।

नई TOD पॉलिसी की सबसे अहम खासियत यह है कि अब छोटे प्लॉट्स पर भी विकास मुमकिन होगा। पहले जहां कम से कम 5 हेक्टेयर जमीन की जरूरत होती थी, अब इसे घटाकर 2000 वर्ग मीटर कर दिया गया है। जिससे छोटे डिवेलपर्स और निजी जमीन मालिकों को भी फायदा मिलेगा। इसके साथ ही 15 मीटर चौड़ी सड़क पर स्थित 2000 वर्ग मीटर के प्लॉट पर अधिकतम 500 FAR (फ्लोर एरिया रेशियो) की अनुमति दी गई है।

शहरी विकास को बढ़ावा देने के लिए उठाया जा रहा कदम

मंगलवार को नेशनल मीडिया सेंटर में केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि इस पॉलिसी का मकसद मेट्रो कॉरिडोर के आसपास सस्टेनेबल और ट्रांजिट लिंक्ड शहरी विकास को बढ़ावा देना है, जिससे कनेक्टिविटी बेहतर होगी और सस्ते घरों की उपलब्धता बढ़ेगी। इस अवसर पर सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि इस पॉलिसी के तहत करीब 207 वर्ग किलोमीटर एरिया को कवर किया जाएगा। इसमें मेट्रो कॉरिडोर के दोनों ओर 500 मीटर और RRTS/रेलवे स्टेशनों के आसपास 500 मीटर का दायरा शामिल है। इस पूरे एरिया में प्लांड डिवेलपमेंट और रीडिवेलपमेंट के जरिए आवास और इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा दिया जाएगा। FAR का 65' हिस्सा 100 वर्ग मीटर के फ्लैट्स में इस्तेमाल होगा

सस्ते आवास को बढ़ावा देने के लिए पॉलिसी में यह अनिवार्य किया गया है कि कुल मंजूर FAR का 65 फीसदी हिस्सा 100 वर्ग मीटर तक के फ्लैट्स के लिए इस्तेमाल होगा। इससे मिडल क्लास और लो-इनकम ग्रुप के लिए बड़ी संख्या में घर उपलब्ध हो सकेंगे।

वहीं, बाकी 35 फीसदें FAR में से 10 फीसदी कमर्शल और सुविधाओं के लिए और 25 फीसदी का इस्तेमाल बड़े फ्लैट, ऑफिस, गेस्ट हाउस या स्टूडियो अपार्टमेंट के लिए किया जा सकेगा। इसके अलावा, TOD जोन में मेट्रो स्टेशनों से कनेक्टिविटी के लिए अंडरग्राउंड और एलिवेटेड वॉकवे बनाने की अनुमति दी गई है। पॉलिसी के तहत टीओडी टैक्स को सरल बनाया गया है।

ये अहम बातें...

बहुप्रतीक्षित मास्टर प्लान 2041 फाइनल शेप में है, जल्दी ही आएगा

TOD की हाउसिंग अफॉर्डेबिलिटी में 100 मीटर से ज्यादा साइज के घर नहीं बनेंगे

DDA और डिवेलपर इन छोटे घरो को प्लांड तरीके से बनाएंगे

TOD कमिटी का गठन, डीडीए के वाइस चेयरमैन चीफ होंगे

स्वीकृति योग्य कुल एफएआर का 65' अनिवार्य रूप से आवासीय इस्तेमाल के लिए आरक्षित किया गया है

इसमें 100 वर्ग मीटर (99 वर्ग मीटर) के निर्मित एरिया वाली आवासीय इकाइयां शामिल है ताकि मेट्रो कॉरिडोर के साथ सस्ते आवास उपलब्ध हो सके

TOD: 30% हिस्सा पब्लिक पार्किंग के लिए

टीओडी प्लॉट में हर 100 स्क्वायर मीटर एफएआर पर एक कार के बराबर पार्किंग अनिवार्य होगी और कुल पार्किंग का कम से कम 30 पर्सेंट हिस्सा पब्लिक पार्किंग के लिए रखा जाएगा, टीओडी जोन में मैजूद प्लॉटों को मिलाकर बड़े प्लॉट बनने और उनका पुनर्गठन करने की अनुमति दी गई है

18 मीटर चौड़ी सड़क न होने पर ट्रांजिट स्टेशन तक पहुंच के लिए नई एलिवेटेड या अंडरग्राउंड डेडिकेटेड सडक बनाई जाएगी

टीओडी चार्ज में पानी, सीवर, एमसीडी प्लान सैक्शन, लैंड यूज, लीज होल्ड से फ्री होल्ड, अतिरिक्त एफएआर और डीडीए चार्ज शामिल होंगे, पॉलिसी का मकसद पर्यावरण, हरियली और जाम मुक्त शहर की दिशा में ऐसा ढांचा तैयार करन है, जहां रोजमर्रा की जरूरतों के लिए गड़ी की जरूरत कम पड़े

दिल्ली की अनधिकृत कालोनियां अब होंगी वैध, मिलेगा फायदा

महानगर मेट्रो

दिल्ली । कई साल से अनऑथराइज्ड कॉलोनियों को लेकर चल रहे असमंजस के बादल अब छंट चुके हैं। केंद्र सरकार ने दिल्ली की अनऑथराइज्ड कॉलोनियों को As is, Where is (जैसा है, जहां है) के आधार पर नियमित करने का फैसला लिया है। इस निर्णय से न केवल प्रॉपर्टियों के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया का रास्ता खुलेगा। बल्कि इन कॉलोनियों में रहने वाले लाखों लोगों को अपने घर का मालिकाना हक पाने का सपना भी साकार होगा। मंगलवार को नेशनल मीडिया सेंटर में केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल और दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने संयुक्त रूप से प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा कि आज दिल्ली के लोगों की जिंदगी में एक ऐतिहासिक पल है।

1511 कालोनियों को रेगुलर करने का लिया गया फैसला

भारत सरकार ने दिल्ली के लोगों को मालिकाना हक देने के लिए 2019 में PM-UDAY स्कीम लागू की थी। अब उन 1731 कॉलोनियों में से 1511 कॉलोनियों को रेगुलर करने का फैसला लिया गया है। इससे मालिकाना हक के साथ ही लोग MCD के नियमों के हिसाब से अपने घरों का कंस्ट्रक्शन या रीडिवेलपमेंट भी कर पाएंगे। इस फैसले से दिल्ली के लाखों लोगों की जिंदगी में राहत, सम्मान और अधिकारों का एक नया चैप्टर शुरू होगा।

-मनोहर लाल, केंद्रीय मंत्री

मंत्री ने कहा कि दिल्ली में अनऑथराइज्ड कॉलोनियों का यह रेगुलराइजेशन 45 लाख लोगों की जिंदगी में राहत, सम्मान और अधिकारों का एक नया चैप्टर शुरू करेगा। नई स्कीम के तहत पात्रता पूरी करने वाले लोगों को विभाग की ओर से कन्वेयन्स डीड जारी की जाएगी। यह दस्तावेज प्रॉपर्टी के पूर्ण मालिकाना हक का प्रमाण होगा। प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए डिजिटल इंटरफेस को और मजबूत किया गया है, ताकि आवेदकों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें।

50 लाख रुपये और सरकारी नौकरी के लिए पिता-चाचा की हत्या

महानगर मेट्रो

दिल्ली । राजधानी दिल्ली के द्वारका में हुए डबल मर्डर केस की गुत्थी दिल्ली पुलिस ने सुलझा ली है। पुलिस ने मृतक के बेटे ईश्वर को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। जांच में पता चला है कि उसने यह मर्डर सरकारी नौकरी ?और 50 लाख रुपये के लालच में किए।

इस्तेमाल की गई तस्वीर

द्वारका जिले के उत्तम नगर थाना इलाके में एक फ्लैट के अंदर दो सगे भाइयों, देवेंद्र कुमार (50) और अमित (48) की संदिग्ध मौत के मामले को पुलिस ने सुलझा लिया है। इस दोहरे हत्याकांड के आरोप में पुलिस ने देवेंद्र के बेटे ईश्वर को गिरफ्तार किया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलासा हुआ कि दोनों की मौत बाहरी चोट न होने के बावजूद गंभीर आंतरिक चोटों और शारीरिक हमले के कारण हुई थी। पुलिस सूत्रों और स्थानीय जानकारी के अनुसार, इस जघन्य अपराध के पीछे संपत्ति और नौकरी का लालच था। मृतक देवेंद्र ईएसआईसी में कार्यरत थे। उनके पीएफ खाते में करीब 50 लाख रुपये जमा थे।

सरकारी नौकरी के लिए रची साजिश

देवेंद्र ने चर्चा की थी कि उनकी मौत के बाद यह रकम और अनुकंपा पर सरकारी नौकरी ईश्वर को मिल सकती है। इसी लालच में ईश्वर ने अपने पिता और चाचा को रास्ते से हटाने की साजिश रची। डीसीपी द्वारका कुशल पाल सिंह ने बताया कि 3 अप्रैल की रात करीब 11:30 बजे पड़ोसियों ने झगड़े की सूचना दी थी। जब मकान मालिक नरेश कुमार वहां पहुंचे, तो ईश्वर ने दरवाजा खोला। तब मामला शांत करा दिया गया था। अगले दिन देवेंद्र और अमित की लाशें मिलीं, जबकि ईश्वर गायब था।

शराब पीने के बाद पिता, चाचा से हुआ झगड़ा

एसीपी संजीव कुमार और एसएचओ मुकेश कुमार के नेतृत्व वाली टीम ने तकनीकी जांच के बाद ईश्वर को दबोच लिया। पूछताछ में सामने आया कि उस रात शराब पीने के बाद ईश्वर का अपने पिता और चाचा से झगड़ा हुआ था, जिसके बाद उसने उनके साथ बुरी तरह मारपीट की, जिससे उनकी जान चली गई। पुलिस अब आरोपी से विस्तृत पूछताछ कर रही है।

सेंट्रल मार्केट में सीलिंग के दौरान व्यापारी को आया हार्ट अटैक

महानगर मेट्रो

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में बुधवार को आवास और विकास परिषद की टीम ने 44 अवैध संपत्तियों की सीलिंग शुरू कर दी है। सुबह सेंट्रल मार्केट पहुंची टीम को काराबारियों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। विरोध-प्रदर्शन के बीच गिरधर हैंडलूम चलाने वाले एक व्यापारी को हार्ट अटैक आ गया। इसकी वजह से पूरे बाजार में अफरातफरी मच गई। टीम ने धक्का मुक्की के बीच फिलहाल सीलिंग की कार्रवाई रोक दी है। अभी तक दो अस्पताल, दो स्कूल समेत आठ अवैध निर्माण सील किए गए हैं। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर यह कार्रवाई की जा रही है। छह अप्रैल को आवास एवं विकास परिषद की तरफ से 44 संपत्तियों की सूची अदालत को सौंपी गई थी। बताया गया था कि इन आवासीय भूखंडों का पूरी तरह व्यावसायिक उपयोग हो रहा है। इनमें स्कूल, अस्पताल और बैंक तक शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इन संपत्ति को सील करने का आदेश दिया है।

आज और कल मेरठ बंद का ऐलान

इस बीच, संयुक्त व्यापार संघ के अध्यक्ष नवीन गुप्ता ने सीलिंग के विरोध में बुधवार और गुरुवार को मेरठ बंद रहने का ऐलान किया है। उन्होंने आवास विकास के अधिकारियों की चेतावनी दी कि आज आपका समय है। कल इसी बाजार से गुजरे तो नंगा करके भेजेंगे। आपका कार्यालय भी यही पास है। कैसे निकलते हो देखते हैं।

पहले एक समय ऐसा था कि मेरठ आने के बाद सबसे पहले अधिकारी व्यापारियों से मिलता था, वो समय फिर से लाया जाएगा। सीलिंग की कारवाई के दौरान सेंट्रल मार्केट समेत पूरे इलाके में भारी पुलिस बल तैनात है। आसपास के इलाकों में कई थानों की पुलिस और दमकल विभाग के वाहन तैनात हैं। विरोध प्रदर्शन के दौरान व्यापारी सड़क पर उतर आए और आवास विकास परिषद की टीम का घेराव कर दिया। व्यापारियों का कहना है कि उन्होंने पहले ही 70 करोड़ रुपये जमा कराए हैं। बगैर पैसे वापस किए सीलिंग की कार्रवाई गलत है।

इंदौर नगर निगम की मीटिंग में वंदे मातरम पर उबलीं कांग्रेस पार्षद फौजिया शेख

महानगर मेट्रो

इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर नगर निगम में बजट पर चर्चा के दौरान वंदे मातरम पर जमकर हंगामा हुआ है। पार्षद फौजिया शेख अलीम ने कहा कि आप मुझे संविधान में दिखा दो कि बोलना अनिवार्य है। वहीं, पार्षद रुबिना खान ने भी विवादित बयान दिया है।

कांग्रेस पार्षद रुबीना खान और फौजिया शेख अलीम

बजट पर चर्चा के दौरान इंदौर नगर निगम की मीटिंग में भारी बवाल हुआ है। सदन में वंदे मातरम गायन के दौरान कांग्रेस पार्षद फौजिया शेख अलीम ने खड़े होने से इनकार कर दिया था। साथ ही कहा कि इस्लाम में इसकी इजाजत नहीं है। इसके बाद बीजेपी पार्षदों ने सभापति के आसन के पास पहुंचकर हंगामा किया है।

सदन में हुआ हंगामा

इंदौर के कांग्रेस पार्षद के इनकार पर बीजेपी के पार्षद सभापति के आसन तक पहुंच गए। इसके बाद जमकर नारेबाजी की है। स्थिति को संभालने के लिए सभापति ने कांग्रेस पार्षद फौजिया को थोड़ी देर के लिए बाहर जाने को कह दिया। हंगामे के बीच कांग्रेस पार्षद ने भी तेवर दिखाए हैं। उन्होंने कहा कि उस एक्ट को दिखाया जाया, जिसमें वंदे भारत अनिवार्य है। इसके बाद वह सदन से उठकर बाहर चली गईं।

हमारा धर्म यह अनुमति नहीं देता

कार्यवाही से बाहन आने पर कांग्रेस पार्षद फौजिया ने मीडिया से बात की है। उन्होंने कहा कि हमारा धर्म इसकी इजाजत नहीं देता है। वहीं, इस मामले में ट्विस्ट तब आ गया, जब नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे ने कहा कि वंदे मातरम गाना व्यक्तिगत इच्छा हो सकती है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि हमारी पार्टी राष्ट्र गान और राष्ट्रगीत के सम्मान के लिए पूरी तरह से समर्पित है।

पार्षद रुबिना खान भी भड़कीं

वहीं, इस विवाद के दौरान पार्षद रुबिना खान भी भड़क गईं। रुबिना खान ने कहा कि अगर एक बाप की औलाद हो तो बुलवाकर दिखाओ। इस दौरान सदन की कार्यवाही में और हंगामा मच गया। सदन की कार्यवाही से सभापति ने फौजिया शेख अलीम को बाहर कर दिया है। आप मुझे संविधान दिखा दें, मैं चली जाऊंगी। लेकिन जबरदस्ती वंदे मातरम गाने के लिए मुझे कोई नहीं कह सकता है। फौजिया शेख अलीम, कांग्रेस पार्षद

वंदे मातरम कहना होगा

बीजेपी पार्षदों ने इस विवाद के बीच हंगामा करना शुरू कर दिया। बीजेपी पार्षदों ने नारेबाजी करते हुए कहा कि सदन में रहना है तो वंदे मातरम कहना होगा। हंगामे के थोड़ी देर बार सदन की कार्यवाही शुरू हुई है। गौरतलब है कि मंगलवार को इंदौर नगर निगम का बजट पेश किया गया था। बजट 8,455 करोड़ रुपए का है।

बड़वानी में कांपी धरती

महानगर मेट्रो

बड़वानी। मध्य प्रदेश में लंबे समय बाद भूकंप की हलचल हुई है। नर्मदा किनारे बसे बड़वानी जिले के संधवा और अंजड में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। बुधवार दोपहर में यहां 3.6 रिक्टर स्केल के भूकंप की पुष्टी हुई है। जमीन के अंदर करीब 10 किलोमीटर नीचे इसका केंद्र था...

जिले के अंजड़ और सेंधवा क्षेत्र में बुधवार दोपहर भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे लोगों में कुछ समय के लिए दहशत का माहौल बन गया। दोपहर करीब 12:48 बजे अचानक धरती में कंपन महसूस हुआ। विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर इसकी तीव्रता लगभग 3.6 दर्ज की गई, जबकि कुछ स्थानों पर 3.4 रिक्टर स्केल मापी गई है। सेंधवा के सुदामा कॉलोनी निवासी ऑटो पार्ट्स व्यापारी रत्लेश जैन और उनकी पत्नी मोनिका जैन ने बताया कि वे घर में दीवार के सहारे बैठे थे, तभी अचानक कंपन महसूस हुआ। वहीं, व्यवसायी गिरीश गोयल ने तेज आवाज सुनने की भी जानकारी दी। अंजड़ थाना क्षेत्र के ग्राम मोहिपुरा में भी झटके स्पष्ट रूप से महसूस किए गए। ग्रामीणों के अनुसार कंपन करीब 1 से 2 मिनट तक महसूस हुआ। झटके लगते ही लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। गांव के लोकेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि वे दोपहर में सो रहे थे, तभी अचानक तेज झटका लगा, जिसके बाद वे तुरंत बाहर आए और अन्य लोगों से जानकारी ली। उन्होंने बताया कि इस तरह का अनुभव पहली बार हुआ है।

जिले के सेंधवा क्षेत्र में कपंन महसूस किया गया है। भूकंप के हल्के छटके लगे हैं। दोपहर में कुछ समय के लिए हलचल हुई है। हालांकि नुकसान की कोई खबर नहीं है

– सोहन कनास, एडीएम,बड़वानी

ग्रामीणों ने घरों में रखे बर्तन, पंखे और फर्नीचर को हिलते हुए देखा। इंदिरा सागर पावर स्टेशन की भूकंप वेधशाला और राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र की वेबसाइट पर भी इस भूकंप की पुष्टि हुई है। जिला मुख्यालय स्थित भूकंप केंद्र में लगी सिस्मोमीटर मशीन में भी 3.4 रिक्टर स्केल की तीव्रता दर्ज की गई। भूकंप केंद्र के ऑपरेटर हुकुम कुमार ने बताया कि एमईक्यू (माइक्रोअर्थक्विक) मशीन 24 घंटे संचालित होती है और 40 से 50 किलोमीटर के दायरे में हलचल दर्ज करती है। वहीं, बड़वानी की प्रभारी एडीएम सोहन कनास ने सेंधवा क्षेत्र से कंपन की सूचना मिलने की पुष्टि की है। फिलहाल किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है।

महाराष्ट्र में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, 11 सीनियर आईएएस अधिकारियों का ट्रांसफर

महानगर मेट्रो

मुंबई: महाराष्ट्र में मंगलवार देर शाम प्रशासनिक स्तर पर बड़े फेरबदल किए गए हैं। अभी सात दिन पहले ही राज्य सरकार ने कई उच्च-रैंकिंग वाले प्रशासनिक अधिकारियों का तबादला किया था। आईएएस अश्विनी भिड़े को मुंबई नगर निगम का कमिश्नर नियुक्त किया गया था। इसके अलावा IAS तुकाराम मुंडे के तबादले को लेकर भी खबरें सामने आई थीं। अब सात दिन बाद यानी आज पूरे राज्य में 11 सीनियर लेवल के आईएएस अधिकारियों का एक बार फिर तबादला कर दिया गया है। महाराष्ट्र राज्य खेती निगम (पुणे स्थित) के प्रबंध निदेशक राहुल रंजन महिवाल का तबादला कर दिया गया है। द्धस् राहुल रंजन महिवाल को महाराष्ट्र कृषि शिक्षा और अनुसंधान परिषद, पुणे का सदस्य सचिव नियुक्त किया गया है। आइए पूरी लिस्ट देखते हैं।

राहुल रंजन महीवाल (आईएएसः 2005), पुणे स्थित महाराष्ट्र स्टेट फार्मिंग कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक को महाराष्ट्र काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल एजुकेशन एंड रिसर्च, पुणे में सदस्य सचिव के रूप में तैनात किया गया।

श्वेता सिंघल (आईएएसः 2009) को महाराष्ट्र सदन, नई दिल्ली में आयुक्त के रूप में पोस्ट किया गया।

रुचेश जैवंशी (आईएएसः 2009) को पुणे स्थित महाराष्ट्र स्टेट फार्मिंग कॉर्पोरेशन का प्रबंध निदेशक बनाया गया।

कन्हुराज बागटे (आईएएसः 2011) को महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रिब्यूशन कंपनी लिमिटेड, कल्याण में संयुक्त प्रबंध निदेशक के रूप में तैनात किया गया।

लक्ष्मण राऊत (आईएएसः 2015), मुंबई स्थित महाराष्ट्र स्टेट कमिशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स के सचिव को महाराष्ट्र स्टेट खादी विलेज इंडस्ट्रीज बोर्ड, मुंबई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया।

गीतांजलि बाविस्कार (आईएएसः 2015), मुंबई स्थित खादी बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को योजना विभाग, मंत्रालय, मुंबई में संयुक्त सचिव के रूप में तैनात किया गया।

दिलीप जगदाले (आईएएसः 2015), कल्याण स्थित महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रिब्यूशन कंपनी लिमिटेड के संयुक्त प्रबंध निदेशक को जल आपूर्ति और स्वच्छता विभाग, मंतरालय, मुंबई में संयुक्त सचिव के रूप में तैनात किया गया।

पंकज देओरे (आईएएसः 2016) को महाराष्ट्र स्टेट कमिशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स, मुंबई का सचिव बनाया गया।

मिनल करणवाल (आईएएसः 2019), जालगांव जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, को नानाजी देशमुख कृषि संजीवनी प्रोजेक्ट, मुंबई में परियोजना निदेशक के रूप में तैनात किया गया।

करिश्मा नायर (आईएएसः 2021), नासिक नगर निगम की अतिरिक्त आयुक्त को जालगांव जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया।

अमित रंजन (आईएएसः 2022), पंधरकवाडा के इंटीग्रेटेड ट्राइबल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के परियोजना अधिकारी और यवतमाल के केलापुर उप-समूह में सहायक कलेक्टर को नासिक नगर निगम की अतिरिक्त आयुक्त के रूप में तैनात किया गया।

पहले भी हुआ था भारी फेरबदल

इसके पहले, 2 अप्रैल को राज्य सरकार ने 25 अधिकारियों का तबादला किया था। जी. श्रीकांत (आईएएसः 2009), छत्रपति संभाजी नगर नगर निगम के आयुक्त को जल जीवन मिशन, नवी मुंबई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में तैनात किया गया।

मैच के बीच बजा दिया DJ, वाइब्रेशन के बीच छत्ते से उड़ने लगीं मधुमक्खियां, हमले में रिटायर्ड कर्मचारी की मौत

महानगर मेट्रो

चंद्रपुर । महाराष्ट्र के चंद्रपुर में क्रिकेट मैच के दौरान मधुमक्खियों के हमले से हड़कंप मच गया. तेज DJ की आवाज से भड़की मधुमक्खियों ने खिलाड़ियों और दर्शकों पर हमला कर दिया, जिसमें एक रिटायर्ड कर्मचारी की मौत हो गई. वहीं दो अन्य लोग घायल हो गए हैं. महाराष्ट्र के चंद्रपुर से दर्दनाक घटना सामने आई है. यहां मधुमक्खियों के हमले में एक रिटायर्ड कर्मचारी की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग घायल हो गए. यह हादसा उस समय हुआ, जब चंद्रपुर थर्मल पावर स्टेशन के ग्राउंड में क्रिकेट मैच खेला जा रहा था और वहां तेज आवाज में DJ बज रहा था. मृतक की पहचान 65 साल के मधुकर रंगारी के रूप में हुई है, जो पास के नवेगांव-सिंहला गांव के रहने वाले थे. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मैच के दौरान DJ की तेज आवाज और कंपन के कारण पास में मौजूद मधुमक्खियों का छत्ता भड़क गया. अचानक बड़ी संख्या में मधुमक्खियां उड़कर मैदान में आ गईं और वहां मौजूद खिलाड़ियों व दर्शकों पर हमला कर दिया. हमला इतना अचानक और तेज था कि मैदान में अफरा-तफरी मच गई. खिलाड़ी और दर्शक अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे. कई लोग जमीन पर लेट गए तो कुछ ने अपने कपड़ों से खुद को ढकने की कोशिश की. इस दौरान तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया.

अस्पताल में डॉक्टरों ने मधुकर रंगारी को मृत घोषित कर दिया, जबकि दो अन्य घायलों का इलाज जारी है. डॉक्टरों के मुताबिक, मधुमक्खियों के कई डंक लगने से उनकी हालत गंभीर हो गई थी, जिससे उनकी जान नहीं बचाई जा सकी. स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस जगह यह घटना हुई, वहां पहले से मधुमक्खियों का छत्ता मौजूद था, लेकिन इस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया. DJ की तेज आवाज के बीच मधुमक्खियां उड़ने लगीं, जिससे वे आक्रामक हो गईं और हमला कर बैठीं. घटना के बाद कुछ देर तक मैदान में दहशत का माहौल बना रहा. जब मधुमक्खियां शांत हुईं, तब जाकर हालात काबू में आए और लोगों ने राहत की सांस ली. इस दौरान का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें लोग मधुमक्खियों से बचने के लिए भागते नजर आ रहे हैं.

उमा भारती ने सड़क पर बेचा पोहा-जलेबी, ठेला हटाने की कार्रवाई के खिलाफ अनोखा विरोध

गरीब विक्रेताओं की रोजी-रोटी बचाने की मांग, कार्रवाई को बताया 'तानाशाहीपूर्ण'

महानगर मेट्रो

अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान छोटे दुकानदारों पर कार्रवाई से नाराज़ होकर पूर्व सीएम उतरीं सड़क पर

टीकमगढ। मध्य प्रदेश का टीकमगढ़ पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती का गृह क्षेत्र है. उमा भारती टीकमगढ़ में सड़क के किनारे मंगलवार को पोहा और जलेबी बेचती नजर आईं. इस तरह नगर पालिका के खिलाफ उमा भारती ने अपना विरोध जताया. लेकिन क्या अब अतिक्रमण के खिलाफ अभियान खत्म हो जाएगा?

बीजेपी की फायर ब्रांड नेता और मध्य प्रदेश की पूर्व सीएम उमा भारती मंगलवार टीकमगढ़ में सड़क के किनारे ठेले पर पोहा और जलेबी बेचती हुई नजर आईं. ऐसे में सवाल उठने लगा कि आखिर उमा भारती की क्या मजबूरी रही है कि उन्हें सड़क के किनारे पोहा बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा है?

मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने पोहा और जलेबी का ठेला लगातर अपना विरोध दर्ज कराया है, क्योंकि टीकमगढ़ के एसडीएम ने अतिक्रमण खत्म करने के लिए अभियान चला रखा है. इसके तहत टीकमगढ़ नगर पालिका ने मंगलवार को सड़क किनारे लगे ठेले और गुमटी को तोड़कर हटा दिए थे.

नगर पालिका के अभियान के खिलाफ उमा भारती सड़क पर उतरकर विरोध जताया. उमा भारती खुद टीकमगढ़ की सड़क के किनारे ठेले पर जलेबी और पोहा बेचने के लिए उतर गई. इस दौरान प्रशासन की कार्रवाई पर विरोध जताया और ने अधिकारियों से गरीब विक्रेताओं की रोजी-रोटी न छीनने और उनकी दुकानें वापस लगवाने की अपील करती नजर आईं.

पोहा और जलेबी बेचती उमा भारती

मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री उमा भारती का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वो टीकमगढ़ में सड़क किनारे पोहा बेचते नजर आ रही हैं. इसकी वजह यह रही कि सड़क किनारे लगने वाले ठेलों को टीकमगढ़ नगर पालिका ने हटाने का अभियान चला रखा है. इससे उनकी रोजी रोटी पर संकट आ गई है.

टीकमगढ़ नगर पालिका की कार्रवाई के विरोध में पूर्व सीएम उमा भारती उतर आई हैं विरोध जताने के लिए उमा भारती अनोखे अंदाज में सिविल लाइन थाना क्षेत्र पहुंचीं. इसके बाद उन्होंने ठेले वाले की दुकान पर खड़े होकर पोहा और जलेबी बेचकर प्रशासन के खिलाफ अपना विरोध जताया. प्रशासन के कार्रवाई को 'तानाशाहीपूर्ण बताया.

उमा भारती क्यों सड़कों पर उतरी

उमा भारती बीजेपी की दिग्गज नेता हैं और एक समय उनकी सियासी तूती बोला करती थी. सोमवार को उनके गृह क्षेत्र टीकमगढ़ में नगर पालिका क्षेत्र, एसडीएम और तहसीलदार की टीम ने सिविल लाइन रोड पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया. इस दौरान जेसीबी से कई छोटी दुकानें और हाथठेले हटा दिए गए थे. उमा भारती ने इस कार्रवाई का विरोध किया था और छोटे दुकानदारों को हटाने को गलत बताया था. इसी को लेकर मंगलवार सुबह वे सिविल लाइन रोड स्थित बंगले से निकलकर हाथठेले पर पहुंचीं. यहां खुद पोहा-जलेबी बेचकर दुकानदारों का समर्थन किया और एक ठेला वालों से दोबारा सड़क किनारे ठेले लगाने को कहा.

उमा भारती ने सीएम से की बात

पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने कहा कि ये छोटे व्यापारी दिनभर मेहनत करके अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं. इस तरह की कार्रवाई उनके जीवन पर सीधा असर डालती है. उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि भविष्य में फिर इस तरह की कार्रवाई की गई तो वे खुलकर विरोध करेंगी. उन्होंने अधिकारियों से गरीब विक्रेताओं की रोजी-रोटी न छीनने और उनकी दुकानें वापस लगवाने की अपील की. उमा भारती ने प्रशासन की इस तरह की कार्रवाई से गरीबों के जीवन पर सीधा असर डालती है. उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि भविष्य में फिर इस तरह की कार्रवाई की गई तो वे खुलकर विरोध करेंगी. उमा भारती ने बताया कि उन्होंने इस मुद्दे पर नगर पालिका अधिकारियों से चर्चा की है और मामले को लेकर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष से भी बात की है. उन्होंने मांग की कि गरीबों को उनके स्थान पर ही रोजगार करने दिया जाए.

पार्षदों को खर्च करने को मिलेंगे 1 करोड़, स्टैंडिंग कमेटी से सबसे बड़ा बजट मंजूर

महानगर मेट्रो

मुंबई । देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में करीब पौने चार साल के अंतराल के बाद पार्षद यानी नगरसेवक अपनी निधियों से विकाय कार्य काएंगे। बीएमसी में बीजेपी-शिवसेना के सत्ता काबिज होने के बाद स्टैंडिंग कमिटी ने पार्षदों का बजट तय कर दिया है। पार्षदों को हर साल 1 करोड़ रुपये की निधि विकास कार्यों के लिए मिलेगी। बीएमसी के साल 2026-27 के लगभग 80,952 करोड़ रुपये के बजट को मंजूर किया है। बीएमसी में बजट पर चली लंबी चर्चा के बाद सोमवार को मुहर लगी। समिति ने इसमें 800 करोड़ रुपये की अतिरिक्त बढ़ोतरी करते हुए इसे अंतिम रूप दिया।

9 अप्रैल को लगेगी अंतिम मुहर

बीएमसी स्टैंडिंग कमेटी द्वारा मंजूर किया गया बजट 9 अप्रैल को महासभा के समक्ष अंतिम स्वीकृति के लिए रखा जाएगा, जहां औपचारिक मंजूरी मिलने के बाद इसे लागू किया जाएगा। बीएमसी प्रशासन ने 25 फरवरी को यह बजट पेश किया था। तब बीएमसी के आयुक्त भूषण गगरानी थे। अब बीएमसी की कमिश्नर आईएएस अश्विनी भिड़े हैं। इस बार के बजट में सबसे अहम पहलू नगरसेवकों के लिए विकास निधि का प्रावधान है, जो करीब तीन सालों के अंतराल के बाद फिर से शुरू किया गया है। वर्ष 2021-22 में जहां 600 करोड़ रुपये की निधि निर्धारित की गई थी, वहीं इस बार इसे बढ़ाकर 800 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

बीएमसी में 227 पार्षद हैं

यह राशि को बीएमसी के 227 नगरसेवकों के बीच बांटी जाएगी। इसमें औसतन सालाना एक करोड़ रुपये तक की राशि मिल सकती है। बजट में मेयर फंड के तहत 100 करोड़ रुपये अलग से निर्धारित की गई है। बीएमसी में स्टैंडिंग की कुर्सी बीजेपी के पास है। बीजेपी के प्रभाकर शिंदे ने बताया कि विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच करीब 313 करोड़ रुपये के वितरण का प्रस्ताव है। बीएमसी में उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना यूबीटी विपक्ष में है। लंबे वक्त के बाद उद्धव की पार्टी विपक्ष में आई है। मुंबई बीएमसी देश की सबसे अमीर नगर महापालिका है। इसका बजट देश के कई छोटे राज्यों से भी अधिक है।

बच्चे के रोने-धोने से तंग थी...मां ने 11 माह के नवजात को मारकर कुएं में फेंका

महानगर मेट्रो

पुणे । महाराष्ट्र राज्य के पुणे के रंजनगांव इलाके में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक मां ने अपने ही 11 महीने के बेटे की हत्या कर शव को कुएं में फेंक दिया. शुरुआती कहानी झूठी निकली तो पुलिस पूछताछ में सच सामने आया. आरोपी महिला को गिरफ्तार कर मामले की जांच जारी है. पुणे जिले के रंजनगांव एमआईडीसी इलाके से एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां पुलिस ने एक 22 साल की महिला को अपने 11 महीने के मासूम बेटे की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है. यह घटना 8 मार्च की बताई जा रही है, जबकि आरोपी महिला को पुलिस ने 7 अप्रैल को हिरासत में लिया.

'वो खुद गिर कर मर गया था तो...'

पुलिस के अनुसार, महिला के पति ने पिछले महीने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी पत्नी अपने बेटे को लेकर घर से कहीं चली गई है. जांच के दौरान पुलिस ने महिला को जिले के जांबुत गांव में 5 अप्रैल को तलाश लिया. शुरुआती पूछताछ में महिला ने दावा किया कि बच्चा घर में गिर गया था, जिससे उसकी मौत हो गई. उसने डर के कारण शव को एक बैग में रखकर खेत के कुएं में फेंक देने की बात कही. महिला के इस बयान के आधार पर पहले आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया गया था, लेकिन पुलिस को उसके बयान में कई विरोधाभास नजर आए. इसके बाद सख्ती से पूछताछ की गई, जिसमें महिला ने अपना जुर्म कबूल कर लिया.

बच्चे के रोने धोने से तंग थी, पीछा छुड़ाना था

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी महिला ने बताया कि वह अपने बच्चे के रोने धोने के व्यवहार से परेशान थी और अपने पति को छोड़कर किसी अन्य व्यक्ति के साथ नई जिंदगी शुरू करना चाहती थी. उसे लग रहा था कि बच्चा उसके रास्ते में बाधा बन रहा है. इसी मानसिक स्थिति में उसने इस वारदात को अंजाम दिया. जांच के दौरान पुलिस ने कुएं से शव बरामद किया, जिसके बाद उसका अंतिम संस्कार कराया गया. फिलहाल पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की आगे की जांच जारी है. अधिकारियों का कहना है कि घटना से जुड़े सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है ताकि पूरी सच्चाई सामने आ सके.

'अपना दुख किसे बताऊं, मैं अकेला पड़ गया हूं', दोस्तों ने जन्मदिन पर नहीं बुलाया तो युवक ने कर ली खुदकुशी

महानगर मेट्रो

मुंबई । महाराष्ट्र राज्य के बीड जिले के कुंबेफल गांव में 24 वर्षीय महेश भणगे ने दोस्तों के साथ हुए विवाद और जन्मदिन में न बुलाए जाने से मानसिक तनाव के चलते जहर पीकर अपनी जान दे दी. परिजन उसे छत पर बेहोश पाया और तुरंत ही उसे अस्पताल ले जाने की कोशिश की. लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी. बीड जिले से सुसाइड का हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है. जिले के कुंबेफल गांव में एक 24 वर्षीय युवक ने दोस्तों द्वारा जन्मदिन पर न बुलाए जाने और अकेलेपन के कारण जहर पीकर आत्महत्या कर ली. मृतक युवक की पहचान महेश उद्धव भणगे के तौर पर हुई है. इस घटना से गांव और आसपास के लोगों सदमे में हैं.पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि महेश का कुछ दिन पहले अपने दोस्तों से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था. महेश हमेशा दोस्तों की मदद करता और उनके जन्मदिन के आयोजनों में सबसे आगे रहता था. लेकिन पिछले सोमवार (6 अप्रैल) को जब उसके दोस्तों में से किसी का जन्मदिन था, तो महेश को इस कार्यक्रम में नहीं बुलाया गया. इस बात से महेश का मन बहुत आहत हुआ और वह डिप्रेशन और अकेलेपन में चला गया. मंगलवार दोपहर महेश घर की छत पर अकेले सोने गया. इसी दौरान उसने पानी के लोटे में जहरीला पदार्थ मिलाकर पी लिया. रात करीब 8 बजे जब वह नीचे नहीं आया, तो परिजन उसे देखने के लिए छत पर पहुंचे. वहां महेश बेहोश पड़ा मिला. परिवार ने तुरंत उसे अंबाजोगाई के स्वामी रामानंद तीर्थ ग्रामीण सरकारी अस्पताल ले जाया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. महेश ने आत्महत्या करने से पहले अपने मोबाइल पर एक भावुक स्टेटस लिखा था. इसमें उसने कहा था कि अपना दुख किसे बताऊं, मैं अकेला पड़ गया हूं. इस स्टेटस से लग रहा है कि वो मानसिक दर्द और अकेलेपन से जूझ रहा था. महेश के पिता ने अपने बेटे के भविष्य के लिए अपनी जमीन बेचकर अंबाजोगाई शहर में उसे एक कपड़ों की दुकान खोलकर दी थी. परिवार के लिए यह हादसा बड़ा झटका साबित हुआ. जवान बेटे की मौत से घर और गांव में शोक की लहर फैल गई. अंबाजोगाई ग्रामीण पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आत्महत्या के कारणों की जांच शुरू कर दी है. पुलिस आसपास के लोगों और महेश के दोस्तों से भी पूछताछ कर रही है. गांव में लोग परिवार को सांत्वना दे रहे हैं. और घटना की वजह से सभी गहरे दुख में हैं.

कैसे बनाएं अपने आपको क्रिएटिव...

हम सभी एक जुदा अंदाज में जीना चाहते हैं, लाइफ को क्रिएटिव बनाना चाहते हैं। मगर कैसे?

लाइफ को क्रिएटिव बनाने की इस इच्छा को पूरी करना चाहते हैं तो इसके लिए प्रयास भी आप ही को करना होगा। यह प्रयास कुछ अलग किस्म के होंगे, जैसे अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकल कर कुछ नया करने की कोशिश करें।

आपकी तरह सोचने वाले लोगों से मिले-जुलें और अपने आइडियाज शेयर करें। इन चीजों से धीरे-धीरे लाइफ में बदलाव आने लगेंगे।

सीखें कुछ नया

लाइफ को क्रिएटिव बनाना चाहते हैं तो सबसे पहले यह बात समझ लें कि सीखने की कोई सीमा तय नहीं होती है। नई-नई चीजें सीखें। कुछ नया सोचें या फिर पुरानी चीजों को नए तरीकों से करने के बारे में सोचें। कुछ नया सोचने के लिए इमेजिनेशन होना जरूरी है। हर वक्त नया सोचने के प्रयास से इमेजिनेशन पावर बढ़ती है, जो क्रिएटिविटी के लिए बहुत जरूरी है।

नई चीजें सीखते हुए अकसर असफलता का डर होता है। इस डर को मन से निकाल दें। याद रखें, क्रिएटिव लोगों में यही खास बात होती है कि वो कभी भी असफलताओं से डरते नहीं हैं। कुछ नया सीखने का जज्बा इस डर से बड़ा होता है।

अब आपको कोई चीज क्यों रोके? तो फिर अब हर हफ्ते कम से कम एक नई चीज सीखने की कोशिश करें। छोटी-छोटी चीजों से शुरू करें जैसे कि कोई नई डिश बनाएं या फिर अपने कमरे को किसी नए तरीके से सजाएं।

क्रिएटिव लोगों से जुड़ें

क्रिएटिव लोगों से मिलते-जुलते रहें, मिलने का समय न हो तो किसी भी अन्य तरीके से जुड़ें। इससे आपको प्रेरणा मिलेगी। इस तरह लोगों से जुड़ने पर आप अपने आइडियाज बेझिझक शेयर कर सकते हैं और नई बातें भी जान सकेंगे।

क्रिएटिव लोगों से जुड़ने का सबसे अच्छा तरीका है कि अपने शौक के अनुरूप कोई क्लब या ग्रुप जॉइन कर लें। इसके अलावा सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट्स पर आप अपना खुद का ग्रुप बनाकर लोगों को इनवाइट कर सकते हैं, डिसकशन्स कर सकते हैं।

इस तरह के ग्रुप्स एक बढ़िया सपोर्ट सिस्टम की तरह काम करते हैं। साथ ही आपकी लाइफ को क्रिएटिव बनाने में सहायक भी होते हैं।

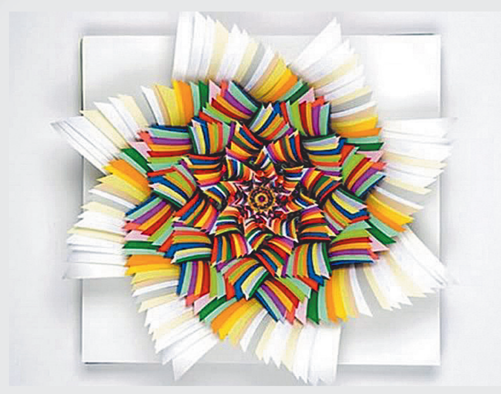

सिर्फ 15 दिनों में चेहरा खूबसूरत बनाएं जानिए कैसे

हम अपना चेहरा चमकाने के लिए ब्यूटी पार्लर के मोहताज होते हैं या फिर कुछ घरेलू उपचार का सहारा लेते हैं। यहां तक कि आधुनिक तकनीक से बोटोक्स की भी शरण में चले जाते हैं। यहां पेश है कुछ ऐसे उपाय जिसके लिए ना महंगी दवाई की जरूरत है ना ही फेसपैक और पार्लर के नखरों की।

प्रस्तुत है चेहरे के कुछ ऐसे व्यायाम जिन्हें आप आसानी से कहीं भी और कभी भी कर सकते हैं और बढ़ा सकते हैं अपने चेहरे की रौनक। इन्हें हम फेशियल योगा का नाम दे सकते हैं। प्रत्येक फेशियल योगा 8-10 से 20 बार प्रतिदिन 5 से 7 मिनट तक करें। इससे आपको 15 दिन में ही फर्क नजर आने लगेगा।

फेशियल योगा स्टेप्स

1 गर्दन सीधी रखकर आईब्रो ऊपर-नीचे करें।
2 भौहें सिकोड़ें, माथे पर आड़े व खड़े सल डालें।
3 गर्दन सीधी रखें व ऊपर-नीचे देखें।
4 आंखों को दोनों दिशा में गोल घुमाएं।
5 आंखों पर हथेली रगड़कर कुछ देर रखें।
6 सुबह व रात आंखों को ठंडे पानी से धोएं।
7 नथुने फुलाएं व ढीला छोड़ दें।
8 पूरा मुंह खोलें व बंद करें।
9 जबड़ा दाएं-बाएं हिलाएं।
10 होठों को सिकोडें व फैलाएं।
11 दांत दिखाएं व बंद करें।
12 मुंह से फुग्गा फुलाएं।
13 दांत पर दांत रखकर जमकर दबाएं।
14 गर्दन की चमड़ी को खीचें, जबड़ा टाइट करें।
15 दस तक गिनते हुए गर्दन को पीछे ले जाएं।
16 मुंह में पानी भरकर हिलाएं।
17 सोने के पहले प्रतिदिन चेहरे को साफ करें। यदि आप वर्किंग वूमन हैं तो डीप क्लींजिंग मिल्क से साफ करें।

व्यायाम के अतिरिक्त संतुलित खान-पान आपकी त्वचा में असली चमक लाता है। अत: भोजन में दूध, दही, सलाद, फल, हरी सब्जियां अवश्य लें। पर्याप्त पानी पिएं, सूर्य की तेज किरणों से बचें व धूप का चश्मा लगाएं।

छह चीजों से चमकाएं बाल और त्वचा

अगर आप चमकदार त्वचा और हैल्दी हेयर चाहते हैं तो अपनी फूड लिस्ट मे इन चीजों को शामिल कर सकते हैं। ये चीजें आपको खूबसूरती के साथ-साथ बढिया सेहत से भी नवाजेंगी।

विटामिन ए से भरपूर चीजें

क्या लें- गाजर, पालक, ब्रोकली, पपीता, आम, आलू व टमाटर

फायदा - इन चीजों में कैरोटीन होता है, जो सनस्क्रीन का काम करता है और त्वचा को धूप से बचाता है। टमाटर में लाइकोपीन भी सनस्क्रीन का काम करता है, लेकिन जरूरी है कि टमाटर अच्छे से पका हो।

सूखे मेवे

फायदा- इनमें ओमेगा थ्री फैटी एसिड होता है जो त्वचा में नमी बनाए रखता है। अखरोट में बायोटीन होता है जो बालों को बढ़ाता है, झड़ने और दो मुंहे होने से रोकता है।

विटामिन सी वाली चीजें

फायदा- नींबू, आंवले, संतरे का खट्टापन शरीर में जाकर कोलेजन बनाता है, जो त्वचा की कोशिकाओं को जवां रखता है, इससे झुर्रियां नहीं पड़तीं और त्वचा के घाव भी जल्दी भरते हैं। विटामिन-सी वाली चीजें आसानी से पच जाती हैं और अधिक मात्रा होने पर यूरिन के रास्ते निकल जाती हैं।

अलसी के बीज

फायदा:- खाने को कुरकुरा बनाते हैं। इनमें मौजूद फाइबर, ओमेगा थ्री फैटी एसिड व विटाामिन ई से त्वचा की नमी बनी रहती है, मुंहासे नहीं होते। रोजाना एक चम्मच प्रयोग करें।

विटाामिन बी और कॉपर

पुरूषों के बालों में सफेदी की शुरूआत दाढ़ी से होती है, जबकि महिलाओं में कनपटी की तरफ से। इसके प्रमुख कारण हैं:- चिंता करना, विटामिन बी, आयरन, कॉपर और आयोडीन की कमी। इसके लिए धूम्रपान न करें, मटर, ब्रोकली, ब्राउन राइस, गांठ गोभी खाएं व ग्रीन टी पीएं।

अपने बच्चे को पढ़ने के लिए प्रोत्साहन दीजिए

भले ही आज स्मार्ट फोन और टैबलेट की जनरेशन (पीढ़ी) अपने ज्ञान की क्षमताओं में एक कदम आगे है फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने बच्चे को शुरुआती सालों से ही पढ़ने के लिए प्रोत्साहित और तैयार करें। माता-पिता की बहुत-सी जिम्मेदारियां होती हैं जिसमें से एक है कि वे अपने बच्चे की पढ़ने के प्रति रुचि बढ़ाएं। कैसे आप पढ़ने में उनकी रुचि बढ़ा सकते हैं :-

उनकी पसंदीदा किताब लें - अगर आपके बच्चे का कोई पसंदीदा कार्टून कैरेक्टर है तो उसे टीवी देखने देने की बजाय किताब गिफ्ट करें। किताबों की दुकानें बहुत से कार्टून किताबों से भरी हैं। ये समान रूप से आकर्षक हों, नए के साथ पिक्टोरियल हों तो ध्यान जोड़े रखती हैं।

उनके लिए पढ़ें - अगर आप अपने बच्चों के लिए फैरी टेल या कार्टून की किताबें लाई हैं तो आप उन्हें अपने बच्चों के लिए पढ़ें। हो सकता है शुरुआत में बच्चे रुचि न लें तो आप उसे खुद पढ़ना शुरू करें। इससे आपके बच्चों में जिज्ञासा बढ़ेगी कि किताब में ऐसा क्या है, जो आप इसे पढ़ रहे हैं और उसे प्रोत्साहित भी करेगा। इसके बाद आप बच्चों को इस प्रक्रिया में शामिल कर सकते हैं।

किताबों से सुनाएं - कहानियों को रोमांचक तरह से सुनाएं। जरूरी नहीं है कि कहानी जैसी लिखी है आपको वैसे ही सुनानी है। आप उसमें कुछ अपने बचपन की दिलचस्प बातें जोड़ सकती हैं या फिर कहानियों के किरदार की तुलना अपने बच्चों से कर सकती हैं। यह बच्चों को जोड़े रखता है।

पूरी प्रक्रिया का आनंद लें। यह न सोचें कि यह थकाऊ प्रक्रिया है। इससे आपका बच्चा रुचि खो सकता है। हमेशा चार्ज अप लगें।

तपती गर्मी में पाएं खिली-खिली ताजगी

गर्मी में अगर आप अगर बहुत थकान महसूस कर रहे हैं तो पानी के छींटों से आप फ्रेश महसूस करेंगे। सादा पानी भी आपकी त्वचा को तरोताजा रखता है। वह एक प्राकृतिक मॉइस्चराइज़र की तरह काम करता है। खीरे के जूस को आप चेहरे पर लगाएं तो इससे चेहरे पर ठंडक महसूस होगी तथा सनबर्न (धूप की जलन) की समस्या से बचे रहेंगे।

* ऑफिस से जब आप लौट कर आते हैं तब आप अपने पैर, हाथ, हल्के गुनगुने पानी में डाल कर रखें जिससे आपकी सारी थकान कम हो जाएगी। अगर आप चाहें तो इस पानी में थोड़ा सा नमक भी डाल सकते हैं। इससे पैर कोमल हो जाते हैं। आप सोफ्टनर से पैरो के तलवे को साफ कर सकते हैं। 10 से 15 मिनट तक अपने पैर को पानी में डालकर रखें इससे शरीर का रक्तसंचार भी बढ़ेगा।

* एक बोतल में आप थोड़ा सा कोलोन या परफ्यूम की थोड़ी सी बूंदों को लेकर अधिक मात्रा पानी के साथ उसे मिला दें, स्प्रे बोतल की तरह इसे इस्तेमाल कर आप रिफ्रेश हो सकते हैं।

* त्वचा के मुंहासों के लिए चन्दन तथा गुलाब के जल से पेस्ट बनाकर अपने चेहरे पर लगाएं। इस समस्या से आपको राहत मिल सकती हैं। रात भर इसे रखें तथा दूसरे दिन इसे धो लें।

* चेहरा केवल ऊपर से साफ नहीं होता हैं बल्कि इसे भीतर से भी साफ करना चाहिए। इसके लिए आप नींबू का रस तथा चीनी को मिलाकर अपने चेहरे पर धीरे-धीरे रगड़ें। इससे आपकी त्वचा भीतर से साफ हो जाएगी तथा चेहरे के झुलसे हुए दाग में भी आराम पड़ेगा।

* केले को लेकर आप इसे दूध के साथ मिलाकर अपने चेहरे पर लगाएं तो आपका चेहरा कोमल होगा और इस पर निखार आ जाएगा।

* हल्दी के साथ दूध को मिलाकर लगाएं तो आपकी झुलसी हुई त्वचा की समस्या हल होगी तथा फेशियल बाल कम हो सकते हैं।

मां बनने के एक साल के अंदर घटाएं वजन

मां बनने के एक साल के अन्दर महिलाओं ने अगर अपने वजन पर नियंत्रण नहीं किया तो उन्हें हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप जैसी कई बीमारियां घेर सकती हैं।

ब्रिटिश दैनिक में प्रकाशित रिपोर्ट में बताया गया है कि कनाडा में टोरंटो के माउंट सिनाई अस्पताल के मधुमेह केंद्र ने अपने नए शोध में यह बताया है कि महिला के लिए मां बनने के बाद के पहले तीन महीने सुरक्षित होते हैं क्योंकि इस दौरान उनके शरीर में उतने बदलाव नहीं होते इसलिए हृदयरोग, मधुमेह या उच्च रक्तचाप का खतरा इस दौरान उतना अधिक नहीं रहता है।

शोध पत्रिका डायबिटीज केयर में प्रकाशित इस शोध के मुताबिक तीन महीने के बाद पूरे साल तक मां के शरीर में तरह-तरह के बदलाव होते हैं। इस दौरान उनके शरीर में उच्च रक्तचाप, कोलेस्ट्राल और इंसुलिन की सक्रियता काफी बढ़ जाती है और उनके हृदय संबंधी रोग से ग्रसित होने का खतरा काफी बढ़ जाता है।

शोध के दौरान 300 गर्भवती महिलाओं पर पूरे नौ महीने और बच्चे के जन्म के एक साल बाद तक निगरानी की गई और उनकी नियमित जांच की गई। जांच के दौरान पाया गया कि अगर बच्चे को जन्म देने के एक साल के अंदर मां ने अपने वजन को कम नहीं किया तो उसके मधुमेह से पीड़ित होने का खतरा बढ़ जाता है।

उन्होंने पाया कि बच्चे के जन्म के एक साल के अंदर तीन चौथाई मांओं ने अपने वजन पर काबू पा लिया और उनका कोलेस्ट्राल तथा रक्तचाप का स्तर सामान्य रहा, लेकिन जिन एक तिहाई महिलाओं का वजन इन दौरान बढ़ गया उनके मधुमेह और हृदय रोग से पीड़ित होने की संभावना भी काफी बढ़ गई। शोधकर्ता डॉक्टर रवि रत्नाकरन ने कहा कि इस शोध के कारण अब महिलाओं को बच्चे के जन्म के एक साल के अंदर वजन घटाने की सलाह दी जाती है।

शेयर बाजार बंपर उछाल के साथ बंद

सेंसेक्स 2,946.32 , निफ्टी 873 अंक उछला निवेशकों को 17 लाख करोड़ रुपए का फायदा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में बुधवार के भारी तेजी रही। अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम के बाद दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी होने से बाजार में ये बंपर तेजी आई। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 2,946.32 अंक के उछाल के साथ ही 77,563.90 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 873.70 अंक बढ़कर 23,997.35 पर बंद हुआ। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष थमने के बाद बाजार में चौतरफा तेजी रही। रियल्टी और ऑटो स्टॉक्स में आज भारी तेजी रही। निफ्टी रियल्टी, और निफ्टी ऑटो की मजबूती के साथ सबसे अधिक लाभ में रहे। निफ्टी निजी बैंक , निफ्टी फाइनेंशियल सर्विस , निफ्टी पीएसयू बैंक , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरबेल्स और निफ्टी इन्फ्रा बढ़त के साथ बंद हुआ। एक भी सूचकांक में गिरावट नहीं रही। आज लार्जकैप के साथ-साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 2,198.95 अंक की बढ़त के साथ 56,799.50 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 694.75 अंक की बढ़त के साथ 16,538.05 पर पहुंचा। सेंसेक्स पैक में इंडिगो, एलएंडटी, बजाज फाइनेंस, एमएंडएम, एक्सिस बैंक, मारुति सुजुकी, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाइटन, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक, अदाणी पोर्ट्स, आईसीआईसीआई बैंक, इटरनल, कोटक महिंद्रा बैंक, एशियन पेंट्स, टाटा स्टील और एसबीआई के शेयर लाभ में रह जबकि टेक महिंद्रा, सन फार्मा और पावर ग्रिड में गिरावट रही।

बाजार में तेजी के कारण कंपनियों का बाजार पूंजीकर 17 लाख करोड़ रुपए बढ़कर करीब 446 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पहले 429 लाख करोड़ रुपए था। बाजार जानकारों के अनुसार युद्ध विराम की घोषणा के बाद कच्चे तेल की कीमत में गिरावट आई है और ब्रेंट क्रूड का दाम करीब 14 फीसदी नीचे आकर 94 डॉलर प्रति बैरल पहुंचा। इसी प्रकार आज सुबह बाजार की तेज शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में 3 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई, जिससे निवेशकों का भरोसा मजबूत होता नजर आया।

वैश्विक स्तर पर सकारात्मक माहौल और एशियाई बाजारों में मजबूती का असर भारतीय बाजार पर साफ दिखाई दिया। सेंसेक्स 3 फीसदी से अधिक उछलकर 77,000 के पार खुला। वहीं निफ्टी भी तेजी के साथ 23,800 के ऊपर पहुंच गया।

हुंदै मोटर इंडिया मई से वाहनों की कीमतें बढ़ाएगी

नई दिल्ली ।

वाहन विनिर्माता कंपनी हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड ने बढ़ती लागत के कारण मई से अपने वाहनों की कीमतों में एक प्रतिशत तक बढ़ोतरी करने की बुधवार को जानकारी दी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने मई 2026 से अपने सभी मॉडल की कीमतों में एक प्रतिशत तक बढ़ोतरी करने की योजना बनाई है। यह मूल्य संशोधन विभिन्न लागतों में वृद्धि के कारण किया जा रहा है। हुंदै मोटर इंडिया ने कहा कि कीमतों में बढ़ोतरी विभिन्न मॉडल एवं संस्करण के आधार पर अलग-अलग होगी। कंपनी ने कहा कि हमारा हमेशा प्रयास रहता है कि बढ़ती लागत को खुद वहन कर ग्राहकों को कीमतों में उतार-चढ़ाव से बचाया जाए। हालांकि, कच्चे माल की लागत में लगातार वृद्धि से इसका एक हिस्सा मामूली मूल्य वृद्धि के रूप में ग्राहकों पर डालना जरूरी हो गया है।

यूएस-ईरान युद्धविराम और आरबीआई की नीति से बॉन्ड प्रतिफल में गिरावट

- बॉन्ड प्रतिफल 0.12 प्रतिशत घटकर सात प्रतिशत से नीचे आया

मुंबई ।

अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के सशर्त युद्धविराम और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के रेपो दर को 5.25 फीसदी पर यथावत रखने के फैसले से बुधवार को भारत के बॉन्ड बाजार में राहत देखने को मिली। इस फैसले के बाद 10-वर्षीय मानक बॉन्ड का प्रतिफल 7 प्रतिशत से नीचे आ गया जो निवेशकों के लिए सकारात्मक संकेत है। भारतीय समाशोधन निगम के अनुसार, सुबह के कारोबार में 10-वर्षीय बॉन्ड का प्रतिफल 7.04 फीसदी से घटकर 6.92 फीसदी पर आ गया। पश्चिम एशिया में युद्धविराम के बाद बॉन्ड बाजार की धारणा बेहतर हुई, जिससे निवेशकों ने बिकवाली कम की। युद्धविराम के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत 94.94 डॉलर प्रति बैरल पर बनी, जो कुछ दिन पहले 100 डॉलर प्रति बैरल के पार चली गई थी। इससे भारत जैसे तेल आयातक देशों में आयातित मुद्रास्फीति का दबाव कम हुआ। अप्रैल में आरबीआई की मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो दर 5.25 फीसदी पर स्थिर रखने से बॉन्ड प्रतिफल को अतिरिक्त समर्थन मिला। नीति निर्णय ऐसे समय आया है जब करीब 40 दिन से पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई थी और बॉन्ड प्रतिफल बढ़कर 7 फीसदी से ऊपर चला गया था।

खुदरा मुदास्फीति के चालू वित्त वर्ष में 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान आरबीआई

– महंगाई के परिदृश्य के ऊपर जाने का जोखिम बढ़ा

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 में खुदरा महंगाई दर को 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। यह दर केंद्रीय बैंक के निर्धारित लक्ष्य के भीतर है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने हाल की बैठक में आर्थिक वृद्धि और महंगाई पर बढ़ती अनिश्चितताओं के मद्देनज़र रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रखने का फैसला किया। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने चालू वित्त वर्ष की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति जारी करते हुए बुधवार को कहा कि अप्रैल-जून की पहली तिमाही में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर चार प्रतिशत रहने का अनुमान है। दूसरी तिमाही में इसके 4.4 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 5.2 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 4.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। गवर्नर ने कहा कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने पाया कि पिछली नीतिगत बैठक के बाद से भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं काफी बढ़ गई हैं। कुल महंगाई नियंत्रण में है और लक्ष्य से नीचे है। हालांकि, महंगाई के परिदृश्य के ऊपर जाने का जोखिम बढ़ गया है। इसका कारण ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी का दबाव और मौसम में बदलाव है जिसकी वजह से खाने-पीने की चीजों की कीमतों पर असर पड़ सकता है।''इसके अलावा, मुख्य महंगाई का दबाव भी कम बना हुआ है। हालांकि, आपूर्ति श्रृंखला की दिक्कतों और दूसरे दौर के प्रभाव का जोखिम भविष्य में महंगाई के रास्ते को अनिश्चित बना देता है। मल्होत्रा ने साथ ही कहा कि अर्थव्यवस्था को आपूर्ति में झटके का सामना करना पड़ रहा है। बदलते हालात, आर्थिक वृद्धि तथा महंगाई के बदलते दृष्टिकोण पर नजर रखना समझदारी होगी। इसी को देखते हुए एमपीसी ने रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर ही बनाए रखने का फैसला किया है।

खुदरा महंगाई दर फरवरी में बढ़कर 3.21 प्रतिशत हो गई थी। फरवरी के महंगाई के आंकड़े नई उपभोक्ता मूल्य श्रृंखला पर आधारित थे जिसका आधार वर्ष 2024 है।

अमेरिकी अदालत में गौतम-सागर अदाणी की एसईसी याचिका पर सुनवाई तय

– अदाणी पक्ष अब 30 अप्रैल तक फाइनल मोशन दाखिल कर मामले को खारिज कराने की दलीलें पेश करेगा

न्यूयॉर्क ।

अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (एसईसी) द्वारा दायर धोखाधड़ी मामले में उद्योगपति गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी ने अमेरिकी अदालत से याचिका खारिज करने की अनुमति मांगी। न्यूयॉर्क की पूर्वी जिला अदालत ने प्रतिवादियों की प्री-मोशन कॉन्फ्रेंस याचिका को मंजूरी देते हुए दोनों पक्षों को बातचीत का समय तय करने का निर्देश दिया। मुकदमा नवंबर 2024 में शुरू हुआ था। एसईसी का आरोप है कि अदाणी समूह ने भारत में सौर ऊर्जा ठेके प्राप्त करने के लिए अधिकारियों को कथित रूप से 25 करोड़ डॉलर से अधिक की रिश्वत देने का प्रयास किया और अमेरिकी निवेशकों तथा बैंकों को योजना की जानकारी नहीं दी। अदाणी समूह ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि अमेरिकी विदेशी भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत कोई उल्लंघन नहीं हुआ। अदाणी के वकीलों ने कहा कि मामला पूरी तरह भारत में हुआ और अमेरिकी कानून का क्षेत्राधिकार लागू नहीं होता। उन्होंने यह भी कहा कि बॉन्ड बिक्री 75 करोड़ डॉलर की अमेरिका के बाहर हुई, निवेशकों को कोई नुकसान नहीं हुआ, और कथित बयान केवल सामान्य प्रशंसात्मक बातें थीं। अदालत को बताया गया कि अदाणी ग्रीन का अमेरिकी निवेशकों तक पहुंचने में कोई प्रत्यक्ष भूमिका नहीं थी। न्यूयॉर्क की पूर्वी जिला अदालत ने प्रतिवादियों की याचिका स्वीकार करते हुए दोनों पक्षों को प्री-मोशन

बातचीत का समय तय करने का निर्देश दिया। अदाणी पक्ष अब 30 अप्रैल तक फाइनल मोशन दाखिल कर मामले को पूरी तरह खारिज कराने की दलीलें पेश करेगा।

युद्धविराम से कच्चा तेल छह प्रतिशत टूटकर निचले सर्किट में पहुंचा

कच्चे तेल के अनुबंध का वायदा भाव 640 रुपये टूटकर 10,029 रुपये प्रति बैरल

–नई दिल्ली ।

अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा के बाद वैश्विक बाजारों में कमजोरी के बीच बुधवार को कच्चे तेल के वायदा भाव में तेज गिरावट आई और यह छह प्रतिशत लुढ़ककर निचले सर्किट स्तर पर आ गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर अप्रैल में आपूर्ति वाले कच्चे तेल के अनुबंध का वायदा भाव 640 रुपये या छह प्रतिशत टूटकर 10,029 रुपये प्रति बैरल पर आ गया जो इसका निचला सर्किट स्तर है। इसी तरह मई में आपूर्ति वाला अनुबंध भी 565 रुपये फिसलकर 8,860 रुपये प्रति बैरल के निचले सर्किट स्तर पर पहुंच गया। तनाव कम होने से आपूर्ति बाधित होने की आशंकाएं घटने के बीच बाजार में तेज बिकवाली देखी गई। वैश्विक बाजारों में भी अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम की घोषणा के बाद तेल कीमतों में गिरावट आई। इससे होर्मुज जलडमरूमध्य से आपूर्ति सामान्य होने की उम्मीद बढ़ी है। यह मार्ग वैश्विक तेल आपूर्ति के करीब पांचवें हिस्से के परिवहन के लिए महत्वपूर्ण है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में मई में आपूर्ति वाला वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) कच्चा तेल 17.11 डॉलर या 15.15 प्रतिशत फिसलकर 95.84 डॉलर प्रति बैरल रह गया। वहीं जून में आपूर्ति वाले ब्रेंट क्रूड के अनुबंध का भाव 14.52

डॉलर या 13.29 प्रतिशत कम होकर 94.75 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। विश्लेषकों के अनुसार, पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के बाद भू-राजनीतिक जोखिम घटने से कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमति बनने के बाद वह ईरान के खिलाफ प्रस्तावित सैन्य कार्रवाई को स्थगित करेंगे। इस समझौते में होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना भी शामिल है। इस बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने संकेत दिया कि इस अवधि के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य से आवागमन की अनुमति दी जाएगी जिससे आपूर्ति बाधित होने की चिंताएं कम हो गई हैं।

वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर का मिलाजुला प्रदर्शन

- वेस्ट एशिया संकट और महंगे कच्चे माल ने बढ़ाई चुनौतियां

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर का प्रदर्शन मिला-जुला रहा। शुरुआती महीनों में मांग मजबूत थी, लेकिन मार्च के अंत में वैश्विक और मौसमी कारकों ने स्थिति को प्रभावित किया। बाजार के जानकारों के मुता बिक इस सेक्टर की कुल आय में लगभग 12 प्रतिशत की बढ़त हो सकती है, लेकिन शुद्ध मुनाफा करीब 5 प्रतिशत घटने का अनुमान है। ए बि टिडा लगभग स्थिर रहने की संभावना है। लागत बढ़ने के कारण ऑपरेटिंग मार्जिन घटकर लगभग 10 प्रतिशत रह सकता है। केबल और वायर सेगमेंट में जनवरी और फरवरी में इंफ्रास्ट्रक्चर, रियल एस्टेट और इंडस्ट्रियल सेक्टर से मजबूत मांग देखने को मिली। लेकिन मार्च में वेस्ट एशिया संकट से सप्लाई में बाधा आई और मिडिल ईस्ट के लिए एक्सपोर्ट प्रभावित हुए। साथ ही कॉपर और एल्युमिनियम जैसी कच्ची वस्तुओं की कीमतें बढ़ी, जिससे लागत और मार्जिन पर दबाव पड़ा। एयर कंडीशनर की मांग उत्तर और मध्य भारत में गर्मी के शुरुआती दिनों में बढ़ी, लेकिन मार्च के अंत में बेमौसमी बारिश से मांग अचानक कमजोर हो गई। दक्षिण और पूर्व भारत में गर्मी देर से आई, जबकि पश्चिम भारत में स्थिति सामान्य रही। वॉशिंग मशीन की मांग सामान्य रही, जबकि टीवी और फ्रिज की मांग आईपीएल सीजन और बढ़ते तापमान के कारण धीरे-धीरे सुधार दिखाने लगी। एफएमईजी सेगमेंट में जैसे फैन, लाइट और स्विच, कमजोर उपभोक्ता भावना के कारण मांग कमजोर रही। कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरी ने इस सेगमेंट के मार्जिन पर भी दबाव डाला।

आरबीआई का 2026-27 में भारत की आर्थिक वृद्धि 6.9 फीसदी रहने का अनुमान

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। यह वित्त वर्ष 2025-26 के अनुमानित 7.6 प्रतिशत से कम है। आरबीआई ने इसे पश्चिम एशिया संकट, जिंस की ऊंची कीमतों और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान जैसी वैश्विक चुनौतियों से जोड़कर बताया है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि प्रमुख समुद्री मार्गों में व्यवधान और बढ़ी हुई ढुलाई एवं बीमा लागत से माल निर्यात पर दबाव पड़ सकता है।

ऊर्जा और अन्य जिंस की ऊंची कीमतें, साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान, घरेलू उत्पादन की गति को प्रभावित कर सकते हैं। इसके अलावा वैश्विक वित्तीय बाजारों में बढ़ती अस्थिरता भी वृद्धि संभावनाओं पर दबाव डाल रही है। मल्होत्रा ने बताया कि घरेलू मांग को कई कारक समर्थन देंगे-

* सेवा क्षेत्र की मजबूती

* माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों का युक्तिकरण

* विनिर्माण क्षेत्र में क्षमता उपयोग में वृद्धि

* वित्तीय संस्थानों और कॉरपोरेट के मजबूत बही-खाते

इसके अलावा, केंद्रीय बजट 2026-27 में रणनीतिक और उभरते क्षेत्रों में घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के सरकारी प्रयास दीर्घकालिक वृद्धि के लिए सकारात्मक हैं।

तिमाही आधार पर वृद्धि का अनुमान- आरबीआई के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 में तिमाही आधार पर वृद्धि दर का अनुमान इस प्रकार है-

* पहली तिमाही- 6.8 फीसदी

* दूसरी तिमाही 6.7 फीसदी

* तीसरी तिमाही- 7.0 फीसदी

* चौथी तिमाही 7.2 फीसदी

आरबीआई ने रेपो रेट में नहीं किया बदलाव, 5.25 फीसदी पर बरकरार

ईएमआई में राहत, मिडिल ईस्ट तनाव और महंगाई के जोखिम के बीच आरबीआई ने अपनाया सतर्क रुख

–नई दिल्ली ।

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली द्विमासिक बैठक में प्रमुख नीतिगत दर रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर यथावत रखने का फैसला किया है। वैश्विक आर्थिक चुनौतियों और भू-राजनीतिक तनावों के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया है। भारतीय रिज़र्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने 6 से 8 अप्रैल तक चली बैठक के बाद यह स्पष्ट किया कि फिलहाल ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। समिति ने रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा है, जबकि स्टैंडिंग डिपॉज़िट फैसिलिटी (एसडीएफ) दर 5 प्रतिशत और मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी तथा बैंक दर 5.5 प्रतिशत पर स्थिर रखी गई हैं। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना कर रही है। हालांकि, अर्थव्यवस्था की बुनियाद मजबूत बनी हुई है, लेकिन वैश्विक हालात इसे चुनौती दे रहे हैं। दुनिया भर में आर्थिक वृद्धि की रफ्तार धीमी पड़ने का खतरा बना हुआ है, जिस पर तेल की बढ़ती कीमतों का असर साफ दिख रहा है। उन्होंने कहा कि तेल बाजार पर जियोपॉलिटिकल तनाव का साया अब भी मंडरा रहा है। इससे कीमतों में अनिश्चितता बनी हुई है। इसके साथ ही वैश्विक सप्लाई चेन में आ रही दिक्कतें हालात को और जटिल बना रही हैं। वहीं वित्तीय बाजारों में उतार-चढ़ाव जारी है और दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में महंगाई को लेकर चिंता कम होने का नाम नहीं ले रही। ऐसे माहौल में, मजबूत घरेलू बुनियाद के बावजूद भारत को वैश्विक चुनौतियों के बीच संतुलन बनाकर आगे बढ़ना होगा। एमपीसी बैठक का नतीजा बिज़नेस स्टैंडर्ड के सर्वे के मुताबिक रहा। सर्वे 10 अर्थशास्त्रियों के बीच किया गया था।

इसमें सभी प्रतिभागियों ने कहा था कि मौद्रिक नीति समिति नीतिगत रीपो दर को 5.25 फीसदी पर अपरिवर्तित रख सकती है क्योंकि वह युद्ध के वृद्धि और मुद्रास्फीति पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन कर रही है। आरबीएल बैंक को छोड़कर सर्वेक्षण में शामिल सभी प्रतिभागियों का कहना था कि मौद्रिक नीति पर तटस्थ रुख में कोई बदलाव नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि न्यूट्रल रुख केंद्रीय बैंक को जरूरत के हिसाब से किसी भी दिशा में कदम उठाने की सहूलियत देता है। रीपो रेट वह दर है, जिस पर भारतीय रिज़र्व बैंक बैंकों को कर्ज देता है। इसका सीधा असर आम लोगों की जेब पर पड़ता है। जब रेपो रेट बढ़ती है, तो बैंक भी लोन महंगे कर देते हैं, जिससे होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन की ईएमआई बढ़ जाती है।

इसके उलट, जब रीपो रेट घटती है तो लोन सस्ते हो जाते हैं और ईएमआई का बोझ कम हो सकता है। हालांकि, इस स्थिति में सेविंग अकाउंट और फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर मिलने वाला ब्याज भी कम हो सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने बदला नियम, अब बड़े मामलों की सुनवाई केवल सीजेआई ही करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने तत्काल सुनवाई की प्रक्रिया को लेकर एक महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया है। नए नियम के तहत अब अत्यंत आवश्यक मामले, जिनमें नियमित सूचीबद्ध होने की प्रक्रिया का इंतजार नहीं किया जा सकता, उनका उल्लेख केवल मुख्य न्यायाधीश के समक्ष ही किया जा सकेगा। यह नियम तब भी प्रभावी रहेगा जब मुख्य न्यायाधीश किसी संविधान पीठ की अध्यक्षता करने में व्यस्त हों। न्यायालय के इस कदम का उद्देश्य न्यायिक प्रक्रिया में स्पष्टता लाना और तत्काल सुनवाई के मामलों के लिए एक केंद्रीय व्यवस्था सुनिश्चित करना है।

छह अप्रैल को जारी आधिकारिक परिपत्र में स्पष्ट किया गया है कि अत्यंत आवश्यक मामलों का उल्लेख अब केवल अदालत संख्या-1 (मुख्य न्यायाधीश की अदालत) के समक्ष ही करने की अनुमति है। परिपत्र में जोर देकर कहा गया है कि भले ही प्रधान न्यायाधीश किसी भी विशेष पीठ या संविधान पीठ का हिस्सा हों, वकीलों को ऐसे मामलों के लिए किसी अन्य पीठ

के सामने जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यह निर्देश 29 नवंबर, 2025 के पिछले परिपत्र के संदर्भ में जारी किया गया है, ताकि सूचीबद्ध करने की प्रक्रिया में होने वाले किसी भी भ्रम को दूर किया जा सके। बता दें कि इस प्रशासनिक बदलाव के बीच, मुख्य न्यायाधीश ने हाल ही में न्यायिक बुनियादी ढांचे की मजबूती पर भी अपने विचार साझा किए थे। तेलंगाना उच्च न्यायालय के एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा था कि देश भर में न्यायिक परिसरों का विस्तार हो रहा है और सभी राज्य सरकारें अब यह स्वीकार कर रही हैं कि न्यायिक ढांचे को मजबूत करना केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि अत्यंत आवश्यक कार्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि संविधान निर्माताओं का न्याय तक पहुंच के सिद्धांत में अटूट विश्वास था, और प्रत्येक राज्य के लिए उच्च न्यायालय की स्थापना इसी संवैधानिक दायित्व का हिस्सा है। मुख्य न्यायाधीश के अनुसार, यह केवल कानूनी आवश्यकता नहीं, बल्कि भारतीय गणतंत्र की एक गंभीर प्रतिबद्धता है।

पुरानी व्यवस्था में बदलाव

इससे पहले की व्यवस्था के अनुसार, यदि मुख्य न्यायाधीश उपलब्ध नहीं होते थे या किसी संविधान पीठ की सुनवाई में व्यस्त रहते थे, तो अत्यावश्यक मामलों के उल्लेख के लिए उच्चतम न्यायालय के सबसे वरिष्ठ जज (सीनियर मोस्ट जज) के पास जाने का प्रावधान था। वकीलों को तत्काल राहत पाने के लिए वरिष्ठ जजों की पीठ के सामने अपनी अर्जी रखने की अनुमति थी। हालांकि, नए सर्कुलर ने अब इस प्रक्रिया को पूरी तरह मुख्य न्यायाधीश की पीठ तक ही सीमित कर दिया है।

पश्चिम बंगाल में फिर बनेगी ममता सरकार, अखिलेश यादव का दावा

भाजपा पर साधा निशाना, निर्वाचन आयोग और महिला आरक्षण के मुद्दे पर भी उठाए सवाल

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पश्चिम बंगाल की राजनीति को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में एक बार फिर ममता बनर्जी के नेतृत्व में सरकार बनेगी और भाजपा को जनता करारा जवाब देगी। पत्रकारों से बातचीत के दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी चाहे कितनी भी कोशिश, बेईमानी या साजिश कर ले, पश्चिम बंगाल की जनता उसे सत्ता में नहीं आने देगी। उन्होंने विश्वास जताया कि ममता बनर्जी के नेतृत्व में जनता का समर्थन बना हुआ है और यही चुनाव परिणामों में भी दिखाई देगा। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार और चुनाव प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार का नाम लिए बिना निशाना साधते हुए यादव ने कहा कि निर्वाचन आयोग अपने कर्तव्यों का सही ढंग से पालन नहीं कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि आयोग का ध्यान मतदाताओं को जोड़ने के बजाय उन्हें हटाने पर केंद्रित दिखाई देता है, जो लोकतंत्र के लिए चिंताजनक है। सांसद अखिलेश यादव ने संसद में प्रस्तावित महिला आरक्षण के मुद्दे पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि देश की आबादी में लगातार वृद्धि हो रही है, ऐसे में वर्तमान जनसंख्या के आधार पर आरक्षण तय किया जाना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने महंगाई और बेरोजगारी को लेकर भी सरकार की आलोचना की। उनका कहना था कि चुनाव के बाद इन समस्याओं में और बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे आम जनता को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा।

शाहजहांपुर में मकान तोड़ने की कार्रवाई के दौरान बाप-बेटे समेत तीन ने लगा ली फांसी

शाहजहांपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले से प्रशासनिक कार्रवाई के दौरान आत्मघाती कदम उठाने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जलालाबाद थाना क्षेत्र के मगटोरा गांव के मजरेता में मंगलवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जब प्रशासन की टीम एक मकान को चकरोड में बताते हुए उसे ध्वस्त करने के लिए जेसीबी लेकर पहुंची। टीम को देखते ही मकान स्वामी और उसके परिजनों ने कड़ा विरोध शुरू कर दिया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि बाप-बेटे समेत परिवार के तीन सदस्यों ने घर के समीप एक पेड़ पर फंदा डालकर फांसी लगा ली। मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए फौरन दो लोगों को नीचे उतारकर बचा लिया, लेकिन तीसरे व्यक्ति की हालत बिगड़ गई। उसे आनन-फानन में मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए देर शाम सिटी मजिस्ट्रेट ने अस्पताल पहुंचकर पीड़ित का हाल जाना और मामले की जानकारी ली। बताया जा रहा है कि करीब एक साल पहले भी प्रशासन इस मकान को तोड़ने की कोशिश कर चुका था।

महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

इसी बीच, प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले से भी एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। कटरी क्षेत्र के कुआं खेड़ा वजीर आलम गांव में 35 वर्षीय महिला चांदनी का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे पर लटका मिला। ससुराल पक्ष का दावा है कि वह लंबे समय से बीमारी से परेशान थी और इसी तनाव में उसने जान दे दी। घटना के समय मौजूद मृतका की छोटी बहन नीलम ने उसे बचाने का भरसक प्रयास किया। इस घटना से गांव में कोहराम मच गया और मायके पक्ष ने कई गंभीर आरोप लगाए हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रदेश के इन दो अलग-अलग जिलों में हुई घटनाओं ने प्रशासनिक संवेदनशीलता और पारिवारिक तनाव के मुद्दों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस दोनों ही मामलों की गहनता से जांच कर रही है।

अजित पवार के विमान हादसे को लेकर भ्रामक वीडियो बनाने वाला आरोपी गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के जालना जिले के युवक उद्धव भगवान काप्से को सोशल मीडिया पर भ्रामक और आपत्तिजनक वीडियो बनाने और वायरल करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इस वीडियो में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की छवि धूमिल करने और पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार से जुड़े विमान हादसे को लेकर गलत जानकारी फैलाने का आरोप है। पश्चिमी क्षेत्रीय पुलिस विभाग की साइबर सेल ने आरोपी की पहचान कर कानूनी कार्रवाई के लिए मुंबई लाया गया। बांद्रा की अदालत ने काप्से को 10 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। मुंबई साइबर पुलिस के अनुसार, काप्से द्वारा अपलोड किए गए वीडियो को हटाने से पहले करीब 1.5 लाख बार देखा जा चुका था। जांच में सामने आया कि वीडियो में मुख्यमंत्री फडणवीस को निशाना बनाकर भ्रामक और आपत्तिजनक सामग्री थी और विमान हादसे से संबंधित तथ्य भी गलत तरीके से प्रस्तुत किए गए थे। वरिष्ठ अधिकारियों ने वायरल वीडियो का गंभीर संज्ञान लेकर साइबर सेल को केस दर्ज करने का निर्देश दिया। सोशल मीडिया से वीडियो हटवाकर एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ फर्जी वीडियो वायरल करने और सार्वजनिक हस्तियों को बदनाम करने की एफआईआर दर्ज की गई थी। तकनीकी विश्लेषण से वीडियो का स्रोत जालना जिले के बुट्टेगांव गांव से पाया गया। पुलिस की टीम ने काप्से को हिरासत में लिया। पूछताछ में काप्से ने स्वीकार किया कि उसने उपलब्ध फुटेज को संकलित कर एआई टूल्स की मदद से वीडियो बनाकर साझा किया। काप्से बुट्टेगांव का निवासी है, कक्षा 10 तक पढ़ा है और अपने माता-पिता के साथ रहता है।

पंचकूला में हेरोइन तस्कर गिरफ्तार, 3.4 किलो हेरोइन और 15 लाख बरामद

पंचकूला (एजेंसी)। पंचकूला पुलिस क्राइम ब्रांच-26 ने एक बड़े हेरोइन तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से करीब 3 किलो 400 ग्राम हेरोइन और 15 लाख रुपए नकद बरामद हुए हैं। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ शुरू कर दी है और जल्द ही पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की संभावना जताई है। डीसीपी क्राइम अमरिंदर सिंह ने बताया कि आरोपी लवजोत को सेक्टर-20 के कुंडी गांव से गिरफ्तार किया गया। आरोपी पंजाब के जलालाबाद का रहने वाला है और वर्तमान में चंडीगढ़ में किराए के मकान में रहकर ट्राईसिटी क्षेत्र में नशे का जाल फैला रहा था। पुलिस ने बताया कि लवजोत के पास से 3 किलो 400 ग्राम हेरोइन और 15 लाख रुपए नकद बरामद हुए हैं। हेरोइन की अनुमानित कीमत लगभग 6 करोड़ रुपए आंकी गई है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर 4 दिन का पुलिस रिमांड लिया गया है। जांच के दौरान सामने आया कि लवजोत का नेटवर्क पहले से पकड़े गए दो अन्य आरोपियों से जुड़ा था। 3 अप्रैल को रायपुररानी के टाबर गांव से साहिल को 310 ग्राम चिट्टे के साथ पकड़ा गया था। इसके बाद साहिल के बयान पर 5 अप्रैल को सतनाम सिंह को गिरफ्तार किया गया। सतनाम ने लवजोत को अपना मुख्य सप्लायर बताया। डीसीपी ने बताया कि हेरोइन का स्रोत पाकिस्तान है और सप्लाई चैन की पहचान कर ली गई है। आरोपी नेटवर्क के अन्य हैंडलर्स की भी जल्द गिरफ्तारी की संभावना है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में सिरसा के बाद यह पंचकूला में पकड़ी गई सबसे बड़ी हेरोइन खेप है। पुलिस लगातार इस मामले की गहन जांच कर रही है और अन्य जुड़े लोगों के नामों का खुलासा होने की संभावना है। रिमांड के दौरान लवजोत से और पूछताछ की जाएगी ताकि पूरे नेटवर्क का भंडाफोड़ किया जा सके।

रामपुर में बूंदाबांदी और ठंड से किसान चिंतित, बिजली आपूर्ति प्रभावित

रामपुर (एजेंसी)। शहर में मंगलवार शाम से मौसम ने रुख बदला और तेज आंधी के बाद बुधवार सुबह बूंदाबांदी शुरू हो गई। किसानों में कटाई के दौरान गेहूं की फसल को नुकसान होने की चिंता बढ़ गई है। तेज हवा और बारिश के कारण शहर की बिजली आपूर्ति मंगलवार से बाधित रही। सिविल लाइंस, पहाड़ी गेट, नवाब गेट सहित कई क्षेत्रों में आधा घंटा तक आपूर्ति प्रभावित रही। अधिशासी अभियंता अनुराग सिंह ने बताया कि आपूर्ति अब सभी क्षेत्रों में सुचारू रूप से चल रही है। किसानों के लिए मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है। उन्होंने कहा कि कटे हुए गेहूं को खुले में न छोड़ें और खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें ताकि फसल को बारिश से नुकसान न पहुंचे। बूंदाबांदी के चलते न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया और ठंड का अहसास हुआ।

आप का बड़ा फैसला: उमरेठ विधानसभा उपचुनाव नहीं लड़ेगी पार्टी

-इसुदान गढ़वी बोले— कांग्रेस और बीजेपी में हो सीधा मुकाबला

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात की राजनीति में एक अहम मोड़ लेते हुए आम आदमी पार्टी (आप) ने उमरेठ विधानसभा उपचुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष इसुदान गढ़वी ने इस निर्णय की घोषणा करते हुए कहा, पार्टी अब पूरी तरह से आगामी स्थानीय निकाय चुनावों पर ध्यान केंद्रित करेगी।

गढ़वी ने मंगलवार को अपने एक बयान में स्पष्ट किया कि आप इस उपचुनाव में हिस्सा नहीं लेगी और चाहती है कि मुकाबला सीधे कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच हो। उन्होंने कांग्रेस को खुली चुनौती देते हुए कहा कि यदि वह खुद को मजबूत विपक्ष मानती है, तो उसे भाजपा को हराकर दिखाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हम उमरेठ उपचुनाव नहीं लड़ेंगे। हमारा फोकस केवल स्थानीय निकाय चुनावों पर है। हम चाहते हैं कि भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला हो, क्योंकि कांग्रेस अक्सर हमें भाजपा की 'बी-टीम' कहती है। अब उनके पास मौका है कि वे सीधे भाजपा का सामना करें।'

आप के इस फैसले को राजनीतिक रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि पार्टी फिलहाल जमीनी स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करने और स्थानीय निकाय चुनावों में बेहतर प्रदर्शन करने की तैयारी कर रही है। गुजरात में पिछले कुछ वर्षों में आप ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है, लेकिन विधानसभा और उपचुनावों में उसे अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाई है। ऐसे में पार्टी का यह कदम संकेत देता है कि वह अपनी ऊर्जा और संसाधनों को अधिक प्रभावी चुनावी क्षेत्रों में लगाना चाहती है।

राहुल गांधी की दोहरी नागरिकता पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा- हम अभी नहीं देखेंगे...

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की कथित दोहरी नागरिकता के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में एक महत्वपूर्ण सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने फिलहाल इस मामले में केंद्र सरकार की ओर से पेश किए गए गोपनीय रिकॉर्ड की जांच करने से इनकार कर दिया है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए यह सुनवाई खुली अदालत के बजाय जज के चेंबर में आयोजित की गई, क्योंकि केंद्र सरकार ने इसे एक बेहद संवेदनशील मुद्दा बताया था।

इससे पहले की सुनवाइयों में हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार से स्पष्टीकरण मांगा था कि राहुल गांधी की कथित ब्रिटिश नागरिकता से संबंधित शिकायतों पर अब तक क्या प्रशासनिक कार्रवाई की गई है। इसके बाद अदालत ने स्वयं गृह मंत्रालय से संबंधित सभी मूल रिकॉर्ड तलब किए थे। हालांकि, मंगलवार को जारी आदेश के अनुसार, बेंच ने इन दस्तावेजों का परीक्षण करने से फिलहाल परहेज किया। हाईकोर्ट की

वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, केंद्र सरकार के अधिकारी रिकॉर्ड के साथ अदालत में उपस्थित थे, लेकिन बेंच ने स्पष्ट किया कि वह इस स्तर पर राहुल गांधी के खिलाफ लगाए गए आरोपों की सत्यता की जांच करने का प्रस्ताव नहीं करती है, इसलिए रिकॉर्ड को नहीं देखा गया।

यह पूरी कानूनी प्रक्रिया भाजपा कार्यकर्ता एस विग्नेश शिशिर द्वारा दायर एक याचिका पर आधारित है। याचिकाकर्ता ने लखनऊ की विशेष एमपी-एमएलए अदालत के 28 जनवरी 2026 के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को खारिज कर दिया गया था। निचली अदालत ने अपने फैसले में कहा था कि किसी नागरिक की नागरिकता तय करने का वैधानिक अधिकार उसके कार्यक्षेत्र में नहीं आता है। याचिकाकर्ता ने अपनी अर्जी में राहुल गांधी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, विदेशी अधिनियम और पासपोर्ट अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर विस्तृत जांच की मांग की है। हाईकोर्ट में हुई इस सुनवाई के बाद अब मामले की अगली तारीख 15 अप्रैल तय की गई है। याचिकाकर्ता का तर्क है कि इस मामले में गहन जांच की आवश्यकता है, जबकि निचली अदालत ने तकनीकी आधार पर इसे खारिज कर दिया था। अब 15 अप्रैल को होने वाली सुनवाई पर सबकी निगाहें टिकी हैं, क्योंकि कोर्ट इस बात पर विचार करेगा कि क्या इस मामले में हस्तक्षेप की कोई कानूनी गुंजाइश है या नहीं। फिलहाल, राहुल गांधी के लिए राहत की बात यह है कि उच्च न्यायालय ने केंद्र के रिकॉर्ड पर कोई प्रतिकूल टिप्पणी या तत्काल जांच शुरू नहीं की है।

सीएम नीतिश ने 4954 एएनएम को नियुक्ति पत्र बांटा

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को 4954 एएनएम (ऑक्सिलरी नर्स मिडवाइफ) को नियुक्ति पत्र बांटा है। इस दौरान दोनों उपमुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे भी मौजूद रहे। यह कदम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और उपकेंद्रों पर नर्सिंग स्टाफ की कमी को दूर करने में महत्वपूर्ण बताया गया है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, ये नियुक्तियां लंबे समय से लंबित प्रक्रिया का हिस्सा थीं, जिन्हें अब अंतिम रूप दिया जा रहा है। बिहार सरकार का उद्देश्य राज्य के हर क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना है। एएनएम स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ मानी जाती हैं, जो टीकाकरण, प्रसव सेवाओं और प्राथमिक चिकित्सा में अहम रोल निभाती हैं। इतनी बड़ी संख्या में एएनएम की नियुक्ति को स्वास्थ्य क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण सुधार के तौर पर देखा जा रहा है। इस पहल से बिहार सरकार न केवल रोजगार सृजित कर रही है, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं को जमीनी स्तर तक प्रभावी बनाने की दिशा में भी मजबूत कदम उठा रही है।

ईरान-अमेरिका-इजरायल सीजफायर पर प्रियंका चतुर्वेदी का तंज... पाकिस्तान को थैंक्यू नोट, भारत को मिला तेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच करीब 40 दिनों से जारी तनाव के बाद युद्धविराम (सीजफायर) की घोषणा कर दी गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो हफ्ते के अस्थायी सीजफायर का ऐलान किया है। इस बीच भारत में इस मुद्दे पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आने लगी हैं।

शिवसेना (उद्धव गुट) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने इस पूरे घटनाक्रम पर तीखी टिप्पणी करते हुए विभिन्न देशों की भूमिका पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि ÷ईरान को अपना पक्ष रखने का मौका मिला, अमेरिका ने अपनी इज्जत बचा ली, इजरायल को हकीकत का सामना करना पड़ा, पाकिस्तान को थैंक्यू नोट मिला और भारत को उसका तेल मिल गया। दुनिया को अस्थायी रूप से ही सही, शांति मिल गई।÷ प्रियंका चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया के जरिए यह भी सवाल उठाया कि अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता में भारत की भूमिका को लेकर हो रही आलोचना उचित नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह युद्ध भारत का नहीं था, इसलिए भारत की सीधी भागीदारी की अपेक्षा करना तर्कसंगत नहीं है। शिवसेना (उद्धव गुट) की नेता प्रियंका ने पाकिस्तान पर भी निशाना साधते हुए कहा कि यह सीजफायर उसके लिए ÷एक ऐसे दलाल÷ की तरह है, जो पैसे लेकर संकट का समाधान करने का दावा करता है। यह टिप्पणी उन्होंने भारत के विदेश मंत्री के उस बयान के संदर्भ में की, जो सर्वदलीय बैठक में दिया गया था। वहीं, युद्धविराम को लेकर ईरान ने अमेरिका के सामने 10 सूत्रीय प्रस्ताव रखा है। इसमें भविष्य में हमले न करने, लेबनान पर कार्रवाई रोकने और युद्ध से हुए नुकसान की भरपाई जैसी शर्तें शामिल हैं। अमेरिका ने संकेत दिया है कि वह ईरान के पावर प्लांट, पुलों और अन्य बुनियादी ढांचों को निशाना नहीं बनाएगा।

सूत्रों के मुताबिक, मध्य पूर्व में स्थिरता कायम करने के लिए 10 अप्रैल को इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच अहम बैठक भी प्रस्तावित है। अब वैश्विक समुदाय की नजर इस वार्ता और सीजफायर की स्थिरता पर टिकी हुई है।

सौराष्ट्र के अमरेली में लगातार भूकंपीय झटकों से दहशत, 5 घंटे में 8 बार हिली धरती

सावरकुंडला-खांभा क्षेत्र में लगातार हल्के भूकंप के झटके; 3.58 तीव्रता का सबसे बड़ा झटका दर्ज

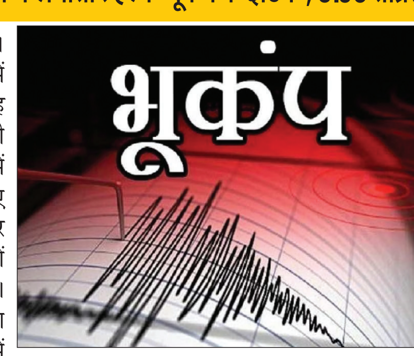

अमरेली (एजेंसी)। सौराष्ट्र के अमरेली जिले में मंगलवार देर रात से बुधवार सुबह तक धरती के अंदर हो रही असामान्य हलचलों ने लोगों में चिंता और कौतूहल दोनों बढ़ा दिए हैं। जिले के सावरकुंडला और खांभा पंथक में भूकंप के झटकों का सिलसिला लगातार जारी है। सबसे अधिक असर मीतियाला और उसके आसपास के गांवों में देखा गया, जहां रात से सुबह 9 बजे तक महज 5 घंटे के भीतर 8 बार हल्के झटके महसूस किए गए। भाड, नानूड़ी, धजड़ी, साकरपारा, वांकिया, खांभा और इंगोराला जैसे कई गांवों में धरती हिलने से लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए।

गांधीनगर स्थित सिस्मोलॉजी विभाग ने इन सभी झटकों की पुष्टि की है, जिसके बाद प्रशासन भी अलर्ट मोड में आ गया है। झटकों की शुरुआत सुबह 4ः15 बजे 1.8 तीव्रता के साथ हुई, जिसके ठीक एक मिनट बाद 4:16 बजे 2.3 तीव्रता का झटका महसूस हुआ। इसके बाद 4:24 बजे 1.0 और 4:57 बजे 1.4 तीव्रता के झटके दर्ज किए गए। सुबह 7:00 बजे फिर 2.2 तीव्रता का झटका आया, जबकि 7:15 बजे दिन का सबसे तेज झटका 3.58 तीव्रता का दर्ज किया गया। इस दौरान घरों की वस्तुएं तक हिलने लगीं, जिससे लोगों में डर का माहौल और गहरा गया। इसके बाद भी 7:51 और 8:57 बजे 1.5-1.5 तीव्रता के झटके महसूस होते रहे।

सिस्मोलॉजी विभाग के अनुसार, भूकंप का केंद्र अमरेली से करीब 43 किलोमीटर दूर स्थित था। लगातार आ रहे झटकों के कारण क्षेत्र में भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों के बीच यह चर्चा भी तेज है कि कहीं यह किसी बड़े भूकंप का संकेत तो नहीं। फिलहाल प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और लोगों से अफवाहों से दूर रहने तथा सतर्क रहने की अपील की गई है।

गुजरातियों पर टिप्पणी को लेकर घिरे मल्लिकार्जुन खड़गे ने मांगी माफी, सियासत में फिर उबाल

भाजपा ने उठाए देरी पर सवाल, राहुल गांधी के इशारे पर बयान देने का लगाया आरोप

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरातियों को लेकर की गई टिप्पणी पर मचे विवाद के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आखिरकार माफी मांग ली है। उनके इस बयान के बाद गुजरात की राजनीति में काफी गर्माहट देखने को मिली थी। खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सफाई देते हुए कहा कि केरल में दिए गए उनके चुनावी भाषण की कुछ टिप्पणियों को जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। इसके बावजूद उन्होंने जिम्मेदारी लेते हुए खेद जताया। उन्होंने लिखा कि गुजरात के लोगों के प्रति उनके मन में हमेशा सर्वोच्च सम्मान रहा है और आगे भी रहेगा। उनका कभी भी किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का इरादा नहीं था।

हालांकि, भाजपा ने इस माफी को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है। पार्टी के प्रवक्ता अनिल पटेल ने कहा कि माफी का स्वागत है, लेकिन यह सवाल बना हुआ है कि इसे देने में इतनी देर क्यों हुई। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, ÷देर आए दुरुस्त आए।÷ अनिल पटेल ने आरोप लगाया कि खड़गे कांग्रेस के 'युवराज' यानी राहुल गांधी के इशारे पर बयान देते हैं। हालांकि, उन्होंने खड़गे को एक सम्मानित व्यक्ति भी बताया। भाजपा का कहना है कि कांग्रेस बार-बार गुजरातियों का अपमान करती है और जब विरोध बढ़ता है, तब माफी मांगती है। प्रवक्ता ने खड़गे के पुराने 'सांप' वाले विवादित बयान का जिक्र करते हुए उस पर भी माफी मांगने की मांग की। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि यदि खड़गे का इरादा अपमान करने का नहीं था, तो उन्होंने तुरंत माफी क्यों नहीं मांगी? क्या विवाद बढ़ने का इंतजार किया गया?

गुजरात के लोग अपनी अस्मिता और सम्मान के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में जब किसी पूरे समुदाय को लेकर बयान दिए जाते हैं, तो उसका असर राष्ट्रीय राजनीति तक देखने को मिलता है। खड़गे की यह माफी भले देर से आई हो, लेकिन फिलहाल इसने राजनीतिक विवाद को शांत करने की कोशिश जरूर की है। अब देखना होगा कि आने वाले चुनावों में यह मुद्दा किस तरह से उभरता है।

केकेआर और सुपरजायंट के बीच आज होगा मुकाबला

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) टीम गुरुवार को यहां के ईडन गार्डन में होने वाले आईपीएल मुकाबले में लखनऊ सुपरजायंट्स का सामना करेगी। केकेआर का लक्ष्य इस मैच में घरेलू मैदान का लाभ उठाकर सत्र में पहली जीत करना रहेगा। इस सत्र में अब तक हुए तीनो ही मैचों में केकेआर हारी है। इससे वह काफी दबाव में है। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी अब तक असफल रहे हैं। अभी तक के आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो टीमों के बीच 6 मैच हुए हैं जिसमें से 2 केकेआर जबकि 4 सुपर जायंट्स ने जीते हैं। इन दोनों ही टीमों के बीच आखिरी मुकाबला पिछले आईपीएल सत्र में कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में ही खेला गया था जहां लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम ने 238 रनों का स्कोर करके केकेआर पर 4 रनों से जीत दर्ज की। ऐसे में इस मैच में भी सुपर जायंट्स का पलड़ा भारी नजर आता है। सुपर जायंट्स ने पिछले मैच में जीत दर्ज की थी जिससे उसका मनोबल भी बढ़ा हुआ है। इसके अलावा कप्तान ऋषभ पंत के फार्म हासिल करने से भी टीम का हौंसला बढ़ा है। वहीं केकेआर के कप्तान आजिंक्य रहाणे ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है पर टीम के अन्य खिलाड़ियों से उन्हें सहयोग नहीं मिला है। इस मैच में टॉस की भी अहम भूमिका रहेगी। इस मैदान पर टॉस जीतने वाली टीम पहले गेंदबाजी करना अधिक पसंद करती है। यहां टी20 में पहली पारी का औसत स्कोर लगभग 163 रन रहा है। केकेआर की टीम से फिन एलन, अंगकृष रघुवंशी, ब्लेसिंग मुज़ाराबानी अहम खिलाड़ी होंगे जबकि लखनऊ सुपर जायंट्स टीम में मिचेल मार्श, एडेन मार्कराम और मोहम्मद शमी पर सभी की नजरें रहेंगी।

टीम इस प्रकार है

केकेआर : अजिंक्य रहाणे (कप्तान), फिन एलन, कैमरून ग्रीन, अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, रमनदीप सिंह, अनुकूल रॉय, सुनील नारायण, वैभव अरोड़ा, ब्लेसिंग मुज़राबानी, कार्तिक त्यागी। इम्पैक्ट प्लेयर- वरुण चक्रवर्ती।

लखनऊ सुपर जायंट्स : ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), एडेन मार्कराम, मिचेल मार्श, आयुष बडोनी, निकोलस पूरन, अब्दुल समद, मुकुल चौधरी, आवेश खान, दिग्वेश राठी, प्रिंस यादव, मोहम्मद शमी। इम्पैक्ट प्लेयर: मोहसिन खान/मणिमरण सिद्धार्थ।

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप: आयुष शेट्टी ने ली शि फेंग को हराया

निंगबो (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने चीन के निंगबो में खेले जा रहे बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में बुधवार को दूसरे राउंड में जगह बनाने के लिए ली शि फेंग को सीधे गेम में हराकर शानदार जीत हासिल की।

आयुष ने निंगबो ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर में 51 मिनट तक चले मैच में चीनी खिलाड़ी को 21-13, 21-16 से हराया। 2023 ऑल इंग्लैंड ओपन के विजेता के साथ आयुष का यह करियर का पहला मुकाबला था। अब वह क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए दुनिया के नंबर 20 ताइपे के ची यू जेन से खेलेंगे। यह पहली बार नहीं है कि आयुष ने अपने से बेहतर रैंक वाले खिलाड़ी को हराया हो। पिछले साल, उन्होंने यूएस ओपन के सेमी-फाइनल में चीनी ताइपे के दुनिया के नंबर 6 चाउ टिएन-चेन को हराया था और कनाडा के ब्रायन यांग को हराकर खिताब जीता था। इससे पहले, भारत की टॉप मिक्स्ड डबल्स जोड़ी, ध्रुव कपिला और तनीषा क्रैस्टो ने पहले दिन अपने कैंपेन की जीत से शुरुआत की। भारतीय जोड़ी ने थाईलैंड के फुवानत होरबानलुएकिट और बेन्यापा एम्सार्ड को 21-14, 11-21, 21-15 से हराया।

दूसरे मिक्स्ड डबल्स नतीजों में, अशीथ सूर्या और अमृता प्रमुथेश मलेशिया के वोंग टिएन सी और लिम चियू सिएन से 21-16, 21-15 से हार गए, जबकि रोहन कपूर और गड्डे रुथ्विका शिवानी आठवीं सीड गोह सून हुआत और लाई शेवोन जेमी से 21-13, 21-19 से हार गए। इस बीच, टॉप इंडियन सिंगल्स प्लेयर्स, पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन, दिन में बाद में एक्शन में होंगे। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट सिंधु अपने कैंपेन की शुरुआत मलेशिया की वोंग लिंग चिंग के खिलाफ राउंड ऑफ 32 में करेंगी। तीन और इंडियन विमेंस एकल खिलाड़ी – उन्नति हुड्डा, मालविका बंसोड़, और तन्वी शर्मा भी मेन ड्रॉ में हैं और उनके बुधवार को अपने कैंपेन शुरू करने की उम्मीद है। पुरुषों के एकल में, थॉमस कप विनर एच.एस. प्रणय वियतनाम के गुयेन हई डांग के खिलाफ शुरुआत करेंगे।

वैभव के अगले सत्र में मुम्बई इंडियंस में जाने की अटकलें

मुम्बई (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेल रहे 15 साल के वैभव सूर्यवंशी के अगले सत्र में मुम्बई इंडियंस में जाने की अटकलें लगायी जा रही हैं। वैभव को पिछले सत्र में राजस्थान रॉयल्स ने शामिल किया था और से ही उन्होंने आक्रामक शतक लगाकर अपनी अलग पहचान बनायी थी। इससे पहले रॉयल्स के ही संजू सैमसन भी इस सत्र में चेन्नई सुपरकिंग्स चले गये थे। वैभव ने आईपीए में गत दिवस 14 गेंदों पर ही 39 रन बनाकर एक बार फिर अपने को साबित किया था। इसके बाद से ही उनपर कई टीमों की नजरें लग गयी। जिस प्रकार उन्होंने जसप्रीत बुमराह के एक ही ओवर में दो छक्के लगा दिये उससे उनकी प्रतिभा का अंदाजा होता है। पूर्व चयनकर्ता परांजपे का कहना है कि वैभव जल्द ही मुंबई की ओर से खेल सकते हैं।

इससे साफ नजर आता है कि राजस्थान रॉयल्स अपने युवा उभरते सितारों को अपने साथ बरकरार नहीं रख पाती। जोस बटलर को रिलीज करने का उनका फैसला आज भी हैरान करता है। इसी प्रकार सैमसन को भी सीएसके ने लिया। ऐसे में अगर वैभव को भी मुंबई अपनी ओर खींच ले तो किसी को हैरान होने की जरुरत नहीं है। राजस्थान ने वैभव को 2025 के केवल सिर्फ 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा था। ये कीमत आज के वैभव को देखते हुए काफी कम है। वह आज अगर नीलामी में उतरते हैं तो उन्हें मोटी रकम मिल सकती है। ऐसे में अगले साल होने वाली नीलामी में मुंबई इंडियंस की नजरें उनपर रहेंगी। लंबे समय से ये माना जा रहा था कि यशस्वी मुंबई इंडियंस के निशाने पर रहेंगे। अब जब सूर्यवंशी 15 साल के हो गए हैं तो बीसीसीआई के नियमों के अनुसार वह सीनियर टीम के लिए खेलने के योग्य हैं। इससे भी उनकी मांग बढ़ जाएगी क्योंकि उन्होंने इंडिया ए और अंडर-19 टीम का प्रतिनिधित्व किया है। वहीं इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में जाकर शतक लगाये हें।

स्ट्राइक रेट को लेकर बहस में न पड़ें रहाणे: सहवाग

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेन्द्र सहवाग ने आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स की कप्तानी कर रहे आजिंक्य रहाणे का हौंसला बढ़ाते हुए कहा है कि वह स्ट्राइक रेट को लेकर जारी बहस में नहीं पड़ते हुए अपने प्रदर्शन पर ध्यान दें। आईपीएल में रहाणे अपने कम स्ट्राइक रेट के कारण आलोचकों के निशाने पर रहे हैं। इसी को देखते हुए सहवाग ने उन्हें अहम सलाह दी है। सहवाग ने कहा कि रहाणे को प्रशंसा पर न ज्यादा खुश होने की जरुरत है और न ही आलोचना पर निराश होने की। सहवाब ने कहा, मुझे नहीं लगता कि खिलाड़ियों को इस तरह की बातों पर अधिक ध्यान देना चाहिये क्योंकि लोग आपकी तारीफ भी करेंगे और आलोचना भी पर आपको दोनो को ही समान रुप से लेना चाहिये। उन्होंने साथ ही कहा, अगर कोई स्ट्राइक रेट या बल्लेबाजी शैली पर सवाल उठाता है, तो उसमें परेशानी होने की जरुरत नहीं है।

आपको इसकी जगह पर अपने खेल पर ध्यान देना चाहिए।सहवाग ने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का जिक्र करते हुए कहा है कि उन्हें भी आलोचनाएं झेलनी पड़ी हैं पर उन्होंने कभी भी उनका जवाब नहीं दिया। सहवाग ने ये बात इसलिए कही क्योंकि हाल ही में रहाणे स्ट्राइक रेट को लेकर किये गये सवालों कपर भड़क गये थे। रहाणे ने कहा था कि उनक स्ट्राइक रेट अच्छा है और कुछ लोग जानबूझकर आलोचना में लगे हैं। सहवाग ने रहाणे के स्ट्राइक रेट का बचाव भी किया। उन्होंने कहा कि एक मैच में कुछ ज्यादा गेंद खेलने से स्ट्राइक रेट कम या ज्यादा हो सकता है पर ये खेल का हिस्सा है। विराट कोहली जैसे शीर्ष बल्लेबाज भी एक जैसा स्ट्राइक रेट नहीं रख पाते हैं। रहाणे ने इस सत्र में अबतक 150 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं। पिछले सत्र में उन्होंने 12 पारियों में 172.48 390 रन बनाए थे।

आईपीएल2026 : ऑरेंज कैप और पर्पल कैप पर राजस्थान रॉयल्स के खिलाड़ियों का कब्जा

गुवाहाटी। इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 में ऑरेंज और पर्पल कैप पर राजस्थान रॉयल्स (RR) के खिलाड़ियों को कब्जा जमा लिया है। राजस्थान रॉयल्स (RR) सलामी के बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने मुम्बई इंडियंस के खिलाफ 11-ओवर के मैच में मात्र 32 गेंदों पर नाबाद 77 रन ठोक डाले। इस पारी के साथ टूर्नामेंट में तीन पारियों में उनके 170 रन हो गए हैं और अब उनके पास ऑरेंज कैप है। मुम्बई इंडियंस के खिलाफ जायसवाल की विस्फोटक पारी ने उन्हें समीर रिजवी के रनों से दस रन आगे पहुंचा दिया। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के इस बल्लेबाज ने दो मैच जिताने वाली पारियों के साथ सीजन की शानदार शुरुआत की है और वह 160 रन पर हैं। उन्होंने हालिया मैच में मुम्बई इंडियंस के खिलाफ 90 रन बनाए थे। अब तक छह अन्य बल्लेबाज भी 100 रन के पार पहुंच चुके हैं, जिनमें हाइनरिक क्लासन (सनराइजर्स हैदराबाद), वैभव सूर्यवंशी (RR) और रोहित शर्मा (MI) शामिल हैं। वहीं पर्पल कैप की बात की जाए ऋक्का ही एक खिलाड़ी रवि बिश्नोई आगे है। एमआई के खिलाफ दो ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट लेने के बाद उनके कुल विकेट सात हो गए हैं। इससे पहले उन्होंने गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ 41 रन देकर 4 विकेट लिए थे। अब चार अन्य गेंदबाज दूसरे स्थान पर बराबरी पर हैं, जिनके पांच-पांच विकेट हैं - विजयकुमार वैशाक (पंजाब किंग्स), अंशुल कंबोज (चेन्नई सुपर किंग्स), नांद्रे बर्गर (आरआर) और जैकब डफी (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु)।

हरभजन सिंह ने खाटू श्याम मंदिर में दर्शन किये

सीकर। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने अपने परिवार के साथ खाटूश्यामजी मंदिर में दर्शन किये। हरभजन ने अपनी पत्नी गीता बसरा के साथ मंदिर में मत्था टेका। इस दौरान उन्होंने पूजा-अर्चना कर भगवान से आशीर्वाद प्राप्त किया। हरभजन सुबह ही मंदिर पहुंच गये थे। इस दौरान श्री श्याम मंदिर कमेटी के पदाधिकारियों ने उनका पारंपरिक तरीके से स्वागत सत्कार किया। मंदिर परिसर में प्रवेश करने के बाद उन्होंने विशेष पूजा अर्चना की और स्वास्तिक बनाकर बाबा श्याम से देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। साथ ही उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम के उज्ज्वल भविष्य के लिए भी प्रार्थना की। इस दौरान मंदिर परिसर में भारी तादाद में श्रद्धालु एकत्र रहे। हरभजन पिछले एक महीने में दूसरी बार खाटूश्यामजी पहुंचे हैं। इससे अंदाजा होता है कि यहां उनकी कितनी आस्था है। इससे पहले वह 9 मार्च को भारतीय टीम की टी-20 विश्व कप जीत के बाद भी भगवान के दर्शन कर धन्यवाद देने पहुंचे थे। उस समय उन्होंने जीत का श्रेय भगवान को देते हुए आभार जताया था। मंदिर कमेटी की ओर से हरभजन सिंह का विशेष सम्मान किया गया। कमेटी के मंत्री मानवेंद्र सिंह चौहान ने उन्हें बाबा श्याम का पवित्र मोरपंख, प्रसाद, दुपट्टा, निशान और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान हरभजन सिंह ने मंदिर की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि यहां श्रद्धालुओं के लिए किए गए इंतजाम काफी बेहतर। उन्होंने कमेटी के प्रयासों की भी प्रशंसा की। हरभजन करीब एक घंटे तक मंदिर में रुके और इस दौरान उन्होंने मंदिर कमेटी के कार्यालय में भी कुछ समय बिताया। उनके यहां देखकर श्रद्धालुओं में उत्साह छा गया। लोग उनके साथ फोटो और सेल्फी लेने के लिए उत्सुक नजर आए। सुरक्षा व्यवस्था के बीच उन्हें सुचारू रूप से दर्शन करवाए गए।

रिंकू को ऊपरी क्रम पर भेजे केकेआर : गांगुली

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने आईपीएल सत्र में लगातार हार से परेशान कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करने को कहा है। गांगुली के अनुसार टीम को बल्लेबाजी में आ रही परेशानियों को कम करने के लिए उप-कप्तान रिंकू सिंह को ऊपरी क्रम पर भेजना चाहिए। केकेआर अब तक इस सत्र में अपने सभी तीनों ही मैच हारी है। इससे उनका केवल एक अंक ही है। वह भी उसे पंजाब किंग्स के खिलाफ बारिश की वजह मैच नहीं होने से मिला है। केकेआर को अब गुरुवार को सुपर जायंट्स से खेलना है। इसी को देखते हुए गांगुली ने कहा, रिंकू को बल्लेबाजी क्रम में काफी नीचे भेजा जा रहा है जबकि वह काफी अच्छे बल्लेबाज हैं। मेरा मानना है कि कप्तान आजिंक्य रहाणे कुछ बदलाव करते हुए रिंकू को ऊपरी क्रम पर बल्लेबाजी के लिए भेजें। रिंकू ने आईपीएल के 2023 सत्र में गुजरात टाइटंस के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी की थी। तब वह पांच छक्के लगातकर रातो-रात स्टार बन गये थे। रिंकू ने आईपीएल के 2024 में भी केकेआर की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं इस बाहर केकेआर की पारी रहाणे और फिन एलन कर रहे हैं। वहीं कैमरन ग्रीन को तीसरे नंबर पर भेजा जा रहा है पर वह असफल रहे हैं। । अंगकृष रघुवंशी का नंबर उनके बाद आत है। वहीं रिंकू को नंबर 5 पर उतारा जा रहा है। रिंकू ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 21 गेंदों पर नाबाद 33 रन बनाए और उसके बाद ईडन गार्डन्स में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 25 गेंदों पर 35 रन बनाए थे।

अर्जेंटीना दौरे पर जाएगी भारतीय महिला हॉकी टीम

-13 से 17 अप्रैल के बीच चार मैच खेलेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सीनियर महिला हॉकी टीम चार मैचों की सीरीज खेलने के लिए अर्जेंटीना दौरे पर जाएगी। भारतीय टीम इस दौरे में मेजबान टीम के खिलाफ 13 से 17 अप्रैल के बीच ब्यूनस आयर्स में मैच खेलेगी। ये सभी मुकाबले नेशनल सेंटर ऑफ हाई परफॉर्मेंस एथलेटिक्स सेंटर (सीएएनएआरडी) में खेले जाएंगे। भारतीय टीम को इस दौरे से आगामी एफआईएच हॉकी विश्व कप और एशियाई खेलों की तैयारी का अवसर मिलेगा। भारतीय महिला टीम अर्जेंटीना के खिलाफ 13, 14, 16 और 17 अप्रैल को मैच खेलेगी। इस दौरे में टीम को अर्जेंटीना जैसी मजूबत टीम से खेलने और अपनी कमजोरियों को दूर करने का अवसर मिलेगा। दोनो ही टीमों के बची हाल में रोमांचक मुकाबले हुए हैं।

पिछले साल एफआईएच प्रो लीग में दोनों टीमों के बीच मैच 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुआ था। इस दौरे से आगामी एफआईएच हॉकी विश्व कप और एशियाई खेलों की तैयारी का अवसर मिलेगा। विश्व कप अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड में आयोजित होगा। वहीं एशियाई खेल सितंबर-अक्टूबर में जापान के आइची-नागोया में खेले जाएंगे। इस दौरे से टीम को सही संयोजन का पता लगाने का भी अवसर मिलेगा। भारतीय टीम के मुख्य कोच ने कहा, हम 24 खिलाड़ियों के साथ अर्जेंटीना जा रहे हैं। यह फैसला सोच-समझकर लिया गया है जिससे ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों को आजमाने का अवसर मिल सके। कोच ने टीम चयन को लेकर स्पष्ट किया, इस टीम में जगह बनाने के लिए आपको पहले यह साबित करना होगा कि आप एक 'टीम प्लेयर' हैं। उन्होंने कहा, व्यक्तिगत प्रदर्शन जरूरी है, लेकिन टीम के साथ तालमेल और सहयोग के बिना जगह बनाना मुश्किल है।

सिनर और अल्काराज ने क्ले-कोर्ट सीजन की शुरुआत जीत के साथ की

मोनाको। जानिक सिनर और कार्लोस अल्काराज ने दुनिया के नंबर एक स्थान के लिए अपनी होड़ जारी रखी, क्योंकि उन्होंने मोंटे कार्लो मास्टर्स में दूसरे दौर में शानदार जीत के साथ अपने क्ले-कोर्ट सीजन की शुरुआत की। बिना कोई सेट गंवाए 'सनशाइन डबल' पूरा करने के बाद, सिनर को फ्रांसीसी खिलाड़ी ह्यूगो हम्बर्ट को 6-3, 6-0 से हराने में सिर्फ़ 64 मिनट लगे - उन्होंने दूसरे सेट में सिर्फ छह पॉइंट गंवाए। यह इस इतालवी दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी की लगातार 18वीं मास्टर्स 1000 जीत थी, जिसने अब इस स्तर पर लगातार 36 सेट जीते हैं। अगर सिनर मोनाको में जीत हासिल करते हैं, तो सोमवार को रैंकिंग अपडेट होने पर वह अल्काराज की जगह दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बन जाएंगे। मौजूदा चैंपियन अल्काराज ने मंगलवार को बाद में, क्ले पर छह बार के एटीपी टूर चैंपियन, अर्जेंटीना के सेबेस्टियन बेज के खिलाफ 70 मिनट में 6-1, 6-3 से जीत के साथ अपने क्ले-कोर्ट सीजन की शुरुआत की। यह क्ले पर इस स्पेनिश खिलाड़ी का पहला मैच था, जब पिछले साल के रोमांचक फ्रेंच ओपन फाइनल में उन्होंने सिनर को हराया था; उस मैच में वह दो सेट पीछे चल रहे थे, लेकिन उन्होंने तीन चैंपियनशिप पॉइंट बचाते हुए अपना दूसरा रौलां गैरो खिताब जीता था। अल्काराज, जिनका क्ले पर 22-1 का रिकॉर्ड है और जिन्होंने 2025 में इस सतह पर तीन खिताब जीते हैं, नवंबर से नंबर एक स्थान पर काबिज़ हैं। अल्काराज ने कहा, 'मैं दुनिया का नंबर एक स्थान गंवाने वाला हूं। मुझे नहीं पता कि यह इसी टूर्नामेंट में होगा या अगले टूर्नामेंट में।' जैसे-जैसे सीजन यूरोपियन क्ले-कोर्ट स्विंग की ओर बढ़ रहा है, दोनों खिलाड़ियों के बीच अंकों का अंतर घटकर 1,190 रह गया है। मई की शुरुआत में होने वाले इटैलियन ओपन तक सिनर के पास बचाव के लिए कोई रैंकिंग अंक नहीं हैं, क्योंकि पिछले साल इसी समय वह दो डोपिंग टेस्ट में फेल होने के कारण तीन महीने का निलंबन झेल रहे थे। अगर उन्हें सात बार के मेजर विजेता के साथ रैंकिंग में अपनी जगह बदलनी है, तो उन्हें कम से कम सेमीफ़ाइनल तक पहुंचना होगा और फिर मोंटे कार्लो में अल्काराज के प्रदर्शन से बेहतर प्रदर्शन करना होगा। अगले राउंड में सिनर का मुकाबला अर्जेंटीना के फ़्रांसिस्को सेरुंडोलो से होगा, जबकि अल्काराज़ या तो अर्जेंटीना के टॉमस मार्टिन एचेवेरी या फ़्रांस के टेरेंस एटमैन के साथ खेलेंगे।

आरसीबी में आने से मेरे प्रदर्शन में आया बदलाव : पड़िकल

बेंगलुरु (एजेंसी)। बल्लेबाज देवदत्त पड़िकल ने आईपीएल के इस सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेलते हुए इस सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। पड़िकल ने अपनी बल्लेबाजी में आये इस बदलाव का श्रेय टीम को दिया है। इस बल्लेबाज ने कहा कि आरसीबी में वापसी उनके लिए निर्णायक रही है। इससे उनकी बल्लेबाजी और मानसिकता दोनो ही बदली है। इसी कारण उनका प्रदर्शन भी सुधरा है जिसे आंकड़ों में भी देखा जा सकता है। 2025 सीजन में इस बल्लेबाज ने आरसीबी के लिए 10 मैचों में 150.61 के स्ट्राइक रेट से 247 रन बनाए थे। वहीं 2026 में उन्होंने केवल दो मैचों में 111 रन बनाये। इससे उनका स्ट्राइक रेट 201.82 का रहा। पडिक्कल ने कहा, मुझे लगता है कि आरसीबी के लिए हुई नीलामी ने अंतिर पैदा किया। तब मुझे ये फैसला करना पड़ा कि मैं किस तरह का क्रिकेटर बनना चाहता हूं। उन्होंने साथ ही कहा, इस टीम में वापसी ने मुझे अपने तरह से क्रिकेट खेलने का अवसर मिला। इसके बाद से ही मैंने ये सोच लिया कि मुझे अपनी कमजोरियों को दूर करना है फिर चाहे परिणाम कुछ भी हो। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने अपने खेल को सुधारने के लिए लगातार मेहनत की और उसी का परिणाम है कि अब वह अच्छी बल्लेबाजी कर पा रहे है।वहीं इस बल्लेबाज ने कहा कि लखनऊ सुपरजायंट्स से खेलने के दौरान वह परेशानी में थे। उन्होंने कहा, वह समय मेरे लिए काफी मुश्किल था और मैं समझ नहीं पा रहा था कि क्या गलत हो रहा है। उन्होंने कहा, जब फ्रेंचाइजी आप पर पैसा खर्च करती है और आप अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते, तो लगता है कि आप उन्हें निराश कर रहे हैं। स क्रिकेटर ने कहा, उस खराब सत्र ने मुझे और बेहतर बनने के लिए प्रेरित किया। साथ ही कहा कि विफल होने से ही उन्हें कड़ी मेहनत की प्रेरणा मिली। इससे उनका मनोबल भी बढ़ा है।

सूर्यवंशी ने बुमराह को भी सोचने पर मजबूर कर दिया :डेल स्टेन

गुवाहाटी (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स (RR) के सलामी बल्लेबाजों यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी के खिलाफ सही गेंदबाजी योजना बनाना बेहद ही मुश्किल है। यहां तक कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के लिए भी यह एक टेढ़ी खीर है। IPL 2026 में अपना लगातार दूसरा मैच गंवाने के बाद मुंबई इंडियंस (MI) के कोच माहेला जयवर्धने ने ऋक्र से मैच हारने के बाद कहा, 'हां, मुझे लगता है हमारे पास कुछ योजनाएं थी, लेकिन सच कहूं तो हम उन्हें उस तरीके से लागू नहीं कर पाए जैसा हम चाहते थे।'

मैच के बाद प्रेस कॉफ्रेंस में जयवर्धने ने कहा, 'हमें इस खतरे का अंदाजा था, खासकर जब बारिश के कारण मैच 11-11 ओवर का हो गया और शुरुआत में हमें खुलकर खेलने की छूट मिली। हमें सुनिश्चित करना था कि पहले चार-पांच ओवर हमारे लिए अहम हों। मुझे लगा कि हमने उनकी शुरुआत के बाद अच्छी वापसी की। लेकिन हां, हमने अपनी लाइन-लेंथ मिस की और उन्होंने बहुत अच्छा खेला।'

पहले बल्लेबाजी करने उतरी RR ने दीपक चाहर के पहले ओवर से 22 रन बनाए और पांच ओवर में उनकी टीम 80/1 तक पहुंच गई। जयवर्धने ने यह सही कहा कि MI ने वापसी की। छठे से दसवें ओवर के बीच सिर्फ 52 रन बने और आखिरी ओवर में 18 रन। लेकिन शुरुआत में हुआ नुकसान MI के लिए भारी साबित हुआ। हालांकि RR की बल्लेबाजी में जायसवाल स्टार रहे, जिन्होंने 32 गेंदों पर नाबाद 77 रन बनाए। लेकिन उतना ही असर सूर्यवंशी की पारी का भी रहा। उन्होंने 14 गेंदों पर 39 रन बनाए।

डेल स्टेन ने कहा कि गेंदबाज, यहां तक कि बुमराह जैसे बेहतरीन खिलाड़ी भी, सूर्यवंशी के खिलाफ थोड़ा मानसिक दबाव में आ सकते हैं। स्टेन ने ईएसपीएन क्रिकइंफो के टाइम आउट शो में कहा, 'सच कहूं तो उन्होंने गेंदबाजों में थोड़ा डर पैदा कर दिया है कि वह आपके पीछे बाउंड्री के लिए ही जाएगा। खासकर बुमराह की सूर्यवंशी को डाली गई पहली गेंद, जो मिड-ऑन के ऊपर गई। बुमराह की वह गेंद स्लॉट में थी। बुमराह के खिलाफ ऐसा करना बहुत दुर्लभ है। महान बुमराह भी मन में सोच रहे होंगे कि 'गलती मत करना; क्योंकि अगर गलती हुई, तो यह खिलाड़ी मुझे छक्का मारेगा।' सूर्यवंशी फिलहाल वही कर रहे हैं। दरअसल आपको बहुत बड़ी गलती करने की भी जरूरत नहीं है। वह आपको छोटी गलतियों पर भी सजा दे सकते हैं। स्टेन ने गेंदबाजों की मानसिकता पर कहा, 'आप देख सकते हैं, जब वैभव ने छक्का मारा, तो वह (बुमराह) थोड़ा हंसे और जैसे कहा, 'मुझे पता था अगर मैं गलती करूंगा तो ऐसा ही होगा। और वही हुआ। यह लड़का डरता नहीं है। अगर आप हाफ-वॉली डालते हैं, तो वह आपको मैदान के बाहर मार देगा। इसलिए अपनी लेंथ पीछे खींचो और अच्छी लेंथ डालो, तब शायद आप उस पर नियंत्रण पा सकते हैं। लेकिन अगर आप चूक गए, तो गेंद दूर जाएगी। फर्क नहीं पड़ता कि आप कौन हैं, बुमराह या कोई आम गेंदबाज। यह बेहतरीन बल्लेबाजी है।'

कोच पामेला ने घोषित की अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम, रुस के खिलाफ खेलेगी तीन दोस्ताना मुकाबले

नई दिल्ली। भारतीय महिला फुटबॉल टीम की कोच पामेला कोनटी ने कहा है कि रुस के खिलाफ सोची में होने वाले अंडर-17 फुटबॉल मुकाबलों के लिए उभरते हुए खिलाड़ियों को अवसर दिया गया है। भारतीय टीम 11 से 17 अप्रैल के बीच होने वाले इस दौर में रूस के खिलाफ तीन दोस्ताना मैच खेलेगी। इस दौरो के लिए 23 सदस्यीय टीम घोषित की गयी है। इस दौरे से भारतीय टीम को एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप की तैयारी का भी अवसर मिलेगा। इस दौरे से खिलाड़ियों को अपनी रणनीति और तैयारियों को आंकने का अवसर मिलेगा। रूस जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलने से टीम अपने कमजोरियों को दूर कर सकेगी। भारत और रूस के बीच ये तीनों मैच 11, 14 और 17 अप्रैल को सोची के मात्सेस्टा फुटबॉल सेंटर में होंगे। भारतीय टीम ने इन मुकाबलों के लिए सोची में अभ्यास भी शुरु कर दिया है। इस सीरीज से युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल होगा। इस टूर्नामेंट से भारतीय टीम को इस साल चीन में होने वाले एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप की तैयारी को अवसर मिलेगा। इस टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम को ग्रुप बी में रखा गया है। इसमें उसका सामना ऑस्ट्रेलिया से 2 मई, जापान से 5 मई और लेबनान से 8 मई को होगा। ये सभी मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 2:30 बजे खेले जाएंगे।

हुमा कुरैशी की चमक के कायल हुए हॉलीवुड निर्देशक जैक स्नाइडर, बताया बेहतरीन एक्ट्रेस

मशहूर हॉलीवुड निर्देशक जैक स्नाइडर ने अभिनेत्री हुमा कुरैशी की जमकर तारीफ की। उन्होंने हुमा को फिल्म 'आर्मी ऑफ द डेड' में काम करने वाले सबसे अच्छे कलाकारों में से एक बताया। जैक स्नाइडर ने मंगलवार को हुमा कुरैशी की तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'हुमा कुरैशी उन बेहतरीन अभिनेत्री में से एक हैं, जिनके साथ मुझे 'आर्मी ऑफ द डेड' में काम करने का अवसर मिला। टैलेंट, स्क्रीन पर मौजूदगी और जबरदस्त चमक थी।' मनोरंजन जगत के कलाकारों ने भी जैक के पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने लिखा, 'आप सबसे बढ़िया हैं... बॉस।' फराह खान ने लिखा, 'अरे वाह।' 'आर्मी ऑफ द डेड' स्नाइडर की बनाई एक कहानी पर आधारित है। फिल्म की कहानी कुछ सैनिकों के एक ग्रुप के इर्द-गिर्द घूमती है, जो जॉम्बी के कहर के दौरान लास वेगास के एक कसीनो में डकैती की योजना बनाते हैं। स्नाइडर ने 'आर्मी ऑफ द डेड' का आइडिया अपनी 2004 में आई पहली फिल्म 'डॉन ऑफ द डेड' की अगली कड़ी के तौर पर सोचा था। इस फिल्म में कई बड़े एक्टर्स ने काम किया है, जिनमें डेव बॉतिस्ता, एला पर्नेल, ओमारी हार्डविक, एना डे ला रेग्वेरा, थियो रॉसी, मैथियास श्वेघोफर, नोरा अर्नेजेडर, हिरोयुकी सनाडा, टिग नोटारो, राउल कैस्टिलो, हुमा कुरैशी और गैरेट डिलाहंट शामिल हैं। अभिनेत्री हुमा कुरैशी जल्द ही 'टॉक्सिक : ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप' में नजर आएंगी। गैंगस्टर एक्शन-ड्रामा है, जिसे गीतु मोहनदास ने डायरेक्ट किया है। यश ने खुद स्क्रिप्ट लिखी है और लीड रोल में हैं। फिल्म में नयनतारा, कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, रुक्मिणी वसंत और तारा सुतारिया अहम किरदारों में नजर आएंगी। फिल्म की रिलीज पहले 19 मार्च 2026 को रिलीज किया जाना था, लेकिन केवियन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंज क्रिएशंस ने अपने प्रमुख डिस्ट्रीब्यूशन पार्टनर 'फार्स फिल्म्स' के परामर्श पर इसे वैश्विक स्तर पर स्थगित कर दिया था। अब फिल्म को 4 जून 2026 को प्रदर्शित किया जाएगा।

'क्वीन 2' में कंगना रनोट नजर आएंगी, अप्रैल के आखिर तक शुरू होगी शूटिंग

कंगना रनोट की फिल्म 'क्वीन' के सीक्वल की तैयारी शुरू हो गई है। रिपोर्ट में दावा किया गया कि कंगना और डायरेक्टर विकास बहल 'क्वीन 2' की शूटिंग अप्रैल के अंत तक शुरू करेंगे। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि फिल्म की कहानी पहली फिल्म का सीधा सीक्वल नहीं होगी, बल्कि यह खुद को खोजने और आत्मनिर्भरता के विषयों को दिखाएगी। इस बार कंगना का किरदार रानी छोटे शहर की नहीं, बल्कि शहर में रहने वाली लड़की होगी। कहानी में रानी एक ऐसी स्थिति का सामना करेगी, जो उसे खुद को खोजने के सफर पर ले जाएगी। फिल्म में दिखाया जाएगा कि वह अपनी पहचान, समझ और हिम्मत से जिंदगी की मुश्किलों का सामना कैसे करती है। इस बार उसका सफर उसे भारत के अलग-अलग शहरों में ले जाएगा।

फिल्म में कंगना के अलावा पहली फिल्म के कलाकार जैसे राजकुमार राव और लीजा हेडन नजर नहीं आएंगे। बताया जा रहा है कि सपोर्टिंग रोल्स के लिए थिएटर कलाकारों को चुना गया है। शूटिंग की शुरुआत मुंबई के एक स्टूडियो में होगी, जहां उत्तर भारतीय शहर और रानी के घर के सेट तैयार किए जाएंगे। इसके बाद टीम अन्य मेट्रो शहरों में शूटिंग करेगी। फिल्म की शूटिंग लगभग तीन महीने में पूरी की जाएगी। 'क्वीन' (2014) को फैंटम फिल्म्स और वायकॉम18 मोशन पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया था। फैंटम फिल्म्स के 2018 में बंद होने के बाद, 'क्वीन 2' को विकास बहल अपने बैनर तले बना रहे हैं। वे फिल्म के राइटर भी हैं। इस फिल्म के बाद कंगना रनौत 'तनु वेड्स मनु 3' की शूटिंग शुरू करेंगी, जिसका डायरेक्शन आनंद एल राय करेंगे।

'कॉल मी बे' के दूसरे सीजन में नजर आएंगी

अनन्या पांडे फिल्मों के अलावा सीरीज का भी हिस्सा बन रही हैं। अपनी अपकमिंग एक सीरीज की शूटिंग एक्ट्रेस ने खत्म कर ली है। अनन्या पांडे ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट पर अपकमिंग सीरीज की शूटिंग खत्म होने की जानकारी दी। सीरीज की शूटिंग खत्म होने का जश्न भी मनाया है।

अनन्या पांडे जल्द ही सीरीज 'कॉल मी बे' के दूसरे सीजन में नजर आएंगी। इस सीरीज में वह एक स्टाइलिश लड़की के रोल में हैं, जिसकी लाइफ में कई दिक्कतें आती हैं लेकिन वह अपने ही अलग अंदाज में इनका हल तलाश लेती है। इस सीरीज में अनन्या पांडे के साथ इस बार श्रुति हासन भी नजर आएंगी। 'कॉल मी बे 2' को करण जौहर ने प्रोड्यूस किया है। इससे पहले भी अनन्या पांडे करण जौहर प्रोडक्शन के कई प्रोजेक्ट्स कर चुकी हैं। 'कॉल मी बे 2' के अलावा अनन्या पांडे एक फिल्म 'चांद मेरा दिल' भी कर रही हैं। यह फिल्म इसी साल रिलीज होगी।

पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म 'उग्रयुद्धम' में नजर आ सकती हैं सप्तमी गौड़ा

सप्तमी गौड़ा ने अपने करियर की शुरुआत डायरेक्टर सूरी की फिल्म 'पॉपकॉर्न मंकी टाइगर' से की थी। इसके बाद उन्हें ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांतारा' से बड़ी पहचान मिली। इस फिल्म के बाद उन्होंने हिंदी और तेलुगु फिल्मों में भी काम करना शुरू कर दिया है। अब उनकी अगली फिल्म को लेकर बड़ी अपडेट सामने आ रही है।

500 साल पहले की कहानी पर होगी फिल्म

एक्ट्रेस सप्तमी गौड़ा जल्द ही एक्टर श्रीमुरली के साथ आने वाली पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म 'उग्रयुद्धम' में नजर आ सकती हैं। फिलहाल इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इंडस्ट्री सूत्रों के मुताबिक सप्तमी को इस फिल्म में फीमेल लीड के तौर पर कास्ट किया गया है। इस फिल्म को डेब्यू डायरेक्टर पुनीत रुद्रनाग डायरेक्ट कर रहे हैं, वहीं इसे जयाराम देवसमुद्रा सुरम मूवीज के बैनर तले प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म बड़े स्तर पर बनाई जा रही है और इसमें इतिहास और फिक्शन देखने को मिलेगा। कहानी लगभग 500 साल पहले के समय पर आधारित बताई जा रही है।

श्रीमुरली ने 'उग्रयुद्धम' को बताया ड्रीम प्रोजेक्ट

यह पहली बार होगा जब सप्तमी गौड़ा और श्रीमुरली एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। श्रीमुरली ने 'उग्रयुद्धम' को अपना ड्रीम प्रोजेक्ट बताया है और अपने किरदार के लिए वह खास तैयारी भी कर रहे हैं। खबर है कि वह इस फिल्म में एक नए लुक में नजर आएंगे, जो फिल्म के ऐतिहासिक माहौल के मुताबिक होगा। फिलहाल सप्तमी के रोल को लेकर ज्यादा जानकारी अभी सामने नहीं आई है। हाल ही में 'द राइज ऑफ अशोका' में नजर आने के बाद 'उग्रयुद्धम' उनकी फिल्मों की लिस्ट में एक बड़ा प्रोजेक्ट मानी जा रही है। फिल्म की टेक्निकल टीम में सिनेमैटोग्राफर संकेथ (मैसूर), आर्ट डायरेक्टर अमर और वीएफएक्स का काम निर्मल कुमार संभाल रहे हैं, जो 'सलार' में अपने काम के लिए जाने जाते हैं।

मैं ज्यादा स्क्रीन टाइम के लिए नहीं लड़ती, जो मौका मिलता है उसका फायदा उठाती हूं

एक्शन-क्राइम ड्रामा वेब सीरीज 'कप्तान' ओटीटी पर स्ट्रीम हो रही है। यह सीरीज ज्वालाबाद शहर में एसएसपी समरदीप सिंह की कहानी पर आधारित है। इसमें साकिब सलीम के अलावा सिद्धार्थ निगम, कविता कौशिक और अंजुम शर्मा जैसे मंझे हुए कलाकार नजर आ रहे हैं। सीरीज में कविता कौशिक ने डीएसपी प्रीत का रोल निभाया है, जो एक सख्त महिला पुलिस अधिकारी होती है। अभिनेत्री का कहना है कि उन्हें पुलिस के किरदार में ढलने में ज्यादा दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ा था। अभिनेत्री ने हाल ही में बातचीत की, जिसमें उन्होंने अपने किरदार के ढलने की प्रक्रिया पर जोर देते हुए कहा, 'मुझे अपने किरदार के लिए ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी थी क्योंकि मेरा बैकग्राउंड ही पुलिस से जुड़ा हुआ है। मेरे पिता एक पुलिस अधिकारी थे। बचपन से हम उसी माहौल में बड़े हुए हैं। इसलिए यह भूमिका मेरे लिए स्वाभाविक लगी। चाहे चंद्रमुखी चौटाला का किरदार हो या फिर डीएसपी प्रीत, पुलिस वाली बात मेरी परफॉर्मेंस में अपने आप दिख जाती है। कविता ने आगे बातचीत में पूरी टीम की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, 'हमारे पास बहुत अच्छा डायरेक्टर, शानदार प्रोड्यूसर्स और एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म है। हमारी कास्ट भी कमाल की है। सब कुछ मुझे सही लगा था, यही कारण है कि सीरीज के लिए हां कहना बहुत आसान हो गया था।' अभिनेत्री ने मुश्किल शूट के बारे में बात करते हुए कहा, 'सच कहूं, तो मुझे सीन शूट करने में दिक्कत नहीं हुई। अगर मैं मुश्किल कहूंगी तो यह अन्य कलाकारों के साथ नाइंसाफी होगी। वे बहुत कठिन हालात में भी फिट रहते हुए जबरदस्त एक्शन सीन कर रहे थे। उनका अनुशासन और समर्पण देखकर मैं प्रेरित हुई। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा। मेरी भूमिका उनकी तुलना में काफी आरामदायक थी।' अक्सर पुलिस ड्रामा में महिला अधिकारियों को कम महत्व दिया जाता है। इस पर कविता ने बेबाकी से कहा, 'मैंने अपने करियर में कभी खुद को नजरअंदाज महसूस नहीं किया। मुझे जो मौका मिलता है, उसका पूरा फायदा उठाती हूं। मैं ज्यादा स्क्रीन टाइम के लिए नहीं लड़ती। मेरा फोकस अपने काम के असर पर रहता है।'

'रणबाली' से लेकर 'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी रश्मिका मंदाना

शादी के बाद रश्मिका मंदाना कई बड़ी बजट की फिल्मों में नजर आने वाली हैं। इस लिस्ट में 'रणबाली' से लेकर 'एनिमल पार्क' और 'कॉकटेल 2' जैसी कई फिल्में शामिल हैं। इन फिल्मों में एक्शन, रोमांस और थ्रिलर देखने को मिलेगा। रश्मिका मंदाना इन सभी फिल्मों के जरिए अलग-अलग तरह के किरदार निभाने वाली हैं। दर्शक इन फिल्मों की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

'मैसा'

'मैसा' एक तेलुगु एक्शन ड्रामा फिल्म है। इसमें रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म में रश्मिका एक

गोंड जनजाति की महिला का किरदार निभा रही हैं। उनका किरदार बहुत बेबाक, जोशीला, साहसी और मजबूत इच्छाशक्ति वाला है। इस फिल्म का निर्देशन रवींद्र पुल्ले कर रहे हैं। यह फिल्म गोंड जनजाति की संस्कृति और परंपराओं पर आधारित एक भावनात्मक एक्शन थ्रिलर है।

'रणबाली'

'रणबाली' एक तेलुगु फिल्म है। इसमें रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा मुख्य भूमिकाओं में हैं। विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की शादी के बाद यह उनकी पहली फिल्म साथ में होगी। 'रणबाली' की कहानी 18वीं सदी की है। यह रायलसीमा क्षेत्र के एक बहादुर स्वतंत्रता सेनानी की कहानी है, जो ब्रिटिश राज के खिलाफ लड़ता है। रश्मिका इस फिल्म में विजय की पत्नी जयम्मा का किरदार निभा रही हैं।

'पुष्पा 3 : द रैम्पेज'

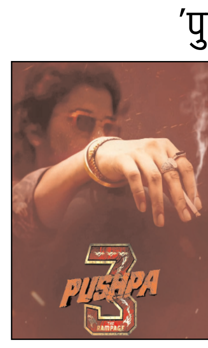

'पुष्पा 3 : द रैम्पेज' सुपरहिट 'पुष्पा' सीरीज की तीसरी फिल्म है। रश्मिका मंदाना एक बार फिर श्रीवल्ली के रोल में वापसी करेंगी। अल्लू अर्जुन फिर से 'पुष्पा' के किरदार में नजर आएंगे। इस फिल्म में पिछले भागों से भी ज्यादा एक्शन, रोमांस और रोमांच देखने को मिलेगा।

AA22×A6

AA22×A6 एक तेलुगु फिल्म है। इसमें दीपिका पादुकोण और अल्लू अर्जुन साथ काम कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन प्रसिद्ध निर्देशक एटली कर रहे हैं। कहानी एक दिव्य योद्धा (अल्लू अर्जुन) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अराजकता से लड़ता है और पूरे ब्रह्मांड को बचाने का मिशन लेता है।

'एनिमल पार्क'

'एनिमल पार्क' 2023 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'एनिमल' की सीक्वल है। 'एनिमल पार्क' की शूटिंग 2027 में शुरू होने की उम्मीद है। इस फिल्म का निर्देशन संदीप रेड्डी वांगा कर रहे हैं। इसमें रणबीर कपूर दो हमशक्ल किरदारों में नजर आएंगे। रश्मिका मंदाना अपनी पिछली भूमिका गीतांजलि (रणविजय सिंह की पत्नी) को फिर से निभाती नजर आएंगी।

'कॉकटेल 2'

'कॉकटेल 2' एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है। फिल्म 'कॉकटेल 2' में एक अनोखी और अलग तरह की प्रेम कहानी दिखाई जाएगी। रश्मिका मंदाना, शाहिद कपूर और कृति सेनन मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन होमी अदजानिया कर रहे हैं।

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद, (गुरुवार) 09 अप्रैल 2026

संक्षिप्त समाचार

नाइजीरिया : पुलिस-नागरिकों पर हमले, 26 मरे

अबूजा, एजेंसी। उत्तरी नाइजीरिया में तीन अलग-अलग हमलों में 26 की मौत हो गई। नाइजीरियाई सेना ने कहा, शनिवार को उत्तर-मध्य बेनू प्रांत के ग्वेर वेस्ट क्षेत्र में म्बालोम समुदाय 17 लोग मारे गए। उत्तर-पूर्व स्थित बोर्नो प्रांत में इसी दिन पुलिस और आईएस से जुड़े समूह में लंबी मुठभेड़ में 4 पुलिस अफसर मारे गए। रविवार को अरिको गांव में ईस्टर के मौके पर एक प्रार्थना सभा में पांच लोगों की हत्या कर दी गई।

पाकिस्तान : दियामेर बांध पर अशांति बढ़ी प्रदर्शनकारियों ने रोका काराकोरम मार्ग

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित बाल्टिस्तान में दियामेर बांध से प्रभावित समुदायों का विरोध प्रदर्शन और तेज हो गया है। डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने दियामेर जिले में काराकोरम राजमार्ग (केकेएच) के कई हिस्सों को अवरुद्ध कर दिया और मांगें पूरी नहीं होने पर उन्होंने बांध निर्माण स्थल की ओर मार्च किया। इस दौरान बांध प्रभावित समिति ने 'हुकूक दो, बांध बनाओ' जैसे नारे भी लगाए। दियामेर-भाशा बांध प्रभावित समिति चिलास और थोरे में लगातार पांच दिनों से धरना दे रही है। यह आंदोलन पिछले साल संघीय सरकार और प्रदर्शनकारियों के बीच हुए समझौते के लागू न होने के विरोध में शुरू हुआ था। आयोजकों ने कहा-चिलास, गोनर फार्म, गोहरबाद और आसपास के इलाकों के निवासी धरने में शामिल होने थोरे घाटी पहुंचे।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान से कहा टीटीपी को आतंकी गुट घोषित करें

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान ने मांग की है कि अफगानिस्तान, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को औपचारिक रूप से आतंकवादी संगठन घोषित करे और दोनों देशों के बीच सीमा विवाद को सुलझाने की शर्त के तौर पर उसके बुनियादी ढांचे को खत्म करे। ये बातचीत चीन में हुई थी।

चीन में नया ट्रेंड, प्रियजनों की अस्थियों को खाली फ्लैट में रखने लगे हैं लोग

बीजिंग, एजेंसी। चीन में बदलते हालात के बीच एक चौंकाने वाला नया ट्रेंड सामने आया है। अंतिम संस्कार की बढ़ती लागत और कब्रिस्तान में जगह की कमी के चलते कई परिवार अपने प्रियजनों की अस्थियों को खाली फ्लैट में रखने लगे हैं। अब सरकार ने इस पर नया कानून बनाकर प्रथा पर लगाम कसने की तैयारी की है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, बोन एश अपार्टमेंट्स के नाम से पहचाने जाने वाले इन फ्लैट्स में रिश्तेदारों की अस्थियों के कलश रखकर धार्मिक रस्मे निभाई जाने लगी हैं। इस ट्रेंड का कारण आर्थिक दबाव है क्योंकि संपत्ति के दाम 40 फीसदी तक गिरे हैं। सरकार यहां भी धार्मिक गतिविधियों को अंजाम देने से रोकने जा रही है।

पाकिस्तान में ऊर्जा बचाने के लिए मार्केट और मॉल जल्दी बंद होंगे

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार ने ईंधन संकट के चलते बाजार और शॉपिंग मॉल जल्दी बंद करने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री शेहबाज शरीफ की अध्यक्षता में इस पर बैठक हुई। पंजाब, बलूचिस्तान, इस्लामाबाद और पाकिस्तान-नियंत्रित कश्मीर में मार्केट और मॉल मंगलवार से रात 8 बजे बंद होंगे। खैबर-पख्तूनख्वा में मुख्य शहरों में 9 बजे तक खुलने की छूट रहेगी। सिंध में समय तय करने के लिए मुख्यमंत्री मुराद अली शाह ने व्यवसाय प्रतिनिधियों से परामर्श लेने की बात कही ।बेकरी, रेस्टोरेंट और खाने-पीने की दुकानों को रात 10 बजे बंद करने का निर्णय लिया गया। शादी हॉल भी रात 10 बजे बंद होंगे। मेडिकल स्टोर और फार्मेसियों पर समय का प्रतिबंध नहीं होगा। सरकार का उद्देश्य ईंधन की खपत कम करना और विदेशी मुद्रा बचाना है।

वेनेजुएला की डेल्सी रोड्रिग्ज अभी भी कार्यवाहक राष्ट्रपति

काराकास, एजेंसी। वेनेजुएला में डेल्सी रोड्रिग्ज 90 दिनों की अंतरिम अवधि पूरी होने के बाद भी कार्यवाहक राष्ट्रपति बनी हुई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि निकोलस मादुरो अभी भी राष्ट्रपति हैं, लेकिन उनकी जबरन अनुपस्थिति के कारण उप-राष्ट्रपति की भूमिका रोड्रिग्ज ने संभाली। अंतरिम नियुक्ति 90 दिनों तक होती है, और राष्ट्रीय सभा इसे 90 दिन और बढ़ा सकती है। राष्ट्रपति मादुरो और उनकी पत्नी को जनवरी में न्यूयॉर्क में ड्रग से जुड़ी कानूनी कार्रवाई के लिए ले जाया गया। दोनों निर्दोष होने का दावा कर चुके हैं।

ट्रम्प के हमलों से निपटने के लिए ईरान में बनेगी मानव शृंखला, ढाल का करेंगे काम

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है। अमेरिका और इस्राइल के हमले तीव्र हो गए हैं, मिसाइलें आसमान में झूल रही हैं और धमाके शहरों में भय और तबाही फैला रहे हैं। तेल और गैस की आपूर्ति खतरे में है, वैश्विक बाजार अस्थिर हैं। होर्मुज जलसंधि की ब्लॉकिंग से दुनिया की अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव बढ़ रहा है। हर पल संघर्ष और विकराल होता जा रहा है और शांति के संकेत कहीं नजर नहीं आते। ट्रंप की डेडलाइन से पहले ईरान ने अपनाई मानव श्रृंखला बनाने की योजना अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की समयसीमा नजदीक आने से पहले ईरान ने बड़ी योजना बनाई है। तेहरान ने कथित तौर पर युवा ईरानियों से ईरान के प्रमुख बिजली संयंत्रों के चारों ओर प्रतीकात्मक मानव शृंखला बनाने का आह्वान किया है। ईरान के खेल और युवा मंत्रालय ने एथलीटों, कलाकारों और छात्रों सहित देश के युवाओं से मंगलवार को दोपहर दो बजे (स्थानीय समय) से इन स्थलों के आसपास इकट्ठा होने का आह्वान किया है। ईरान के युवा मामलों के उप मंत्री अलीरेजा रहीमी ने एक वीडियो संदेश में कहा, 'कई विश्वविद्यालय के युवाओं, युवा कलाकारों और युवा संगठनों ने प्रस्ताव दिया कि हम देश के बिजली संयंत्रों के चारों ओर एक मानव घेरा या मानव शृंखला बनाएं। न्यूजीलैंड बोला- ईरानी बुनियादी ढांचे के खिलाफ अमेरिकी

धमकियां 'निरर्थक' न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने ईरानी नागरिक अवसंरचना के खिलाफ ट्रंप की हालिया धमकियों को निरर्थक बताया है। उन्होंने कहा कि यह मददगार नहीं है, क्योंकि और अधिक सैन्य कार्रवाई की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मूल बात यह है कि इस संघर्ष को और अधिक फैलने से रोकने पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है।' उन्होंने कहा कि इस सप्ताह वॉशिंगटन में होने वाली बैठक में न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स का अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो को संदेश होगा कि संघर्ष को कम किया जाए। ईरान ने जनवरी से हिरासत में लिए गए जापानी नागरिक को किया रिहा जापान ने मंगलवार को कहा कि जनवरी से ईरान में हिरासत में लिए गए एक जापानी नागरिक को रिहा कर दिया गया है। मुख्य कैबिनेट सचिव मिनोरू किहारा ने पत्रकारों को बताया कि उनकी रिहाई की पुष्टि सोमवार को हुई थी। जिस व्यक्ति को रिहा किया गया है, वह जापान के एनएचके सार्वजनिक टेलीविजन में पत्रकार बताया जा रहा है। किहारा ने कहा कि व्यक्ति स्वस्थ है, लेकिन उन्होंने आगे कोई जानकारी देने से इनकार कर दिया। अमेरिकी सेना ने ईरान युद्ध में अब तक 13,000 से अधिक ठिकानों पर किया हमला अमेरिकी सेना ने ईरान युद्ध में अब तक 13,000 से अधिक लक्ष्यों पर हमले किए हैं। पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य अभियानों के लिए जिम्मेदार और ईरान पर हमलों का नेतृत्व कर रही अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि उसकी सेनाओं ने 13,000 से अधिक ईरानी ठिकानों पर हमला किया है। सेंट्रल कमांड ने यह भी कहा कि 155 से अधिक ईरानी जहाजों को नुकसान पहुंचाया गया है या नष्ट कर दिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि अमेरिकी परमाणु-संचालित विमानवाहक पोत और पनडुब्बियां ऑपरेशन एपिक फ्यूरी में भाग ले रही हैं। इसके साथ ही एफ-35 स्टील्थ फाइटर जेट से लेकर बी-52 बमवर्षक विमानों तक का एक बेड़ा भी इसमें शामिल है। इराक में ड्रोन हमले में पति-पत्नी की मौत, ईरान पर आरोप इराक के उत्तरी हिस्से में एक बड़ा हमला सामने आया है। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, एरबिल प्रांत में ईरान की ओर से आए ड्रोन हमले में दो नागरिकों की मौत हो गई। बताया गया कि यह हमला देर रात हुआ, जब एक विस्फोटक से भरा ड्रोन एरबिल के दराशाकरान इलाके के जरका ज़ोय गांव में एक घर पर गिरा। इस हमले में एक शादीशुदा जोड़े की जान चली गई। एरबिल के गवर्नर ओमिद खोशनॉव ने इस हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन और युद्ध अपराध बताया है। स्थानीय सुरक्षा एजेंसियां इस हमले की जांच कर रही हैं और मामले को गंभीर मान रही हैं।

ईरान में जंग के बीच नया तनाव: चीन ने 40 दिन के लिए ताइवान का हवाई क्षेत्र बंद किया

बीजिंग/ताइपे, एजेंसी। दुनिया जहां पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष पर ध्यान लगाए हैं वहीं चीन इस फिराक में है कि वह अपने एक चीन एजेंडे को कैसे अमल में लाए। इसके लिए उसने ताइवान द्वीप के पास 40 दिनों के लिए हवाई क्षेत्र बंद करने का कदम उठाया है।

बता दें, ताइवान को चीन अपना ही क्षेत्र मानता है और इस जलक्षेत्र में अपने लड़ाकू विमान तथा जंगी विमानवाहक पोत भेजता रहा है। उसने छह मई तक यह बड़ा हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रविवार की एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने बिना कोई स्पष्टीकरण दिए अपने क्षेत्र को 40 दिनों के लिए बंद करने का नोटिस जारी किया है। यह हवाई क्षेत्र दक्षिण कोरिया के पास पीत सागर से जापान के पास पूर्वी चीन सागर तक फैला हुआ है। चीन का यह कदम ये ऐसे वक्त हो रहा है जबकि अमेरिका इन दिनों ईरान में उलझा हुआ है और इस क्षेत्र से सैन्य साजो सामान भी पश्चिम एशिया ले जाया गया है। पहले ऐसे हवाई क्षेत्र की बंदी सैन्य अभ्यासों के लिए महज कुछ दिनों की ही होती थी। इतने लंबे हवाई क्षेत्र की बंदी के फैसले के पीछे की वजह चीनी विदेश मंत्रालय ने किसी को नहीं बताई है। आशंका है कि चीन मौजूदा हालात में ताइवान पर आक्रामक हो सकता है और इसीलिए ऐसी साजिशें कर रहा है।

ताइवान के पास 3 चीनी जहाज और 6 पोतों की मौजूदगी दिखी ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार सुबह अपने क्षेत्रीय जलक्षेत्र के आसपास तीन चीनी सैन्य विमानों, छह नौसैनिक जहाजों और दो सरकारी जहाजों की मौजूदगी का पता लगाया। तीनों विमानों ने मध्य रेखा पार कर ताइवान के उत्तरी और पूर्वी भाग के रक्षा सुरक्षा क्षेत्र में प्रवेश किया। सशस्त्र बलों ने स्थिति पर नजर रखी और जवाबी कार्रवाई की। इससे पहले रविवार को, ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने छह चीनी सैन्य जहाजों और एक सरकारी जहाज की मौजूदगी का पता लगाया था। गोपनीय अभियान की बढ़ी संभावना चीन आरक्षित क्षेत्र ताइवान के मुख्य द्वीप से बड़े क्षेत्र में है। इसमें शंघाई के उत्तर व दक्षिण स्थित अपतटीय हवाई क्षेत्र भी शामिल है। अमेरिकी संघीय विमानन प्रशासन के अनुसार, यह क्षेत्र दक्षिण कोरिया की ओर पीत सागर से लेकर दक्षिण में जापान की ओर पूर्वी चीन सागर तक फैला हुआ है। क्षेत्र में इतनी लंबी बंदी से शक है कि वह गुप्त मुहिम चलाने की योजना बना रहा है।

ईरानी बुनियादी ढांचों पर हमले की अमेरिकी धमकी से संयुक्त राष्ट्र चिंतित, प्रवक्ता ने जताई आपत्ति

जिनेवा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र ने अमेरिका के उस बयान पर चिंता जताई है, जिसमें ईरान के बिजली संयंत्रों और पुलों पर हमले की धमकी दी गई थी। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता ने कहा कि इस तरह की भाषा को लेकर संगठन चिंतित है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के मुख्य प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने एक दैनिक प्रेस वार्ता में कहा, 'सोशल मीडिया पर किए गए उस पोस्ट में अमेरिका द्वारा बिजली संयंत्रों, पुलों और अन्य ढांचों पर हमले की बात कही गई थी, जिसे लेकर हम चिंतित हैं, खासकर अगर ईरान किसी समझौते के लिए तैयार नहीं होता।' उन्होंने कहा कि महासचिव पहले भी साफ कर चुके हैं कि अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन जरूरी है और सभी पक्षों को संघर्ष के दौरान अपने दायित्वों का सम्मान करना चाहिए। प्रवक्ता के मुताबिक, गुटेरेस ने दोहराया कि आम लोगों से जुड़ी सुविधाओं, जैसे बिजली और ऊर्जा से जुड़े ढांचे, पर हमला नहीं किया जाना चाहिए, भले ही कुछ मामलों में उन्हें सैन्य लक्ष्य माना जाए। उन्होंने यह भी कहा कि अब समय आ गया है कि सभी पक्ष इस संघर्ष को खत्म करें, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय विवादों का शांतिपूर्ण समाधान ही सबसे सही रास्ता है। जब यह पूछा गया कि क्या ऐसे हमले युद्ध अपराध माने जाएंगे, तो दुजारिक ने कहा कि ये अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन होंगे। यह तय करना कि यह अपराध है या नहीं, अदालत का काम है। उन्होंने साफ कहा, 'किसी भी नागरिक ढांचे पर हमला करना अंतरराष्ट्रीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन है। इस बीच, ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अरागची ने तेहरान स्थित शरिफ यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी पर अमेरिका और इजरायल के हमले की कड़ी निंदा की। इस हमले में यूनिवर्सिटी के सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र की इमारत और पास में स्थित गैस स्टेशन को भारी नुकसान पहुंचा। ईरान की सेना ने रविवार को बताया कि उसने दक्षिणी इज़रायल में स्थित पेट्रोकेमिकल उद्योगों और पेट्रोलियम उत्पादों के भंडारण केंद्रों को निशाना बनाया है। इसके अलावा, उसने कुवैत स्थित एक सैन्य अड्डे पर मौजूद अमेरिकी उपकरणों के गोदामों, उपग्रह संचार इकाइयों और वहां तैनात अमेरिकी सैनिकों पर भी हमला किया है।

सिर पर बंदूक रखकर बातचीत नहीं: सेतारेह सादेकी

ट्रंप की धमकियों पर फिर भड़का ईरान, तेहरान की महिला प्रोफेसर का कड़ा जवाब

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कड़ी चेतावनियों पर ईरान से तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। तेहरान विश्वविद्यालय की महिला सहायक प्रोफेसर सेतारेह सादेकी ने साफ कहा कि हमारे सिर पर बंदूक रखकर बातचीत की बात करना ईरान के लिए कभी स्वीकार्य नहीं होगा।

दरअसल, ट्रंप ने ईरान को अल्टीमेटम देते हुए कहा था कि यदि मंगलवार रात तक कोई समझौता नहीं हुआ तो ईरान के बुनियादी ढांचे को गंभीर नुकसान झेलना पड़ेगा। उन्होंने यहां तक कहा कि एक रात में ईरान को खत्म कर सकते हैं।

धमकियों के बीच बातचीत नहीं : सादेकी ने कहा कि अमेरिका की ये धमकियां कोई नई बात नहीं हैं, बल्कि पहले दिए गए डेडलाइन का विस्तार हैं। उनके मुताबिक ईरान इसे ऐसे देखता है जैसे हमारे सिर पर

बंदूक तानकर बातचीत करने को कहा जा रहा हो, जो कभी काम नहीं करेगा। उन्होंने दोहराया कि जब तक ईरान के शहरों पर हमले और बमबारी जारी रहेगी, तब तक अमेरिका के साथ न तो बातचीत होगी और न ही किसी युद्धविराम पर सहमति बनेगी।

अमेरिका पर नागरिक ढांचे पर हमले का आरोप : तेहरान यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर ने अमेरिका पर गंभीर आरोप भी लगाए। उन्होंने कहा कि हाल के हमलों में विश्वविद्यालयों, रिसर्च सेंटर, टीकाकरण केंद्रों और पुलों को निशाना बनाया गया है। सादेकी के अनुसार, संभावना है कि अमेरिका आगे भी नागरिक ढांचे पर हमले तेज कर सकता है।

ईरान देगा जवाब : उन्होंने यह भी कहा कि ईरान ने पहले भी अमेरिकी हमलों का जवाब प्रभावी तरीके से दिया है। ईरान ने क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों और इस्राइली इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाकर अपनी क्षमता दिखाई है। सादेकी ने चेतावनी दी कि ईरान भविष्य में भी ऐसे ही जवाब देगा जिससे अमेरिका की हमले करने की क्षमता कमजोर हो सके।

ट्रंप का अल्टीमेटम और 'क्रिटिकल पीरियड': व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि यह क्रिटिकल पीरियड है और ईरान को समझौते के लिए पर्याप्त समय दिया गया है। उन्होंने कहा हमने उन्हें 10 दिन दिए हैं। अब उनके पास मंगलवार रात 8 बजे (ईस्टर्न टाइम) तक का समय है। इसके बाद उनके पास न पुल होंगे, न पावर प्लांट।

ईरान के सुप्रीम लीडर को मार गया लकवा, बेहोशी की हालत में अस्पताल में भर्ती: रिपोर्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और इजारयल के साथ युद्ध के बीच ईरान में सुप्रीम लीडर को लेकर बड़ा संकट खड़ा हो गया है। अली खामेनेई की मौत के बाद उनके बेटे मोजतबा खामेनेई को यह जिम्मेदारी दी गईहै। हालांकि कुछ रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि उनकी हालत ठीक नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक वह बेहोश हैं और कोम शहर के अस्पताल में इलाज चल रहा है। यूएस और इजरायली इंटेलिजेंस ने अपने सहयोगी खाड़ी देशों को बताया है कि मोजतबा खामेनेई की हालत बेहद खराब है और इस स्थिति में वह कोई भी निर्णय लेने में सक्षम नहीं हैं। हालांकि ईरान की तरफ से इसकी पुष्टि नहीं की गई है। युद्ध के समय कई बार ऐसी खबरें मनोवैज्ञानिक हमला करने के लिए भी फैलाई जाती हैं।

पहली बार लोकेशन की जानकारी : रिपोर्ट के मुताबिक खुफिया एजेंसियों की तरफ से दिए गए मेमो में कहा गया है कि उनकी हालत लकवा मारने जैसी है और वह कुछ भी सोचने-समझने के लायक नहीं बचे हैं। पहली बार है जब सुप्रीम लीडर की लोकेशन के बारे में भी जानकारी दी गई है।

बनाई जा रही कब्रगाह : बता दें कि कोम ईरान का पवित्र शहर है। इंटेलिजेंस मेमो में कहा गया है कि अली खामेनेई को भी कोम में दफनाने की तैयारी चल रही है। रिपोर्ट के मुताबिक यहां एक बड़ी कब्रगाह बनाई जाएगी। इसमें यह भी कहा गया है कि खमेनेई परिवार के अन्य लोग और मौत के बाद मोजतबा को भी यहीं दफनाया जाएगा।

ईरान ने पहले ही यह कन्फर्म कर दिया था कि जिस एयरस्ट्राइक में मोजतबा के पिता अली खामेनेई, मां और पत्नी जहरा हद्दा आदेल मारी गई थीं। उसमें मोजतबा भी घायल हुए थे। जब से मोजतबा का नाम सुप्रीम लीडर के तौर पर आगे किया गया है तब से ही वह सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए हैं। अब इसको लेकर कई तरह के चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

एक दिन पहले जारी किया गया था मोजतबा का बयान : एक दिन पहले ही ईरान के अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने सार्वजनिक बयान जारी कर रिवोल्यूशनरी गार्ड के खुफिया प्रमुख के मारे जाने पर शोक व्यक्त किया। खामेनेई ने सोशल मीडिया मंच पर एक पोस्ट के जरिए कहा कि मेजर जनरल मजीद खादमी अपने प्राण न्योछावर करने वाले ''योद्धाओं और लड़ाकों की पंक्ति'' में शामिल हो गए हैं। बता दें कि अमेरिका ने ईरान को मंगलवार रात 8 बजे तक का समय दिया है। ट्रंप ने कहा है कि अगर इस समय के भीतर ही होर्मुज को खोलने का समझौता नहीं होता है तो ईरान के सारे पुल और पावर प्लांट ध्वस्त कर दिए जाएंगे।

ट्रंप ने समयसीमा तय की ईरान पर हमलों की चेतावनी दी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को समझौता करने के लिए अंतिम समयसीमा दी है और चेतावनी दी है कि अगर बातचीत विफल होती है तो व्यापक सैन्य कार्रवाई की जाएगी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच यह कदम उठाया गया है, जिसका वैश्विक ऊर्जा और सुरक्षा पर असर पड़ सकता है। उन्होंने कहा, 'उनके पास कल तक का समय है और जोड़ा कि कूटनीति की गुंजाइश तेजी से खत्म हो रही है। उन्होंने बताया कि बातचीत जारी है लेकिन अनिश्चित बनी हुई है। उन्होंने यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से कहा 'हमें लगता है कि वे ईमानदारी से बातचीत कर रहे हैं... हमें जल्द ही पता चल जाएगा।

इसके साथ ट्रंप ने साफ किया कि सैन्य विकल्प अब भी खुले हैं। 'हम उन्हें बुरी तरह हिला सकते हैं,' उन्होंने कहा, संभावित अमेरिकी कार्रवाई के पैमाने को रेखांकित करते हुए। उन्होंने यह भी जोड़ा कि संभावित लक्ष्यों के मामले में 'बहुत कम चीजें सीमा से बाहर हैं,' जिससे संकेत मिलता है कि यदि ईरान ने पालन नहीं किया तो महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर भी हमला किया जा सकता है। राष्ट्रपति ने संकेत दिया कि तेल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना अमेरिका की मांगों का एक प्रमुख हिस्सा है। 'उस समझौते का एक हिस्सा यह होगा कि हम तेल और अन्य चीजों की मुक्त आवाजाही चाहते हैं।' उन्होंने कहा, और होर्मुज़ जलडमरूमध्य जैसे ऊर्जा मार्गों के रणनीतिक महत्व की ओर इशारा किया। ट्रंप ने हालिया अमेरिकी अभियानों के बाद ईरान को कमजोर बताया। उन्होंने कहा, 'उनके पास नौसेना नहीं है... उनके पास वायु सेना नहीं है... उनके पास वायु रक्षा प्रणाली नहीं है।' हालांकि उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि असममित खतरे अब भी मौजूद हैं। उन्होंने संघर्ष के अगले चरण को लेकर अनिश्चितता भी स्वीकार की। ट्रंप ने कहा, 'मैं आपको नहीं बता सकता... यह इस पर निर्भर करता है कि वे क्या करते हैं।' ये टिप्पणियां दबाव और कूटनीति के मिश्रण को दर्शाती हैं, जहां अमेरिका रियायतें हासिल करने की कोशिश कर रहा है, साथ ही हमलों को तेज करने का विकल्प भी खुला रख रहा है। ट्रंप ने कहा कि कई देश इस संकट के समाधान के प्रयासों में लगे हुए हैं। 'इस युद्ध से बहुत से लोग प्रभावित हो रहे हैं।' यह स्थिति वैश्विक ऊर्जा बाजारों के लिए महत्वपूर्ण प्रभाव रखती है, खासकर यदि तनाव के कारण होर्मुज़ जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों में बाधा आती है, जो तेल आपूर्ति की एक प्रमुख धुरी है।

अमेरिका-भारत संबंधों में तेजी आने के साथ ही प्राथमिकताओं के तालमेल पर जोर

वॉशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत ने अपनी रणनीतिक साझेदारी में नई गति का संकेत दिया है। यह संकेत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के लिए आयोजित व्हाइट हाउस रात्रिभोज से पहले मिला। वहीं वॉशिंगटन में हुई उच्चस्तरीय बैठकों की श्रृंखला ने सुरक्षा और राजनीतिक प्राथमिकताओं पर बढ़ती समानता को भी रेखांकित किया। व्हाइट हाउस ने कहा कि राष्ट्रपति भारत में अमेरिकी राजदूत के साथ एक रात्रिभोज में भाग लेने वाले हैं। गोर इस समय अमेरिकी राजधानी में हैं और कई बैठकों में शामिल हो रहे हैं। गोर ने वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों, जिनमें एफबीआई निदेशक काश पटेल भी शामिल हैं, के साथ बैठकों के बाद सहयोग के विस्तार पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि उन्होंने 'रचनात्मक चर्चा' की, जिसमें 'सीमा पार खतरों, साइबर अपराध, मादक पदार्थों और अवैध नेटवर्क' से निपटने पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने कहा, 'सुरक्षा प्राथमिकताओं पर मजबूत तालमेल है,' और जोड़ा कि पटेल 'एफबीआई में शानदार काम कर रहे हैं।' उन्होंने हालिया कानून-प्रवर्तन उपलब्धियों का भी उल्लेख किया और कहा: '2025 में: हिंसक अपराधों में गिरफ्तारियों में साल-दर-साल 112% की वृद्धि। हत्याओं में 20 प्रतिशत की कमी। डकैती में 20 प्रतिशत की कमी!'

ये संपर्क वॉशिंगटन और नई दिल्ली के बीच साझा सुरक्षा चुनौतियों, विशेष रूप से साइबर खतरों और संगठित आपराधिक नेटवर्क के खिलाफ परिचालन सहयोग को गहरा करने के व्यापक प्रयासों के बीच हो रहे हैं। गोर ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ अपनी बैठक के बाद संबंधों के राजनीतिक पहलू पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, 'अभी-अभी उपराष्ट्रपति के साथ शानदार बैठक समाप्त हुई। अमेरिका-भारत संबंधों

पर उपराष्ट्रपति के निरंतर नेतृत्व और ध्यान के लिए धन्यवाद।' उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में व्हाइट हाउस इस क्षेत्र में पूरी तरह सक्रिय है,' और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र तथा उसमें भारत की भूमिका पर अमेरिका के निरंतर ध्यान की ओर इशारा किया। कूटनीतिक प्रयासों में गोर और अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा के बीच बैठक भी शामिल रही, जो दोनों पक्षों के बीच करीबी समन्वय को दर्शाती है। गोर ने कहा, 'मेरे मित्र क्वात्रा से मिलकर हमेशा खुशी होती है। वे हमारे रणनीतिक संबंधों की गहराई से परवाह करते हैं!'

क्वात्रा ने इस बातचीत को दोनों लोकतंत्रों के बीच संबंधों को मजबूत करने के जारी प्रयासों का हिस्सा बताया। उन्होंने कहा, 'वॉशिंगटन डीसी की यात्रा के दौरान अपने मित्र, राजदूत सर्जियो गोर से मिलकर खुशी हुई। उनके सहयोग का सम्मान करता हूं और हम दोनों देशों के नेताओं द्वारा तय लक्ष्यों को हासिल करने के लिए अपने मजबूत प्रयास जारी रखेंगे।' ये बातचीत सुरक्षा, कूटनीति और राजनीतिक नेतृत्व को शामिल करते हुए बहु-स्तरीय जुड़ाव को दर्शाती है, जिसमें दोनों पक्ष प्रमुख प्राथमिकताओं पर तालमेल पर जोर दे रहे हैं।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380 009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700,

CMYK